जगह-जगह हुआ होलिक दहन।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, मंगलवार 3 मार्च 2026

महाकाल मंदिर में होलिका दहन

महाकाल की होली

वैदिक मंत्रों के साथ जली होली

उज्जैन। देश में होली का पर्व सोमवार को सबसे पहले उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में मनाया गया। परंपरा के अनुसार इस बार भगवान महाकाल को केवल एक किलो हर्बल गुलाल प्रतीकात्मक रूप से अर्पित किया गया। संध्या आरती के दौरान पुजारी ने भगवान को गुलाल अर्पित किया।

किसान कल्याण वर्ष 2026

पहली कृषि कैबिनेट में कृषि और सिंचाई योजनाओं के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपए की मंजूरी

नागलवाड़ी से नई 'कृषि क्रांति'

कैबिनेट के सभी सदस्यों ने जनजातीय परंपरागत वस्त्रों को धारण कर मुख्यमंत्री के अभ्युदय मप्र में जनजातीय वर्ग के सम्मान और कल्याण का सशक्त संदेश दिया

भीलट बाबा की पूजा-अर्चना करते सीएम

- किसान कल्याण वर्ष में हर अंचल में होगी कृषि कैबिनेट
- इस बार नागलवाड़ी में हुई पहली कृषि कैबिनेट

कैबिनेट बैठक में सीएम व मंत्रीगण

- *किसानों से जुड़े 6 विभागों में विकास कार्यों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय*
- *बड़वानी जिले के विकास के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र सरकार वर्ष-2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। किसान कल्याण वर्ष की पहली कैबिनेट की बैठक बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में हुई। इस बैठक में कृषि विकास और सिंचाई योजनाओं के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। इसके साथ ही साथ किसानों से जुड़े 6 विभागों में विकास कार्यों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़वानी जिले के विकास के लिए सरकार का खजाना खोल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष की यह पहली कैबिनेट है। भविष्य में प्रदेश के विभिन्न स्थानों में कृषि कैबिनेट का आयोजन कर किसान कल्याण की दिशा में अनेक निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को हुई पहली कृषि कैबिनेट में कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी और सहकारिता से संबंधित 27 हजार 500 करोड़ रुपए की विभिन्न योजनाओं को मंजूरी दी गई। इस पहली कृषि कैबिनेट में किसानों और विभिन्न उत्पादक गतिविधियों में लगे लोगों के लिए 25 हजार 678 करोड़ रुपए की योजनाओं से जुड़े निर्णय लिए गए।

20 परियोजनाओं के लिए 3 हजार 502 करोड़ रुपए की मंजूरी

कैबिनेट ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास की 500 करोड़ से कम वित्तीय आकार की 20 परियोजनाओं को आगामी 5 वर्षों तक अर्थात 31 मार्च 2031 तक के लिए निरंतर जारी रखने जाने की मंजूरी दी है। इसके लिए 3 हजार 502 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई। सहकारिता विभाग की सहकारी बैंकों के अंश पूंजी सहायता योजना को 5 वर्षों 31 मार्च 2031 तक संचालित करने के लिए 1 हजार 975 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। लोकवित्त से वित्त पोषित कार्यक्रम को ऋण प्रदाय करना सहकारिता विभाग से जिला बैंकों के माध्यम से, कालातीत ऋणों की पूर्ति किये जाने के लिए कृषकों को फसल ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाती है।

सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के लिए 1,375 करोड़ की मंजूरी

कैबिनेट ने सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना को आगामी 5 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2020-31 तक) की निरंतरता के लिए 1,375 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इस योजना में केंद्र एवं राज्य सरकार की भागीदारी से, मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करणीय उद्योगों के उन्नयन तथा नवीन खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। उद्यानिकी के क्षेत्र में पौधशाला उद्यान में रोपणियों में पौध तैयार करने और उच्च गुणवत्ता की पौध एवं बीज, रियायती दरों पर उपलब्ध कराए।

लगभग एक लाख केज स्थापित किए जाएंगे

कैबिनेट की बैठक में मप्र एकीकृत मत्स्यद्योग नीति-2026 को मंजूरी दी गई। इसमें अगले 3 वर्षों तक रुपए 3 हजार करोड़ का निवेश एवं लगभग 20 हजार रोजगार (10 हजार प्रत्यक्ष एवं 10 हजार अप्रत्यक्ष) सृजित होंगे। इस नीति में 18 करोड़ 50 लाख रुपए के बजट प्रावधान की स्वीकृति दी गई। इसमें केज कल्चर को आधुनिक स्वरुप में बढ़ावा देते हुए लगभग एक लाख केज स्थापित किए जाएंगे। इस नीति में मछली पालन संबंधी गतिविधि के साथ ईको-टूरिज्म एवं ग्रीन एनर्जी को शामिल करते हुए बहुउद्देशीय आजीविका मॉडल के रुप में कार्य होगा।

वृंदावन में विधवा माताओं ने खेली होली

बेरंग जिंदगी में बिखरे रंग खुशी से खिल उठे चेहरे

एजेंसी ⏭ मथुरा

वृंदावन के ऐतिहासिक गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में सोमवार को बड़ी संख्या में विधवा माताओं ने एक बार फिर होली मनाई। सुलभ इंटरनेशनल द्वारा हाल के वर्षों में आयोजित विधवाओं के लिए वृंदावन की होली का उत्सव उन सैकड़ों विधवाओं के लिए यादगार अवसर बन गया है, जिन्हें कुछ समय पहले तक अपमान का सामना करना पड़ता था। सुलभ इंटरनेशनल की कार्यकारी संयोजक नित्या पाठक ने बताया पांच आश्रमों में रहने वाली बड़ी संख्या में माताओं ने रंगों के इस त्योहार में सक्रिय रूप से भाग लिया।

सहेली

साल का पहला चंद्रग्रहण आज

ग्रहण दोपहर 3.20 बजे से शाम 6 बजकर 46 मिनट तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल सहित देशभर में मंगलवार को साल का पहला चंद्रग्रहण रहेगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल सुबह 6:20 बजे से शुरू होगा। सूतक काल लगते ही मंदिर में दर्शन, हवन-पूजन, जप, अनुष्ठान और अन्य धार्मिक क्रियाएं पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। सूतक काल समाप्त होने के बाद रात करीब 7 बजे शुद्धि करने के बाद मंदिर खोले जाएंगे। लेकिन शहर के लखेरापुरा स्थित श्रीजी का मंदिर खुला रहेगा। मां चामुंडा दरबार गुरु पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा यानी होली पर इस बार चंद्र ग्रहण का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इससे पहले 3 मार्च 2007 और 13 मार्च 1979 को होली पर चंद्र ग्रहण लगा था। इसके बाद 25 मार्च 2043 को होली पर ग्रस्तोदय चंद्रग्रहण का योग बनेगा।

चंद्रग्रहण का समय

- शुरुआत: दोपहर 3:20 बजे
- पूर्ण ग्रहण शुरू: शाम 4:34 बजे
- पूर्ण ग्रहण समाप्त: शाम 5:33 बजे
- ग्रहण का समापन: शाम 6:46 बजे

वंतारा फाउंडेशन डे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के एक वर्ष बाद, अनेक जानवर स्वस्थ होकर फिर से जंगल में लौटे

एजेंसी ⏭ जामनगर

वंतारा फाउंडेशन डे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के एक वर्ष बाद, अनेक जानवर स्वस्थ होकर फिर से जंगल में लौटेजामनगर, गुजरात: वंतारा फाउंडेशन डे के अवसर पर, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके उद्घाटन के एक वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, वंतारा ने वन्यजीव बचाव, उन्नत चिकित्सीय देखभाल और विज्ञान-आधारित संरक्षण में अपने एक वर्ष के मापनीय प्रभाव पर प्रकाश डाला।

अनंत मुकेश अंबानी द्वारा स्थापित वंतारा ने विभिन्न प्रजातियों के हजारों बचाए गए वन्य जीवों—जिनमें बड़े बिल्लीनुमा जीव, सरीसृप, प्राइमेट्स (वनमानुष वर्ग), पक्षी तथा अन्य स्तनधारी शामिल हैं—को स्वस्थ किया है। बीते वर्ष में इसकी पशु-चिकित्सा टीमों ने कई जटिल शल्य प्रक्रियाएं कीं और अनेक जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्वासित किया, साथ ही बचाव, उपचार और पूर्ण स्वस्थ होने के बाद कई जानवरों को पुनः जंगल में छोड़ा। अपने पहले वर्ष में, अनंत अंबानी को वन्यजीव की विशेष देखभाल और संरक्षण में उनके उल्लेखनीय वैश्विक योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'ग्लोबल ह्यूमेन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। जो करुणा और विज्ञान-आधारित संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वंतारा के कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर EARAZA और SEAZA की सदस्यता, ग्लोबल ह्यूमेन कंजर्वेशन सर्टिफिकेशन तथा प्राणी मित्र पुरस्कार 2025 के माध्यम से भी मान्यता मिली है।

सम्मान से आगे बढ़ते हुए, संगठन ने दीर्घकालिक प्रभाव निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है—सैकड़ों पशु-चिकित्सकों को संरक्षण चिकित्सा में प्रशिक्षित किया, 50 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रम आयोजित किए, और हजारों बच्चों को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जोड़ा, ताकि अगली पीढ़ी को संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जा सके। पिछले एक वर्ष में, वंतारा ने संकटग्रस्त और शोषणपूर्ण परिस्थितियों से जानवरों का बचाव किया है, साथ ही उन्हें विश्व-स्तरीय पशु-चिकित्सीय देखभाल और दीर्घकालिक, विशेष सहायता प्रदान की है। लकड़ी ढुलाई, सर्कस, सवारी और भीख मांगने जैसी गतिविधियों से बचाए गए 250 से अधिक हाथियों—जो गठिया और अन्य आयु-संबंधी बीमारियों से ग्रस्त थे—को विशेष देखभाल दी जा रही है। वंतारा भीड़भाड़ वाली सुविधाओं से बचाए गए हजारों मगरमच्छों की निरंतर देखभाल भी करता है। भारत के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर सहयोग के माध्यम से, वंतारा करुणा, कल्याण और विज्ञान पर आधारित एक वैश्विक संरक्षण मॉडल को प्रतिबिंबित करता है।वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र (पश्चिम क्षेत्र) के रूप में नामित वंतारा ने वन्यजीव स्वास्थ्य को व्यापक रोग निगरानी और समन्वित प्रतिक्रिया प्रणालियों में एकीकृत कर भारत के 'वन हेल्थ' पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ किया है। इसकी वैज्ञानिक संरचना में एक केंद्रीय वैज्ञानिक प्रयोगशाला और 11 उपग्रह प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जिनमें 70 से अधिक विशेषज्ञ कार्यरत हैं और जो प्रतिदिन 2,000 से अधिक नैदानिक नमूनों की जांच करती हैं। इनकी क्षमताओं में बायो-बैंकिंग, नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वेंसिंग, आणविक निदान, पैथोलॉजी, परजीविविज्ञान और विषविज्ञान शामिल हैं।

प्रतिदिन हजारों जानवरों की देखभाल का समर्थन करते हुए, वंतारा पूरी तरह स्वचालित प्रणालियों के माध्यम से 1,56,000 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाला पोषण तैयार करता है, जिसे 50 तापमान-नियंत्रित वाहनों के माध्यम से वितरित किया जाता है और 200 प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, 1,000 से अधिक किसान चारा और पशु-आहार की खेती में सहयोग करते हैं। इस एकीकृत देखभाल के व्यापक स्तर के साथ 200 सदस्यों की चौबीसों घंटे सक्रिय प्रतिक्रिया टीम भी कार्यरत है, जिसने 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बचाव अभियानों तथा 15 वन्यजीव त्वरित प्रतिक्रिया एवं बचाव टीम तैनातियों में सहयोग प्रदान किया है।

ब्रिटिश पीएम ने समझौते के बाद भी डिएगो गार्सिया एयरबेस का इस्तेमाल नहीं करने देने पर भड़के ट्रंप

प. एशिया में तनाव के बीच ट्रंप-स्टार्मर आमने-सामने, कहा प्रधानमंत्री ने एयरबेस का पहले इस्तेमाल नहीं करने दिया

1 कीर ने कहा-विशेष और सीमित रक्षा उद्देश्यों के लिए ही डिएगो गार्सिया का इस्तेमाल करने देंगे

2 रविवार रात अचानक स्टार्मर का बदल गया रुख

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में इजराइल और ईरान के बीच टकराव के कारण हालात चिंताजनक हैं। अमेरिका-इजराइल एक साथ ईरान पर हमले कर रहे हैं। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने भी अमेरिका के कई सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए हैं। पश्चिम एशिया में वैश्विक ताकतों के टकराव से उपजे तनावपूर्ण हालात के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर आमने-सामने आ गए हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि ब्रिटिश पीएम ने उन्हें ईरान पर हमले के लिए डिएगो गार्सिया एयरबेस का इस्तेमाल नहीं करने दिया। उन्हें ऐसे व्यवहार पर गहरा अफसोस हुआ है।ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह ईरान पर हमले के लिए डिएगो कार्सिया सैन्य अड्डे के इस्तेमाल की अनुमति न देने पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर से बहुत निराश हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री का शुरू में अमेरिकी सेनाओं को चागोस द्वीप समूह के इस सैन्य अड्डे का इस्तेमाल करने से रोकना ऐसा था, जैसा दोनों देशों के संबंधों में पहले कभी नहीं हुआ। ब्रिटेन ने अंतरराष्ट्रीय कानून का हवाला देते हुए पहले अमेरिका को डिएगो गार्सिया और आरएएफ फेयरफोर्ड जैसे ठिकानों से हमले करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, रविवार रात स्टार्मर का रुख बदला। उन्होंने कहा कि वह 'विशेष और सीमित रक्षा उद्देश्यों' के लिए ही डिएगो गार्सिया का इस्तेमाल करने देंगे। ट्रंप ने कहा कि स्टार्मर ने फैसला बदलने में बहुत ज्यादा समय लगा दिया।

चागोस समझौते को ट्रंप ने वापस लिया

डिएगो कार्सिया को लेकर इस विवाद के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री के उस विवादित चागोस समझौते से समर्थन वापस ले लिया, जिसके तहत हिंद महासागर के इस क्षेत्र का स्वामित्व मॉरीशस को सौंपकर सैन्य अड्डा वापस लीज पर लेने की योजना थी। ट्रंप ने कहा, अचानक मॉरीशस ने मालिकाना हक का दावा करना शुरू कर दिया। उन्हें (कीर स्टार्मर) पर डटे रहना चाहिए था और इसे अपने पास रखना चाहिए था या फिर स्पष्ट तौर पर सौंप देना चाहिए था। लेकिन नहीं, हम कीर से बहुत निराश हैं।

ट्रंप ने ब्रिटेन में मौतों के लिए जिम्मेदार ईरान को माना

ईरान पर अमेरिकी हमलों के दो दिन बाद ट्रंप ने कहा कि यह अभियान तय समय से काफी आगे चल रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि स्टार्मर को शुरू से ही डिएगो गार्सिया के इस्तेमाल की अनुमति देनी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान आपके देश (ब्रिटेन) के कई लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, ऐसे लोग हैं जो हाथ, पैर और चेहरे खो चुके हैं। इनमें से 95 फीसदी मामलों के पीछे ईरान है। हालांकि, उन्होंने किसी विशेष घटना का जिक्र नहीं किया।

जंग के बीच ईशा अबू धाबी में फंसीं, माधवन अमेरिका में

नई दिल्ली। इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष की खबरें और हवाई क्षेत्र बंद होने के विजुअल्स इंटरनेट पर वायरल हुए, वैसे ही अजित कुमार और आर माधवन जैसे बड़े सितारों के नाम ट्रेंड करने लगे। चूंकि इन दोनों अभिनेताओं का दुबई में अपना घर है और वे अक्सर वहां समय बिताते हैं, इसलिए प्रशंसक उनकी सुरक्षा को लेकर रियल-टाइम अपडेट्स की मांग करने लगे। सोशल मीडिया पर बढ़ती अफवाहों और प्रशंसकों की बेचैनी को देखते हुए बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में स्थिति स्पष्ट की गई। आर माधवन ने स्वयं इस बात की पुष्टि की है कि वह वर्तमान में दुबई में नहीं, बल्कि अपने परिवार के साथ यूनाइटेड स्टेट्स में हैं। उन्होंने बताया कि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्होंने अपने प्रशंसकों को उनकी फिक्र और दुआओं के लिए धन्यवाद दिया। माधवन ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक मिडिल ईस्ट के हालात सामान्य नहीं हो जाते, वे अमेरिका में ही रुकेंगे। उनके इस सीधे और स्पष्ट जवाब ने सोशल मीडिया पर चल रही अनवेरिफाइड रिपोर्ट्स और अफवाहों पर विराम लगा दिया, जिससे प्रशंसकों ने राहत की सांस ली।

टैंकर में करीब 59,463 मीट्रिक टन कच्चा माल लदा हुआ था

ओमान के पास ऑयल टैंकर पर ईरान का हमला, एक भारतीय की दर्दनाक मौत

एजेंसी,नई दिल्ली। मध्य पूर्व में भड़की युद्ध की आग अब समंदर के रास्तों को भी अपनी चपेट में ले रही है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच, ओमान के तट के करीब एक बड़े तेल टैंकर पर हमला हुआ है। इस खौफनाक हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। यह घटना अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरी है। मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले इस कॉमर्शियल ऑइल टैंकर का नाम 'एमकेडी व्योम' है। जानकारी के मुताबिक, यह जहाज मस्कट गवर्नरेट के तट से लगभग 52 नॉटिकल मील की दूरी पर था, जब एक मानव रहित नाव ने इसे अपना निशाना बनाया। जिस वक्त यह हमला हुआ, टैंकर में करीब 59,463 मीट्रिक टन कच्चा माल लदा हुआ था। ड्रोन के टकराते ही जहाज के मुख्य इंजन रूम में जोरदार धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। इसी धमाके की चपेट में आने से एक

भारतीय क्रू मेंबर की दर्दनाक मौत हो गई। राहत की बात यह रही कि हमले के तुरंत बाद रैस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। जहाज पर कुल 21 क्रू मेंबर मौजूद थे, जिनमें 16 भारतीय, चार बांग्लादेशी और एक यूक्रेन का नागरिक शामिल था। पनामा के झंडे वाले एक अन्य व्यापारिक जहाज 'एमवी सैंड' ने मुस्तैदी दिखाते हुए इन सभी 21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

अब दुनिया की शिपिंग इंडस्ट्री में हड़कंप मचा

इस हमले ने पूरी दुनिया की शिपिंग इंडस्ट्री में हड़कंप मचा दिया है। समुद्री सुरक्षा से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने इस हमले की निंदा की है। खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीय कामगारों और नाविकों के परिवारों में चिंता की लहर दौड़ गई है।

जहाजों के लिए हाई अलर्ट जारी

फिलहाल, ओमान की रॉयल नेवी ने घटनास्थल की घेराबंदी कर ली है और क्षतिग्रस्त टैंकर 'एमकेडी व्योम' की निगरानी कर रही है। ओमान के मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने उस इलाके से गुजरने वाले सभी जहाजों के लिए हाई अलर्ट और चेतावनी जारी कर दी है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि तेल का रिसाव न हो और बाकी समुद्री यातायात सुरक्षित रहे। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान की राजधानी तेहरान पर हमले किए जा रहे हैं। जानकारों का मानना है कि इसके जवाब में ईरान उन समुद्री रास्तों और देशों को निशाना बना रहा है, जहां अमेरिकी सैन्य बेस मौजूद हैं। खबर है कि इधर कुवैत में भी अमेरिका के तीन फाइटर जेट गिरे। इस 'शैडो वॉर' के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन के बाधित होने और कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने का खतरा पैदा हो गया है।

पाकिस्तान का दावा- मार गिराए 350 तालिबानी, रमजान में चल रही जंग और तेज

- साढ़े 5 सौ से ज्यादा लोग हुए घायल
- अफगान का दावा पाक के दो मिलिट्री बेस और 19 मिलिट्री पोस्ट पर कब्जा किया

इस्लामाबाद। इजराइल और ईरान में जारी जंग के बीच भारत के पड़ोस में भी युद्ध तेज हो रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध का आज चौथा दिन है। पाकिस्तान का दावा है कि उसके हमलों में अब तक 350 से ज्यादा तालिबान लड़ाके मारे गए हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया है कि उनके मुल्क ने अफगानिस्तान के 41 ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों में तालिबान की 130 चौकियों को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा 530 लोग जख्मी हुए हैं और साढ़े 3 सौ लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने इससे पहले ऐलान किया था कि अफगानिस्तान के साथ अब हम खुली जंग में हैं। उनका कहना था कि तालिबान ने हमारी सीमा में घुसकर हमले किए हैं और अब हम उनका जवाब देंगे। इसके बाद पाकिस्तान ने काबुल, कंधार समेत अफगानिस्तान के बड़े शहरों को टारगेट करते हुए हमले किए थे। तुर्की और कतर जैसे मुल्कों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने की कोशिश की थी, लेकिन फेल रहे। दोनों इस्लामिक देशों के बीच जारी इस जंग ने साउथ एशिया में ऐसे वक्त में तनाव बढ़ाया है, जब पड़ोस में ही ईरान और इजरायल भी जंग लड़ रहे हैं। उस युद्ध में अमेरिका भी इजरायल के साथ मिलकर हमले कर रहा है। वहीं अफगानिस्तान का दावा है कि उसके हमलों में 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के दो मिलिट्री बेस और 19 मिलिट्री पोस्ट भी कब्जाने का दावा किया है। पाकिस्तान ने ऐसे दावों को खारिज किया है। बता दें कि बीते कई सालों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। 2021 में अफगानिस्तान से नाटो सेनाओं ने वापसी की थी। इसके बाद पाकिस्तान को उम्मीद थी कि अब तालिबान के हाथ सत्ता लगेगी और उनके जरिए वह मनमानी कर सकेगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ है और तालिबान ने अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए नहीं करने दिया है। यही नहीं पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत को लेकर दोनों में मतभेद भी पैदा हो गए हैं। इसकी वजह यह है कि तालिबान का कहना है कि वह अंग्रेजों की खींची हुई डूरंड लाइन को नहीं मानता है। इसके अलावा खैबर पख्तूनख्वा में जो पश्तून आबादी है, उनके साथ उनका रिश्ता है। ऐसे में मुक्त आवाजाही की परमिशन भी होनी चाहिए। अकसर ही दोनों सीमा पर

हिंसक प्रदर्शन के चलते सुरक्षा अलर्ट जारी

पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर वीजा सेवाएं की गईं स्थगित

इस्लामाबाद। *पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बीच अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि लाहौर और कराची में जारी प्रदर्शन और हिंसा, साथ ही इस्लामाबाद और पेशावर में अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिकी कर्मचारियों को सीमित गतिविधि और घर पर रहने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा चेतावनी में अमेरिकी नागरिकों को स्थानीय समाचार पर नजर रखने, भीड़ से दूर रहने, अपने आसपास सतर्क रहने और अपने रजिस्ट्रेशन को अपडेट रखने की सलाह दी गई है। अमेरिकी दूतावास ने बताया कि कराची और लाहौर के वाणिज्य दूतावास, तथा इस्लामाबाद अमेरिकी दूतावास में 2 मार्च के सभी वीजा अपॉइंटमेंट और अमेरिकी नागरिक सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। गौरतलब है कि कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुए। इसके बाद एक अमेरिकी रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) कार्यकर्ता ने अमेरिका के विदेश विभाग से मांग की है कि पाकिस्तानियों के सभी वीजा, यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी रद्द कर दिए जाएं। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को टैग करते हुए लिखा 'अमेरिकी विदेश विभाग को पाकिस्तानियों के सभी वीजा और ग्रीन कार्ड भी जब तक संभव हो, निलंबित कर देने चाहिए।'उनकी यह मांग कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बाद आई है। लूमर ने दावा किया कि पाकिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से नाराज छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, ये लोग अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कड़ी सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज दोपहर दोबारा घुसने की कोशिश करने के दौरान कई अन्य लोगों को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।*

सीईपीए समझौते की राह हुई साफ़, दोनों देशों में बढ़ेगा निवेश

भारत-कनाडा का महा-समझौता: 2030 तक 50 बिलियन डॉलर के व्यापार का लक्ष्य!

यूरेनियम डील से चमकेगी भारत की ऊर्जा, कनाडा के साथ 2.6 बिलियन डॉलर का ऐतिहासिक करार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संधि से भारत के आईटी और सर्विस सेक्टर को मिलेंगी बड़ी सौगातें

वैश्विक स्तर पर चल रही उथल-पुथल और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच, भारत ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ा कदम उठाया है। एक ओर जहां भू-राजनीतिक संकट ने बाजारों को झकझोर कर रख दिया है, वहीं भारत और कनाडा के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक खनिजों को लेकर ऐतिहासिक समझौते हुए हैं। इन समझौतों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए देशवासियों को सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया है। भारत और कनाडा ने यूरेनियम पर एक ऐतिहासिक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद, पीएम मोदी ने साफ किया कि मानवता की भलाई भारत और कनाडा का साझा दृष्टिकोण है। वैश्विक अस्थिरता का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम एशिया के लिए गहरी चिंता का विषय है और देश बातचीत के जरिए सभी मुद्दों के समाधान का पक्षधर है। युद्ध के बढ़ते जोखिम के बीच प्रधानमंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद, पीएम मोदी ने साफ किया कि मानवता की भलाई भारत और कनाडा का साझा दृष्टिकोण है। वैश्विक अस्थिरता का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है और देश बातचीत के जरिए सभी मुद्दों के समाधान का पक्षधर है। युद्ध के बढ़ते जोखिम के बीच प्रधानमंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होगा

कनाडा के साथ हुए ये समझौते भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। यूरेनियम और नवीकरणीय ऊर्जा पर हुए समझौतों से भारत के पावर और एनर्जी सेक्टर को भारी बूस्ट मिलेगा, जिससे ऊर्जा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। वहीं, क्रिटिकल मिनरल्स समझौता भारत के उभरते इलेक्ट्रिक वाहन और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एक ओर जहां पश्चिम एशिया का संकट वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और बाजारों में अनिश्चितता पैदा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है।

समुद्री सहयोग को नई गहराई मिलेगी: पीएम मोदी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कनाडा को एक महत्वपूर्ण और व्यापक साझेदार मानता है। हम हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) में संवाद साझेदार बनने में उसकी रुचि का स्वागत करते हैं। इससे हमारे समुद्री सहयोग को नई गहराई मिलेगी। हम इस बात से सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता न केवल हमारे दोनों देशों के लिए बल्कि पूरी मानवता के लिए साझा और गंभीर चुनौतियां हैं। इन खतरों के खिलाफ हमारा घनिष्ठ सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्व भर में चल रहे कई तनावों पर भारत का रुख स्पष्ट है। हमने हमेशा शांति और स्थिरता बनाए रखने का आह्वान किया है, और जब दो लोकतंत्र एक साथ खड़े होते हैं, तो शांति की आवाज और भी मजबूत हो जाती है। पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है। भारत संवाद और कूटनीति के माध्यम से सभी विवादों के समाधान का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, भारत एक ऐसा देश है जिसकी ऊर्जा मांग 2040 तक दोगुनी होने का अनुमान है। इस मांग को स्थायी रूप से पूरा करने के लिए, भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक बढ़ाने और इसी अवधि में अपने प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में एलएनजी की हिस्सेदारी।

भारत-कनाडा के बीच हुए हैं खास और ऐतिहासिक समझौते

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा करने के लिए भारत ने कनाडा के साथ अपनी रणनीतिक भागीदारी को मजबूत किया है। दोनों देशों के बीच हुए प्रमुख समझौते इस प्रकार हैं:

यूरेनियम और परमाणु सहयोग

कनाडाई पीएम कार्नी के साथ वार्ता के बाद पीएम मोदी ने बताया कि भारत और कनाडा ने यूरेनियम पर एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, नागरिक परमाणु सहयोग को आगे बढ़ाते हुए दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर एक साथ मिलकर काम करेंगे।

क्रिटिकल मिनरल्स

भविष्य की तकनीकी और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए, भारत और कनाडा ने महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग के लिए एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा

स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाते हुए, दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर मुहर लगाई है।

व्यापक आर्थिक व्यापार समझौता

व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए भारत और कनाडा ने 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते' के लिए 'टर्म्स ऑफ रेफरेंस' दस्तावेज को अंतिम रूप दे दिया है। पीएम मोदी के अनुसार, दोनों देशों ने इस व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का फैसला किया है।

पाकिस्तान का नया हथकंडा फेल

पुंछ के दिगवार में ड्रोन घुसपैठ की कोशिश रही नाकाम, सेना ने फायरिंग कर खदेड़ा

एजेंसी ▶▶ जम्मू

सुबह करीब छह बजे दिगवार में पाकिस्तान से करीब तीन छोटे ड्रोनों को घुसपैठ करते हुए देखा गया। जवानों ने ड्रोनों को गिराने के लिए तुरंत फायरिंग की। इसके बाद ड्रोन थोड़ी देर मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भाग गए।

सेना के प्रवक्ता ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा कि ड्रोनों को खदेड़ने के बाद जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। यह पता लगाने की कोशिश की गई कि ड्रोनों से

कहीं कोई हथियार या नशीला पदार्थ तो नहीं गिराया गया है। पांच किलोमीटर दूर पुंछ नगर और आसपास के क्षेत्रों में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

देर रात सुरक्षाबलों ने गश्त की। नाके लगाकर वाहनों की जांच भी की गई। पुंछ के दिगवार सेक्टर में तीन दिन में पाकिस्तान ड्रोन की घुसपैठ की कोशिश की यह दूसरी घटना है। इससे पहले शुक्रवार को भी ड्रोन ने इसी क्षेत्र में घुसपैठ की थी। उसे भी सेना ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया था। बता दें कि एक जनवरी को तड़के पुंछ के करमाड़ा में ड्रोन से हथियार, नशीला पदार्थ और विस्फोटक गिराए गए थे। उसके बाद 15 जनवरी को ड्रोन की घुसपैठ को सेना ने नाकाम कर दिया था। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पोषित करने के लिए नई साजिश रची है। अब सीमा पर सख्त पहरा होने से करीब दो वर्षों से आतंकियों तक हथियार, पैसा व नशा पहुंचाने के लिए ड्रोन घुसपैठ करवा रहा है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शांति बनाए रखने की अपील की

खामेनेई की मौत से कश्मीर में प्रदर्शन तेज, श्रीनगर का लाल चौक किया गया सील, इंटरनेट सेवाएं हुईं ठप

- खामेनेई की तस्वीरें और झंडे लिए बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल
- जगह-जगह पर भारी पुलिस बल तैनात, कई जगह झड़पें हुईं

एजेंसी ▶▶ जम्मू

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों को फैलने से रोकने के लिए श्रीनगर और कश्मीर के कई अन्य हिस्सों में प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लाल चौक, जो प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र है, उसे पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मोबाइल इंटरनेट सेवा प्रतिबंधित कर दी गई है और कश्मीर भर के सभी स्कूलों और कॉलेजों दो दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं। वहीं, कई धार्मिक और सामाजिक समूहों ने सोमवार को बंद रखा गया। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने भी इस बंद का समर्थन किया है। बता दें कि खामेनेई की हत्या के विरोध में कश्मीर भर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इसके अलावा, श्रीनगर में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह के मुख्यालय के सामने भारी भीड़ जमा हुई और उन्होंने अमेरिका, इजरायल और उसके सहयोगियों के खिलाफ नारे लगाए। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घाटी में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच शांति बनाए रखने की अपील की है। अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि ईरान में मौजूद छात्रों सहित जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित की जा सके। इलाके में भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी, और जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात समेत शीर्ष अधिकारी स्वयं प्रदर्शन स्थलों पर मौजूद थे। वहीं, किसी भी अप्रिय घटना या हिंसा की कोई रिपोर्ट नहीं मिली, क्योंकि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे।

प्रदर्शन के दौरान लगाए गए नारे

अमेरिका का जो यार है, गद्दार है, इजराइल का यार है गद्दार है। जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया गया। श्रीनगर के सोनवार स्थित संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह के कार्यालय में प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने मेन गेट पर बैरिकेड लगा दिए थे, जिस कारण संयुक्त राष्ट्र कार्यालय का कोई भी अधिकारी बाहर नहीं आया। प्रदर्शनकारियों ने कई घंटों तक कार्यालय में धरना दिया और शोक व्यक्त करते हुए तथा नारे लगाते हुए सड़क को जाम कर दिया। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में यह पहली बार है कि श्रीनगर में इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी गई है। खामेनेई शिया मुस्लिमों के लिए एक केंद्रीय और अहम धार्मिक नेता थे। उनके प्रति गहरी श्रद्धा के कारण ही घाटी में इस तरह का आक्रोश और शोक देखने को मिला।

जबलपुर, मंगलवार 3 मार्च 2026 ■ फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा-15 ■ वर्ष : 20, अंक : 303 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 29 न्यून. 15 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अमेरिका-ईरान की जंग

तेल लगातार ऊपर चढ़ रहा है...शेयर बाजार जमीन पर धूल-धूसरित

तेहरान में बम धमाकों के बाद उठता धुएं का गुबार

दुबई से मप्र के फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की कोशिशें

सीएम डॉ. यादव बोले- भारत सरकार से 'तालमेल' जारी

भोपाल। दुबई में मध्यप्रदेश के 700 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फंसे हुए लोगों के परिवारों से उनकी बात हुई है और राज्य सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि भारत सरकार के साथ लगातार तालमेल बनाया जा रहा है ताकि सभी नागरिक सुरक्षित लौट सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। साथ ही यह भी कहा कि किसी को किसी प्रकार का कष्ट न हो, इसके लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। राज्य सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

डॉ. मोहन यादव

शारजाह से इंदौर आने वाली फ्लाइट कैंसिल

28 फरवरी से कैंसिल शारजाह से इंदौर आने और जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट सोमवार को भी निरस्त कर दी गई हैं। दो पूर्व विधायकों सहित इंदौर के एक बड़े कारोबारी और उनके साथी दुबई की जिस होटल में ठहरे थे, उसके पास की ही पार्क जुमेरा होटल में मिसाइल गिरी और धमाका हुआ। घटना के बाद इंदौर के सभी लोगों ने उस इलाके को छोड़कर दूसरी होटल में शरण ली। कारोबारी पिंटू छाबड़ा ने बताया कि उनके परिजन और सभी साथी सुरक्षित हैं। इंदौर से गया एक अन्य परिवार अबूधाबी में फंसा है। इंदौर से अपने परिवार के साथ 6 लोगों के साथ 26 फरवरी को शारजाह गए सुमित टोंग्या ने बताया कि वे अभी अबूधाबी में हैं।

बिना लीडर के ही जंग में अकेला पड़ा ईरान रिवॉल्यूशनरी गार्ड मनमर्जी से कर रहे हमले

अब ईरान की तरफ जर्मनी, ब्रिटेन व फ्रांस की भी मिसाइलें, पुतिन नाराज, बोले-ईरान के 'संपर्क' में

हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रुकने के कारण सोमवार को ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स में करीब 10% की भारी उछाल दर्ज की गई

वार अपडेट

1. ईरान बोला- हमारी परमाणु साइट पर हमला
2. ईरान का दावा- हमने नेतन्याहू के दफ्तर को उड़ाया
3. इजराइल ने हमले की खबर का खंडन किया
4. इस जंग में अब तक ईरान के 555 लोग मारे गए
5. कुवैत में यूएस दूतावास परिसर में धुएं का गुबार
6. कुवैत ने गलती से मार गिराए यूएस के 3 फाइटर जेट्स
7. कई तेल रिफाइनरियों में भी मिसाइल हमले, ज्यादातर बंद
8. पश्चिम एशिया में तनाव से बाजार धड़ाम, सेंसेक्स 1048 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका और इजराइल की तरफ से ईरान पर हमला बोले जाने के बाद पश्चिम एशिया में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। जंग का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब ईरान की तरफ ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी की मिसाइलें भी तन गईं हैं। वहीं, ईरान बिना नेतृत्व के अकेले ही जंग लड़ रहा है। उसके रिवॉल्यूशनरी गार्ड अपनी मनमर्जी से हमला कर रहे हैं। इसलिए, उसके टारगेट स्पष्ट नहीं हो रहे हैं। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने इन हमलों को अनैतिक बताया है। उन्होंने कहा है कि वे ईरान के बचे हुए नेताओं के संपर्क में हैं। माना जा रहा है कि इय जंग में यदि रूस कूद गया तो भयंकर तबाही मच जाएगी। उधर, ईरान ने इजराइल और क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर पलटवार किया है।

खामेनेई की पत्नी की भी मौत

मंसूरे खोजस्ते

इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस हमले में खामेनेई की पत्नी मंसूरे खोजस्ते बागेरज़ादेह भी घायल हो गई थीं, जिनका उपचार अस्पताल में कराया जा रहा था।

न्यूक्लियर प्लांट पर हमले के संकेत नहीं

वियना में इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की इमरजेंसी मीटिंग हुई। डिप्लोमेट्स ने कहा कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि शनिवार के हमलों में ईरानी न्यूक्लियर फैसिलिटीज़ पर हमला हुआ था। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी कमीशन के चीफ राफेल मारियानो ग्रॉसी ने चेताया है कि अभी तक ईरान की सीमा से लगे देशों में रेडिएशन लेवल में सामान्य बैकग्राउंड लेवल से ज़्यादा बढ़ोतरी नहीं देखी गई है।

जंग के बीच ट्रंप ब्रिटेन से नाराज

ब्रिटिश मिलिट्री बेस चाहते थे, पीएम स्टार्मर ने 48 घंटे बाद परमिशन दी

युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में काफी देर लगाई है। ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रंप ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है।

पीएम मोदी ने बहरीन के राजा और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से बात की

पीएम नरेंद्र मोदी ने बहरीन के राजा हमाद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और पीएम मोहम्मद बिन सलमान से बात की है। पीएम मोदी ने इन दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की और दोनों देशों में भारतीय समुदाय की भलाई पर चर्चा की।

एफ-15 क्रैश पर अमेरिका का बयान

अमेरिकी सेना ने सोमवार को बताया कि ईरान के हमलों के दौरान एक लड़ाकू मिशन में कुवैत ने गलती से अमेरिकी वायुसेना के तीन एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमानों को मार गिराया। सभी छह एयरक्रू सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल रहे, उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया है और उनकी हालत स्थिर है। कुवैत ने इस घटना को स्वीकार किया है और जारी अभियान में सहयोग के लिए अमेरिकी सेना ने कुवैती रक्षा बलों के प्रयासों के प्रति आभार जताया है।

होली की शुभकामनाएं

होली के पावन पर्व पर सम्माननीय पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को हरिभूमि परिवार की ओर से रंगोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश की सूचना

होली के पावन पर्व पर हरिभूमि कार्यालय में 3 व 4 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा। आपके प्रिय अखबार का अगला अंक 6 मार्च 2026 को आपके हाथों में होगा।
- प्रधान संपादक

खबर संक्षेप

पति की प्रेमिका की बच्ची का गला घोंटा

सिंगरौली। सिंगरौली में एक महिला ने खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। महिला को शक था कि उसके पति का पड़ोस में रहने वाली महिला से अवैध संबंध है।

दो दोस्तों की हुई मौत एक साथ उठीं अर्थियां

रायसेन। भतीजे के मुंडन संस्कार में शामिल होने जा रहे दो जिगरी दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों का शव उदयपुरा के समीप जयपुर जबलपुर हाईवे करीब दो घंटे तक लावारिस हालत में पड़े रहे। सोमवार को तड़के दोनों जिगरी दोस्त रायसेन शहर के मुखर्जीनगर निवासी 25 वर्षीय राहुल सिंह और अर्जुन राजपूत स्कूटी पर सवार हो अपने बड़े भाई के बेटे के मुंडन संस्कार में शामिल होने जा रहे थे।

थाना प्रभारी के जन्मदिन सेलिब्रेट करने का वीडियो आया था सामने

हिस्ट्रीशीटर के कंधे पर बैठे थे जौरा के टीआई

अपराधी के साथ बर्थडे पार्टी पड़ी भारी, सीएम के निर्देश पर निलंबित किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सीएम ने कहा- कर्तव्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

अपराधियों के साथ गलबहियां और जन्मदिन मनाने वाले मुरैना जिले के जौरा थाना प्रभारी दर्शन शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्ला के वायरल वीडियो पर नाराजगी जताई। इस निलंबन के साथ ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि कर्तव्य में लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना वायरल वीडियो में दिख रहा है कि शुक्ला बाइक चोर गिरोह के कथित सरगना लवकुश शर्मा के कंधे पर बैठे हुए हैं। यह वीडियो उस वक्त बनाया गया, जब टीआई शुक्ला साथियों के साथ थाना परिसर में ही जन्मदिन मना रहे थे। इस दौरान केक काटा गया और ढोल-नगाड़े भी बजाए गए।

बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक

थाना प्रभारी जौरा निरीक्षक दर्शन शुक्ला के उक्त आचरण से पुलिस की निष्पक्ष छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उनका यह आचरण मप्र पुलिस रैग्युलेशन के पैरा 64(3) (11) स्पष्ट उल्लंघन है। अतः उक्तानुसार प्रदर्शित आचरण के लिए दर्शन शुक्ला, थाना प्रभारी जौरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र, मुरैना रहेगा तथा वह रक्षित केन्द्र मुरैना की प्रत्येक गणना में उपस्थित रहेंगे ।

बेकाबू कार बोलेरो से टकराई

कार में ही पिता-पुत्र जिंदा जले, निकल भी नहीं पाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

■ नींद की झपकी आने से हुआ हादसा

छिंदवाड़ा-सिवनी मार्ग पर रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे हुए भीषण सड़क हादसे में कार सवार पिता-पुत्र की जिंदा जलने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब उत्तर प्रदेश से अपने घर लौट रहे दोनों लोग देर रात ड्राइविंग के दौरान नींद की झपकी आने से वाहन पर नियंत्रण खो बैठे। पुलिस के अनुसार 61 वर्षीय अमृत सिंह और उनके 22 वर्षीय पुत्र अरुण सिंह कार से अपने गृहग्राम दीघावानी लौट रहे थे।

कॉल डिटेल में लंबी बातचीत

युवक ने युवती को गोली मारकर कर ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्मदापुरम

■ पुलिस को प्रेम प्रसंग की आशंका

सोहागपुर विकासखंड के ग्राम भटगांव में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात युवक ने पहले युवती की गोली मारकर हत्या की और फिर स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सोमवार दोपहर दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। सोहागपुर एसडीओपी संजू शर्मा ने बताया कि ग्राम भटगांव निवासी सुरेश पुर्विया के मकान की छत पर 23 वर्षीय अरुण पुत्र गजेंद्रसिंह पुर्विया निवासी गोरा मछवाई थाना भारकच्छ जिला रायसेन तथा 21 वर्षीय रिंकी पुत्री सुरेश पुर्विया निवासी ग्राम भटगांव के शव मिले हैं।

पीएम मोदी-कार्नी की मुलाकात

कई समझौतों पर हुए साइन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बीच सोमवार सुबह हैदराबाद हाउस में मुलाकात हुई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच निवेश-ट्रेड डील पर बातचीत हुई है। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में, हमने यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया है।

तीन जिले 35 डिग्री पार, भोपाल में 33 डिग्री पर गर्मी

गर्मी का रंग : सबसे गर्म नर्मदापुरम में 36.7 डिग्री तक पहुंचा पारा

मध्यम गर्मी के बीच खेली जाएगी होली तेज धूप बढ़ाएगी 2-3 डिग्री तक पारा

अगले सप्ताह मिलेगी कुछ राहत दो पश्चिमी विक्षोभ इस सप्ताह के अंत तक आएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी मौसम साफ होने से गर्मी का असर बढ़ रहा है। अगले तीन से चार दिन तापमान में और बढ़त होगी। इस बीच कल और अगले दिन मनाया जाने वाला होली का त्योहार मध्यम गर्मी के बीच मनेगा। अगले तीन से चार दिन में प्रदेशभर में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़त होने की उम्मीद है। अभी मार्च के शुरू में ही गर्मी असर दिखाने लगी है।

तीखी धूप से बचने के लिए लोग कपड़ा ढकने लगे हैं। भोपाल में दोपहर का दृश्य।

अभी कहां-कितनी गर्मी?

सोमवार को सबसे गर्म रहे 7 जिलों में दिन का पारा 34 से 35 डिग्री के बीच रहा। इनमें गुना, रतलाम, श्योपुर, दमोह, मंडला, सागर और टीकमगढ़ जिले शामिल हैं। इन जिलों में सबसे अधिक गर्मी महसूस की गई। मंगलवार को इसमें और बढ़त की उम्मीद है। विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी एक ऊपरी हवा का चक्रवात अरब सागर और गुजरात तट तक सक्रिय है। एक जेट स्ट्रीम करीब 12 किमी की ऊंचाई पर 222 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सक्रिय है।

15 नक्सलियों के समर्पण से बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद के खतरनाक डिवीजन समाप्त

सुरक्षा बलों को फिर मिली सफलता, 15 नक्सलियों ने महासमुंद में किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। माओवदियों के संगठन में विशेष क्षेत्रीय समिति स्तर के सदस्य विकास सहित पंद्रह नक्सलियों ने महासमुंद में सरेंडर किया। सभी नक्सलियों ने रविवार को सुरक्षाकर्मियों के सामने आत्मसमर्पण किया था। 15 नक्सलियों के समर्पण से बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद डिविजन समाप्त हो गई है। ये नक्सलियों की एक खतरनाक डिविजन मानी जाती है। सुरक्षाबल के जवानों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। ये

नक्सली प्रतिबंधित संगठन के बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद डिवीजन से संबंधित थे और छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर सक्रिय थे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बॉर्डर में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देते थे। ये नक्सली कई बड़े हमलों में शामिल थे।

उप मुख्यमंत्री को लिखा था लेटर

छत्तीसगढ़ के गृह विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे शर्मा ने इस घटनाक्रम को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं, इन नक्सलियों के सरेंडर से जवानों के मिशन को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलियों की इस डिवीजन ने सरेंडर करने से पहले गृहमंत्री विजय शर्मा को लेटर लिखा था। उन्होंने लेटर लिखकर महासमुंद में सरेंडर करने की बात कही थी। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो साझा करते हुए लिखा, हथियार छोड़कर संविधान और तिरंगे को अपनाना। विकास उर्फ बाबन्ना, जो राज्य समिति के सदस्य के रूप में सक्रिय थे, और 15 माओवादी, जिनके सिर पर लगभग 73 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इन्होंने पुनर्वास नीति का लाभ उठाते हुए विकास का मार्ग चुना।

नक्सलियों ने जवानों को सौंपे घातक हथियार

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने पुलिस को हथियारों की खेप सौंपी, जिनमें 3 एके-47 राइफल, 2 एसएलआर (सेल्फ-लोडिंग राइफल) और 2 इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम राइफल शामिल थीं। अधिकारियों ने कहा कि इन नक्सलियों ने हिंसा त्याग दी है और समाज की मुख्यधारा में लौट आए हैं। यह आत्मसमर्पण सुरक्षा बलों के लगातार दबाव, दूरदराज क्षेत्रों में प्रभावी विकास पहलों और राज्य सरकार की पुनर्वास नीति का नतीजा है। हम उनके पुनः समाज में समावेश के लिए पूर्ण सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सहायता सुनिश्चित करेंगे।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

विवादित जमीन का पजेशन नहीं दे सकेंगे राजस्व अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

जबलपुर हाईकोर्ट ने विवादित जमीन का कब्जा दिलाने वाले तहसीलदार के आदेश को लागू करने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया है। जिसमें कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि जमीन के मालिकाना हक के मामलों में सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र राजस्व अधिकारियों से ऊपर है।

ऐसे में इन मामलों में राजस्व अफसर जमीन का पजेशन नहीं दे सकते। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी संपत्ति के मालिकाना हक से जुड़ा मामला सिविल कोर्ट में विचाराधीन है, तो राजस्व अधिकारी उस जमीन से संबंधित किसी भी आदेश को प्रभावी या लागू नहीं कर सकते। यह टिप्पणी जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने महेंद्र सिंह और अन्य द्वारा दायर की गई एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान की। यदि किसी पक्ष ने टाइटल को चुनौती दी है, तो राजस्व विभाग के बेदखली या कब्जा दिलाने जैसे आदेश होल्ड पर रहेंगे। भूमि के मालिकाना हक के मामलों में सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र राजस्व अधिकारियों से ऊपर है।

राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा का गठन

भोपाल। 21 कर्मचारी संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इसमें सर्व सम्मति से निगम मंडल के कमचारी एवं शासकीय विभागों में कार्यरत सरकारी कर्मचारी, अधिकारियों की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया। इस संयुक्त बैठक में सर्वसम्मति से शासकीय कमचारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय को राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य परिवहन निगम के कमचारी नेता श्याम सुन्दर शर्मा, भोपाल को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया। डॉ मायाराम अटल व अशोक, विजय मिश्रा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा दीपक पाठक को पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के तत्वाधान में मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की लड़ाई के लिए राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा की प्रदेश इकाई का गठन करते हुए अनिल वाजपेई को प्रदेश अध्यक्ष एवं सुरसरि पटेल को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। राजेश माथुर, वीएल दोहरे, उदय मालवीय, अरुण वर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रभात तथा रमेश को प्रदेश संयुक्त सचिव, अभिलाष जैन को प्रदेश कोषाध्यक्ष तथा सवाई लाल परिहार को प्रदेश प्रवक्ता प्रतिनिधित्व के लिए नियुक्ति दी गई है।

कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में सीएम डॉ. यादव ने स्पष्ट शब्दों में दिए दिशा-निर्देश

नवरात्रि-होली पर पुलिस का रहेगा सख्त पहरा कानून व्यवस्था से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नवरात्रि, परीक्षाओं और होली जैसे प्रमुख पर्वों के मद्देनजर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि लॉ एंड ऑर्डर के मामलों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने पुलिस बल को निर्देश दिए हैं कि सभी प्रकार की चुनौतियों के बीच मैदान में डटकर ड्यूटी करें और शांति व्यवस्था हर हाल में बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में नवरात्रि और परीक्षाएं एक साथ चल रही हैं, ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। मुख्यमंत्री ने 45 मिनट तक अधिकारियों से चर्चा की। भोपाल में मुख्यमंत्री का कोई तय कार्यक्रम प्रस्तावित नहीं था। लेकिन त्योहारों को देखते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव अधिकारियों के बीच समीक्षा करने पहुंचे एवं अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ हाल के वर्षों में मिली बड़ी सफलता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश पुलिस ने एक बड़े नक्सली मूवमेंट को खत्म कर देशभर में मध्य प्रदेश का मान बढ़ाया है। यह उपलब्धि पुलिस की प्रतिबद्धता और रणनीतिक क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस सफलता पर पूरे प्रदेश को गर्व है।

खास बातें

- सभी प्रकार की चुनौतियों के बीच मैदान में डटकर ड्यूटी करें, शांति व्यवस्था बनी रहे
- वर्तमान समय में परीक्षाएं भी चल रही हैं, ऐसे में जिम्मेदारी और बढ़ जाती है

समीक्षा बैठक लेते सीएम।

जहां-जहां जुलूस निकलेंगे, वहां-वहां पर्याप्त पुलिस

मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जो अपेक्षाएं की गई हैं, उन्हें पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। होली के दौरान निकलने वाले पारंपरिक गैर और जुलूसों को लेकर भी प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। जहां-जहां जुलूस निकलेंगे, वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार खुशी और सौहार्द के साथ मनाएं, लेकिन कानून का पालन अनिवार्य है।

मध्य प्रदेश शांति का टापू है और रहेगा, प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ काम कर रहा है

अवकाश को लेकर भी सरकार ने निर्णय लिया है। तीन दिन के घोषित अवकाश के साथ चौथे दिन का अवकाश भी घोषित किया गया है, ताकि लोग परिवार के साथ त्योहार मना सकें। दुबई में फंसे कुछ भारतीय नागरिकों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और राज्य सरकार भी समन्वय बनाए हुए है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि मध्य प्रदेश शांति का टापू है और रहेगा। प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ काम कर रहा है, ताकि नवरात्रि और होली का पर्व शांति, सुरक्षा और भाईचारे के साथ संपन्न हो।

बढ़ते वन्यजीव हमले: 5 साल में 35% इजाफा, एक साल में 71 मौतें, राहत देने वन विभाग ने किया भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले पांच वर्षों में जंगली जानवरों के हमलों की घटनाओं में करीब 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में अब तक 71 लोगों की मौत हो चुकी है।

वन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2019-20 में जंगली जानवरों के हमलों में 9,760 पालतू पशु शिकार बने थे, जिन पर 8.83 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। यह संख्या वर्ष 2022-23 में बढ़कर 13,685 तक पहुंच गई। वर्ष 2024-25 में 15,259 पालतू पशु जंगली जानवरों के हमलों का शिकार हुए हैं, जिनके लिए 15.88 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा वितरित किया गया है। मानव जीवन पर भी खतरा बढ़ा है। वर्ष 2020-21 में 90 लोगों की मौत हुई थी, जिस पर 3.27 करोड़ रुपये मुआवजा दिया गया। इसके बाद 2023-24 में 76 मौतें दर्ज की गईं और 5.88 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

जानवरों की वजह से ग्रामीणों में दहशत

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मानव-वन्यजीव संघर्ष के पीछे सबसे बड़ा कारण जंगलों का सिकुड़ना और वन्यजीवों का आबादी वाले इलाकों की ओर बढ़ना है। जंगली जानवर भोजन और पानी की तलाश में गांवों की ओर आ रहे हैं। कई मामलों में तेंदुआ, भालू और जंगली सुअर जैसे जानवरों की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

पीड़ितों को मुआवजा राशि देने की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि जंगलों के आसपास तेजी से हो रहे निर्माण कार्य, अतिक्रमण और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी इस समस्या को बढ़ा रहा है। वन विभाग का कहना है कि राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में फेंसिंग, जागरूकता अभियान और त्वरित राहत प्रक्रिया को मजबूत किया जा रहा है।

मप्र की नई स्पेसटेक पॉलिसी 2026 का गजट नोटीफिकेशन जारी

राज्य अब स्पेस, डेटा और एआई को साथ जोड़कर देख रहा है

स्पेसटेक पॉलिसी आने के बाद अब एआई पॉलिसी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश की नई स्पेसटेक पॉलिसी 2026 का गजट नोटीफिकेशन जारी हो गया है। यह पॉलिसी ऐसे समय आई है, जब भारत में स्पेस और जियोस्पेशल सेक्टर नीति, निवेश और व्यावहारिक उपयोग तीनों स्तरों पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मनोज मीक

जनवरी में भोपाल में इस नीति का औपचारिक शुभारंभ रीजनल एआई समिट के साथ होना बताता है कि राज्य अब स्पेस, डेटा और एआई को साथ जोड़कर देख रहा है। क्रेडाई भोपाल प्रेसिडेंट मनोज मीक ने कहा कि नीति में एचपीसी और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर समर्थन का उल्लेख है। आज स्पेस सेक्टर पूरी तरह डेटा-हैवी हो चुका है।

अन्य राज्य तेजी से आगे बढ़ चुके हैं

भोपाल के संदर्भ में यह नीति और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अभी बड़े तालाब और उसके कैचमेंट की निगरानी, कलियासोत और पूरे जल-तंत्र का मानचित्रण, मेट्रोपॉलिटन रीजन, मास्टर प्लान, अतिक्रमण और अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई जैसे मुद्दे एक साथ सामने हैं। ऐसे में राजधानी को स्पेस-डेटा आधारित निर्णय केंद्र बनाया जा सकता है, जहां सैटेलाइट इमेजरी, एआई विश्लेषण और फील्ड प्रशासन एक प्लेटफॉर्म पर साथ काम करें। अन्य राज्य पहले ही तेजी से आगे बढ़ चुके हैं।

एआई पॉलिसी अभी नहीं आई सामने

एआई पॉलिसी औपचारिक रूप से सामने नहीं आई है, लेकिन सरकार ने एआई इकोसिस्टम, गवर्नेंस उपयोग की स्पष्ट दिशा दिखाई है। इसलिए स्पेसटेक पॉलिसी को एक अलग दस्तावेज नहीं, बल्कि मप्र की उभरती टेक-गवर्नेंस रणनीति के पहले ठोस स्तंभ के रूप में पढ़ा जाना चाहिए। समय पर स्पेस-डेटा, का मॉडल खड़ा हो गया, तो भोपाल नॉलेज एंड एआई सिटी को स्पेस एप्लिकेशन से जोड़ते हुए इसका स्वाभाविक संचालन-केंद्र बन सकता है।

लंबे समय बाद भोपाल भाजपा जिला कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की सहमति से भाजपा भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती ने जिला कार्यकारणी की घोषणा की है। रविवार देर रात भाजपा की शहर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की लिस्ट जारी हुई।

भोपाल भाजपा जिला कार्यकारिणी में आठ उपाध्यक्ष राम बंसल, भाषित दीक्षित, राजकुमार विश्वकर्मा, भीकम सिंह बघेल, अमन यादव, अभय पंडित, विनय ददनानी, गुंजन चौकसे बनाए गए हैं। दो महामंत्री प्रदीप शेखावत, मुकेश राय बनाए गए हैं। 7 जिला मंत्री राकेश कुकरेजा, जितेन्द्र अहिरवार, सरिता पिपलोदे, उत्कर्ष नायक, योगेश वासवानी, धर्मेन्द्र परिहार, संतोष हिरवे नियुक्त किए गए हैं। कोषाध्यक्ष राघवेन्द्र द्विवेदी, सह कोषाध्यक्ष आशा पारोचे, कार्यालय मंत्री, डॉ. योगेन्द्र मुखरैया, सह कार्यालय मंत्री भूपेन्द्र माली, कार्यालय प्रभारी मुकुल लोखंडे, मन की बात प्रभारी सुमित पांडे, आईटी प्रभारी विश्वविजय सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी विभा गरुड को बनाया गया है।

गुरुद्वारे में मत्था टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की अरदास

सीएम साय ने होला मोहल्ला यात्रा के लिए बसों को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी के रेलवे स्टेशन स्थित गुरुद्वारे में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिख संगत द्वारा आयोजित होला मोहल्ला यात्रा के लिए बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में मत्था टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए अरदास की। इसके बाद उन्होंने यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। इस धार्मिक यात्रा में लगभग 1200 श्रद्धालु 17 बसों, 2 ट्रकों और अन्य वाहनों के साथ महाराष्ट्र स्थित तख्त श्री हजूर साहिब और कर्नाटक के गुरुद्वारा नानक झीरा साहिब के लिए रवाना हुए। यात्रा सिख समाज की आस्था, परंपरा और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक मानी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान और मानवता की सेवा का संदेश पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह से जुड़े पवित्र स्थलों पर आयोजित होला मोहल्ला साहस, सेवा और राष्ट्रभक्ति की परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सिख संगत द्वारा यह आयोजन लगातार 25वें वर्ष किया जा रहा है, जो समाज की संगठित शक्ति और धार्मिक आस्था को दर्शाता है। कार्यक्रम में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा सहित सिख समाज के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संस्कारवान व्यक्तित्व की धनी माता का मथुरा, वृंदावन से था लगाव

हितानन्द शर्मा की माता को मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अर्पित किए श्रद्धासुमन, कहा-उनका जाना अपूरणीय क्षति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यक्षेत्र सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख हितानन्द शर्मा के अशोकनगर जिले के ग्राम मढ़ी, महिदपुर स्थित निवास पहुंचकर उनकी माता जनक दुलारी शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनक दुलारी शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना कर श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि जनक दुलारी शर्मा धार्मिक प्रवृत्ति, सादगीपूर्ण जीवन एवं संस्कारवान व्यक्तित्व के लिए जानी जाती थीं।

उन्होंने समाज एवं परिजनों को सामाजिक मूल्यों, राष्ट्रीय भावना और सेवा संस्कारों से प्रेरित किया था, जिन्हें सभी अम्मा राधे-राधे कहकर पुकारते थे। उनका मथुरा, वृंदावन से काफी लगाव रहा और हमेशा आना-जाना लगा रहता था। उनका निधन हम सबके लिए अपूर्णीय क्षति है, जिसकी भरपाई होना संभव नहीं है। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुराम चौधरी, सुरेन्द्र शर्मा, विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी एवं बृजेन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहे।

श्रद्धासुमन अर्पित करते सीएम एवं वरिष्ठ पदाधिकारीगण।

अद्वितीय प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उच्च आदर्शों की धनी थीं

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने जनक दुलारी शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि जनक दुलारी शर्मा अद्वितीय प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उच्च आदर्शों की धनी थीं। उनका जीवन सादगी, सेवा और संस्कारों की अमूल्य धरोहर रहा। उन्होंने अपने बच्चों को बचपन से ही 'राष्ट्र प्रथम' की भावना, देशसेवा का संकल्प और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का पाठ पढ़ाया। उनका निधन न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

जुए के फड़ पर बड़ी छापामार कार्रवाई, 16 जुआरी मौके से गिरफ्तार

दुर्ग। अमलेश्वर थाना और एसीसीयू की टीम ने कृष्णा वाटिका रिसॉर्ट में जुए के बड़े फड़ पर कार्रवाई की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रिसॉर्ट में बड़ी संख्या में लोग जुआ खेल रहे हैं। इस सूचना के आधार पर रविवार देर रात पुलिस ने छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान मौके से 16 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जुआरियों के पास से 3 लाख 59 हजार रुपये बरामद किए। इसके अतिरिक्त 22 मोबाइल फोन, तीन कार और तीन मोटर साइकिल भी जब्त की गईं। जब्त सामान की अनुमानित कीमत 25 लाख रुपये बताई जा रही है। पकड़े गए जुआरी रायपुर और दुर्ग जिले के अमलेश्वर क्षेत्र के निवासी हैं। वे रिसॉर्ट में बैठकर ताश पत्ती से जुआ खेल रहे थे। दुर्ग ग्रामीण एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने इस संयुक्त कार्रवाई की जानकारी दी।

- पुलिस ने जुआरियों के पास से 3 लाख 59 हजार रुपये बरामद किए

लक्ष्मणबन बस्ती पहुंचे उद्योग मंत्री देवांगन, पीड़ित परिवार से मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

2 दिन पहले संजय नगर स्थित लक्ष्मणबन बस्ती में बाउंड्रीवाल गिरने से धनेश कर्ष पिता मुकेश कर्ष उम्र 4 वर्ष की दबने से मौत हो गई। वहीं सोनू कर्ष 20 वर्ष, विशाल यादव 18 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। नगर विधायक एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन रविवार की देर शाम संजय नगर स्थित लक्ष्मणबन बस्ती पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन मकान पर जेएसईबी मशीन से काम चल रहा था। अचानक से बाउंड्री गिर गई। हादसे में मासूम की मौत और दो घायल हो गए। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने कोतवाली थाने का घेराव करते हुए ठीक सामने मुख्य मार्ग पर कार्रवाई की मांग को लेकर चक्काजाम किया था।

आरोपी के कारण ही नाबालिग मानसिक दबाव में थी, जिसके चलते उसने आत्मघाती कदम उठाया

नाबालिग को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

जबलपुर। पंचम अपर सत्र न्यायाधीश चंद्रकिशोर बारपेटे की अदालत ने नाबालिग छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी हर्ष उर्फ मोंटू सकतेल की अग्रिम जमानत याचिका को गंभीर अपराध मानते हुए निरस्त कर दिया है।

अभिषेक सोनी और डॉली सोनी ने की आपत्तिकर्ता की पैरवी

मामले की सुनवाई के दौरान आपत्तिकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिषेक सोनी और डॉली सोनी ने प्रभावी पैरवी की। उन्होंने अदालत के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया कि मृतिका नाबालिग थी और आरोपी उसे लंबे समय से मोबाइल के माध्यम से परेशान कर रहा था। उन्होंने साक्ष्य के रूप में निजी फोटोग्राफ्स और कॉल डिटेल्स का हवाला देते हुए बताया कि आरोपी के कारण ही नाबालिग मानसिक दबाव में थी, जिसके चलते उसने आत्मघाती कदम उठाया।

क्या था मामला?

अभियोजन के अनुसार, घमापुर थाना क्षेत्र निवासी 19 वर्षीय आरोपी हर्ष का मृतिका के साथ संपर्क था। घटना वाले दिन आरोपी ने मृतिका से शादी करने और बातचीत करने से मना कर दिया था, जिससे व्यथित होकर नाबालिग ने 17 दिसंबर 2025 को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस (BNS) की धारा 108 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

अदालत का फैसला

आरोपी पक्ष ने दलील दी थी कि फोटोग्राफ्स फर्जी हैं और आरोपी का इस मृत्यु से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, अदालत ने पाया कि मोबाइल की फॉरेंसिक रिपोर्ट अभी आना शेष है और मृतिका नाबालिग थी। न्यायालय ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों और साक्ष्यों को देखते हुए आरोपी को अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

पुलिसकर्मी को घूंसा मारने पर कोर्ट उठने तक की सजा

जबलपुर। जिला अदालत ने गाली गलौच के आरोपित जबलपुर निवासी जितेंद्र चक्रवर्ती का दोष सिद्ध पाया।प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी प्रियक कुमार सक्सेना की अदालत ने इसी के साथ आरोपी को कोर्ट उठने तक की सजा सुना दी। साथ ही एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी मनीष समाधिया ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 22 जनवरी, 2016 को आरोपित बीच रोड में खड़ा था। पुलिस आरक्षक ने हटने के लिए कहा तो आरोपित ने गाली गलौच शुरू कर दी। यही नहीं घूंसा भी मार दिया। लिहाजा, अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया।

मां नर्मदा होम्स बाल होलिका समिति ने सजाई आकर्षक होलिका

मुहूर्त से पूर्व प्रारंभ हुई होलिकाओं की पूजा

जबलपुर। शहर में होलिका दहन का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। निर्धारित अर्धरात्रि मुहूर्त से पूर्व ही कई स्थानों पर सार्वजनिक होलिकाओं का दहन प्रारंभ हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। मां नर्मदा होम्स, आनंद कॉलोनी बाल होलिका उत्सव समिति द्वारा विशेष रूप से आकर्षक होलिका सजाई गई। समिति के सदस्यों ने कंडों की मालाओं से होलिका की प्रतिमा को सजाया और घास-पत्तों से सामूहिक पूजन किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ परिक्रमा कर लोगों ने परिवार की खुशहाली और क्षेत्र की उन्नति की प्रार्थना की। समिति में प्रथमेश परिहार, अतिशय, अभिनव जैन, आरुष, अवि मिश्रा, अद्वित, अक्षत साहू, श्रेया शुक्ला, कार्तिव, अयांश, शाहनवी, करतीव पेगवार, विदार्थ, अम्मू, अविशा सिंह, अर्जव और अरहम जैन ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी फूलों की होली खेली गई, जिसमें बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वातावरण भक्तिमय गीतों और होली के उत्साह से सराबोर रहा।

निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च से

जबलपुर। शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन पोर्टलः www.rteportal.mp.gov.in 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा और आवंटित सीट की जानकारी आवेदक के मोबाइल नंबर पर एसएमएस द्वारा प्राप्त होगी। 09 मार्च 2026 से पोर्टल पर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों एवं कक्षाओं की खाली सीटों का प्रदर्शन। 13 मार्च से 28 मार्च 2026 तक आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। 14 मार्च से 30 मार्च 2026 तक दस्तावेज सत्यापन संबंधित संकुल केंद्रों में किया जाएगा। नर्सरी/के.जी.-1/के.जी-2 के लिए न्यूनतम आयु 3–4 वर्ष 6 माह, कक्षा-1 के लिए 6–7 वर्ष 6 माह। आयु की गणना नर्सरी/के.जी. के लिए 31 जुलाई 2026 एवं कक्षा 1 के लिए 30 सितंबर 2026 की स्थिति में की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन में समस्या होने पर आवेदक विकासखंड के बीआरसी कार्यालय या सर्व शिक्षा अभियान के जिला/विकासखंड केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

एचपी वैक्सीनेशन और प्रधानमंत्री राहत स्कीम को प्रभावी बनायें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित विभिन्न समस्याओं की विभागवार समीक्षा कर कमियों की पूर्ति करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही कहा कि होली पर्व के दौरान दुग्ध संबंधी उत्पादों की जांच करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जितने भी होली जलाने के स्थान हैं उनका निःशुल्क पंजीयन करें और उनमें गौकाष्ट का उपयोग करें। उन्होंने पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री जन मन योजना, किसानों की ई-केवायसी, पहली कक्षा में प्रवेश उत्सव, वन ग्राम, राजस्व ग्राम, स्वरोजगार योजनाओं का संचालन के संबंध में विशेष चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके अलावा सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित कर आपेक्षित प्रगति लाएं।

प्रधानमंत्री राहत स्कीम को प्रभावी बनायें

कलेक्टर श्री सिंह ने एचपी वेक्सिनेशन के संबंध में जानकारी देकर कहा कि इसके लिए एक राष्ट्रव्यापी मुफ्त टीकाकरण अभियान शुरू किया है। सर्वाइकल कैंसर जैसे बीमारियों के बचाव के लिए 14-15 वर्ष की लड़कियों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में यह टीका मुफ्त लगाया जा रहा है। अभी जिले में 13 सेंटर बनाये गये हैं और अगले हफ्ते 33 सेंटर बनाये जायेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री राहत स्कीम के बारे में जानकारी देकर कहा कि अब कहीं भी किसी भी व्यक्ति के साथ आकस्मिक सड़क दुर्घटना होने पर घायलों के ईलाज सभी अस्पतालों में 7 दिन तक 1.50 लाख रूपये तक निशुल्क किया जायेगा। सात दिन के बाद उसे आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पताल में शिफ्ट करने पर आयुष्मान योजना के तहत ईलाज किया जायेगा। इस संबंध में सभी अस्पतालों के प्रतिनिधियों की बैठक भी आयोजित की गई जिसमें कहा गया कि वे योजना अनुसार प्राथमिकता से कार्य करें। साथ ही घायलों की मदद कर राहगीर योजना में स्वयं को भी जोड़े। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

नगर निगम वसूली अभियान में 5 करदाताओं की संपत्ति कुर्क

जबलपुर। नगर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा संभागवार और वार्डवार वसूली अभियान जारी रही है। भानतलैया संभाग (संभाग क्रमांक 8) में हनुमानताल, खेरमाई और राधाकृष्णन वार्ड में चलाए गए अभियान में निम्न करदाताओं की संपत्ति कुर्क की गई। नारायण दास – ₹4,17,075, रेखा मोतयानी – ₹35,146, दुलारे प्रसाद – ₹50,119, सुषमा – ₹1,51,885, शौकत उल्ला – ₹1,83,401, इसके अलावा खेरमाई वार्ड से 1 लाख रुपये का चेक भी प्राप्त हुआ। कुर्की कार्रवाई के दौरान संभागीय अधिकारी महेन्द्र पाल सिंह उइके, राजस्व निरीक्षक देवनाथ राठौर, टी.सी. अरविंद सिंह, निखार मिश्रा, अफजाल अजीम, संदीप साहू, रामेश्वर दुबे, गुलाम अंबिया, ठाकुर प्रसाद, उमेश राजपूत और विजय सहित नगर निगम की राजस्व टीम उपस्थित रही। कुर्क की गई संपत्तियों को निर्धारित अवधि के बाद वैधानिक प्रक्रिया के तहत नीलाम किया जाएगा।

है। अभियान के तहत बार-बार सूचना के बावजूद बकाया कर जमा न करने वाले करदाताओं के विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की जा

होली पर्व पर शहर में अतिरिक्त जलापूर्ति और अन्य व्यवस्था रहेंगी : निगमायुक्त

जबलपुर। नगर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने होलिका दहन (3 मार्च) और धुरेड़ी पर्व (4 मार्च) को ध्यान में रखते हुए शहर में अतिरिक्त जलापूर्ति एवं मूलभूत सुविधाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए हैं। नागरिकों के लिए अतिरिक्त जलापूर्ति 4 मार्च को निम्नलिखित समयों में सुनिश्चित की जाएगी। प्रातः 06:30 बजे से 07:00 बजे तक, दोपहर 01:00 बजे से 02:00 बजे तक, सायंकाल 06:00 बजे से। इस व्यवस्था की निगरानी जलविभाग के कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव और अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाएगी। साथ ही निगमायुक्त ने सभी संभागीय अधिकारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और प्रकाश विभाग को शहर में साफ-सफाई और स्ट्रीट लाईट रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में शांति समिति की बैठकों में शामिल होकर वहां लिए गए निर्णयों के अनुसार कार्यवाही करें।

सुरक्षा के चाक-चौबंद प्रबंध, ड्रोन से होगी निगरानी, फ्लैग मार्च किया

धुरेडी और रमजान को लेकर पुलिस हाई अलर्ट

हरिभूमि जबलपुर।

होली पर्व की धुरेडी और रमजान माह के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाए है। किसी को भी नियमों के उल्लघंन करने की इजाजत नहीं दी जाएगा। बिना अनुमति के आयोजन नहीं होंगे, वहीं प्रशासन द्वारा निर्धारित रुट से ही होली के जुलूस निकाले जायेंगे। पुलिस ने सभी के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया हैं वहीं धुरेडी की पूर्व संध्या पर पुलिस ने तमाम संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया है। आज ड्रोन के जरिए संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। पुलिस ने तमाम सुरक्षा के इंतजाम कर रखे है।

डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध

डीजे साउंड बाक्स पर पूरी तरह से धुरेड़ी के दिन प्रतिबंध लागू रहेगा। जहां कहीं सांस्कृतिक आयोजन होंगे वहां भी दो से अधिक साउंड बाक्स वह भी सशर्त अनुमति के साथ लगाये जा सकते हैं।

शराब के नशे में वाहन चलाने पर होगी कार्रवाई

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से निपटेगी और जगह-जगह स्टापर लगाकर वाहन रोके जाएंगे और ब्रेथ एनेलाइजर से मुंह सूंघे जायेंगें। जो भी शराब पीकर वाहन चलाते मिलेगा उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। होली पर बाहर से 3 कंपनियों का एक हजार से अधिक अतिरिक्त पुलिस बल बुला लिया गया है। 140 फिक्स प्वाइंट पर पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। जबकि 60 पेट्रोलिंग मोबाईल शहर में भ्रमण करेंगी। जिला कलेक्टर जिला पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी शहर में पेट्रोलिंग कर स्थिति का जायजा लेंगे। हुडदंग मचाने वालों से पुलिस सख्ती से पेश आएगी।

हुड़दगिंयो से सख्ती से निपटा जायेगा

पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने बताया कि होली एवं रमजान के जुमे त्यौहार में सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व फोर्स, अश्रु गैस दल, पुलिस कंट्रोल रूम में मौजूद रहेगा जो सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचेगा। इसके अलावा 3 सवारी बैठाकर बे-लगाम रफ्तार से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। जगह-जगह स्टापर लगाकर वाहनों को रोककर चैकिंग की जाएगी और शराब पीकर वाहन चलाते पाये जाने पर सख्ती की जाएगी। शहर में 140 स्थानों पर फिक्स पाइंट बनाये गये है जहां 1-4 का पुलिस बल तैनात रहेगा। वहीं प्रत्येक थाना क्षेत्र में 4- 4 मोबाईल पार्टियां बनायी गई है, जो अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करेंगी।

साल का पहला खग्रास-चंद्रग्रहण आज, ग्रहण-काल में मंदिरों के पट बंद रहेंगे

जबलपुर। इस साल होली पर खग्रास-चंदग्रहण का साया नजर आयेगा। 3 मार्च धुरेंडी के दिन साल का पहला चंद्रग्रहण पड़ेगा। ग्रहण को लेकर धुरेंडी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ज्योतिष के अनुसार ग्रहण के समय रंग खेलने की मनाही है लेकिन परंपरा अनुसार धुरेंडी के दिन खेलने वालों का मत भी प्रभावी है। कुछ लोग 3 को तो कुछ लोग 4 को धुरेंडी मना रहे हैं। पूरे देश सहित मध्य प्रदेश व जबलपुर में भी यह ग्रहण देखा जायेगा। ग्रहण की सूतक वेध सुबह 6 बजकर 23 मिनिट से प्रारंभ हो जाएगा और ग्रहण को मोक्ष शाम 6 बजकर 47 मिनिट पर होगा। ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनिट से प्रारंभ होगा ग्रहण का मध्यकाल 4 बजकर 5 मिनिट तक रहेगा, जिसका मोक्ष शाम 6 बजकर 47 मिनिट पर होगा। ग्रहणकाल में मूर्ति स्पर्श और दर्शन दोनों नहीं किये जाते। लिहाजा आज होली धुरेंडी का पर्व 4 मार्च को मनाया जायेगा। सभी मंदिरों में सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक पट बंद रहेंगे। ग्रहण मोक्ष के बाद रात्रि 8 बजे से हवन पूजन प्रारंभ होंगे। ज्योतिषाचार्य पं। पी।एल। गौतमाचार्य ने बताया किमघा नक्षत्र सिंह राशि पर प्रभावशाली रहेगा। 1996 में होली पर चंद्रगहण का योग बनने के 30 साल बाद 2026 में फिर होली के दिन ही चंद्रग्रहण पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि राशिवार ग्रहण का प्रभाव इस तरह रहेगा।

मेष राशि

इस सप्ताह मेष राशि के स्वामी मंगल कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं। मेष राशि वालों की धन की स्थिति बेहतर होगी। कामकाज में आपको सफलता मिलेगी। जो लोग अपने काम में पूरी ऊर्जा के साथ मेहनत कर रहे हैं, उन्हें अच्छे रिजल्ट अवश्य मिलेंगे।

वृष राशि

वृष राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। अटके हुए कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। जो लोग जॉब करते हैं, करियर में उनकी स्थिति और मजबूत होगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों का मान-सम्मान बढ़ेगा। मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में जो बाधाएं आ रही थीं, वो दूर होंगी। जो लोग जॉब करते है।।। उनकी उन्नति होगी। जो लोग बिजनेस करते हैं, उनका मुनाफा बढ़ेगा।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए यह सप्ताह मन की चिंता को कम करने वाला है। धन की स्थिति में सुधार होगा। लेकिन साथ ही साथ इस सप्ताह आपके खर्चे भी भी बढ़ेंगे। अपने बजट को ध्यान में रखकर ही पैसा खर्च करें।

सिंह राशि

इस सप्ताह साल का पहला चंद्र ग्रहण सिंह राशि में लगेगा। सिंह राशि वाले इस सप्ताह पूरे धैर्य से कार्य करें। अपने मन में किसी भी तरह का शक न पालें। करियर के क्षेत्र में संभलकर कार्य करने की आवश्यकता होगी। व्यापार में जल्दबाजी में कोई फैसला न करें। सोच समझकर डिसीजन लेना होगा।

कन्या राशि

कन्या राशि के स्वामी बुध कुंभ राशि में विराजमान हैं। कुंभ राशि में बुध सूर्य, मंगल, शुक्र और राहु के साथ युति कर रहे हैं। इस सप्ताह अपने काम सोच-समझकर करें। काम में जल्दबाजी न दिखाएं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से किसी खास विषय पर चर्चा होगी। करियर के क्षेत्र में संभलकर चलने की सलाह है।

तुला राशि

तुला राशि वालों को मेहनत का फल इस सप्ताह मिलेगा। आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। करियर के क्षेत्र में अपनी स्थिति को बेहतर करने के लिए आप प्रयास करेंगे।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल सूर्य, बुध, शुक्र और राहु के साथ युति कर रहे हैं। वृश्चिक राशि वाले अपने प्रॉपर्टी से संबंधित फैसले इस सप्ताह न लें। चाहे प्रॉपर्टी खरीदना-बेचना हो या प्रॉपर्टी से संबंधित कोई काम हो, इस सप्ताह न करें।

धनु राशि

धनु राशि वाले इस सप्ताह अपने कार्यक्षेत्र में व्यस्त रहेंगे। कोई न कोई काम लगा रहेगा। इस सप्ताह किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपका आत्मविश्वास अच्छा रहेगा।

मकर राशि

मकर राशि के स्वामी शनि देव मीन राशि में विराजमान हैं। मकर राशि वाले इस सप्ताह अपने काम पूरी प्लानिंग के साथ करें। किसी भी काम को टालना नहीं है चाहे आलस्य की वजह से या और कारणों की वजह से काम डिले न करें। अपने कार्य समय से सिस्टमैटिक तरीके से पूरा करते चले जाएं। व्यापार में आपकी स्थिति और भी ममजबूत होगी।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के स्वामी शनिदेव मीन राशि में विराजमान है। कुंभ राशि वालों को इस सप्ताह अपने कार्यक्षेत्र में मेहनत से आगे बढ़ना होगा। मेहनत से मन चुराने वालों को इस सप्ताह निराशा का सामना करना पड़ेगा।

मीन राशि

मीन राशि वालों को इस सप्ताह पूरी प्लानिंग के साथ अपना कार्य करना है। किसी भी काम में बहुत ज्यादा जल्दबाजी दिखाना उचित नहीं होगा। करियर मेंध्यान देने से ही सफलता मिलेगी। ग्रहण सिंह राशि पर आ रहा है इसलिए सिंह राशि वालों को ग्रहण देखना वर्जित है। मोक्ष ग्रहण के बाद नर्मदा के तट पर स्नान करने वालों की भीड़ उमड़ेगी।

देर रात हुये होलिका दहन के बाद रंगों की ठिठोली

ग्रहण के कारण बुधवार को उड़ेगा रंग और गुलाल

सिहोरा। बुराई की प्रतीक होलिका दहन के बाद आज की जगह कल बुधवार को उमंग उत्साह के साथ रंग अवीर की बैछारे झूटेगीं लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर सभी रागद्ववेष भूल जायेगें। नगर में दर्जनों स्थानों में विभिन्न मुद्राओं में होलिका की प्रतिमा स्थापित की गई थी जिनका दहन देर रात तक चलता रहा और उमंग का पर्व। कल 4 मार्च को नगर में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा।

वैसे तो कुछ लोगों ने गत देर रात होलिका दहन के पश्चात ही रंग गुलाल उडाने के साथ रंगो के पर्व का शुभारम्भ कर दिया था लेकिन आज 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण होने के कारण धुलेंडी रंगो का त्यौहार 4 मार्च को मनाया जायेगा। लेकिन इस पांच दिवसीय रंगोत्सव के पहले दिन रंग उड़ाने और होली खेलने का बेतावी से इंतजार कर रहे बच्चों के ऊपर शायद खग्रास चंद्रग्रहण के नौ घंटे पहले लगने वाली सूतक का भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा और वो तो होली खेलेंगे।

त्यौहार शांति पूर्वक सपन्न कराने पुलिस मुस्तेद

होली का त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न कराने पुलिस पूरी तरह से मुस्तेद है। सिहोरा थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को ने बताया सभी लोग एक दुसरे के साथ मिलकर त्यौहार मनाये रमजान पर्व भी चल रहा है इसलिए कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे दुसरो को परेशानी हो और पुलिस को कार्यवाही करने बाध्य होना पड़े। आगे बताया नगर में 3 एंव ग्रामीण क्षेत्र में 4 पेट्रोलिग पार्टियां तैनात की गई है जो लगातार भ्रमण करेगी और आशांति फैलाने वालो के ऊपर कार्यवाही करेगी।इसी तरह सात फिक्स प्वाइंट बनाये है।जिसमें कटरा मोहल्ला,गढिया मोहल्ला,झंडा बाजार,आजाद चौक, गौरीतिराहा, पुराना बस स्टेंड आदि शामिल है यहां पर पुलिस बल तैनात रहेगा। वैसे भी सुरक्षा की द्रष्टि से इस समय बड़ी संख्या में नगर में जगह जगह पहले से भारी पुलिस बल तैनात हैं।

होली में कानून व्यवस्था बनाये रखने निकला फ्लेग मार्च

सिहोरा। नगर सहित सम्पूर्ण क्षेत्र में होली,धुलेंडी,रंगपंचमी एंव रमजान पर्व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने एंव अपराधियों में भय का वातावरण कायम करने के उद्देश्य से भारत सरकार ग्रह मंत्रालय के निर्देश पर सी / 107 बटालियन,द्रुत कार्य बल को जबलपुर में 10 मार्च तक तैनात किया गया है। सी 107 बटालियन,द्रुत कार्य बल रेपिड एक्शन फोर्स आर ए एफ द्वारा जगदीश प्रसाद बलाई कमाण्डेंट 107 बटालियन एवं पुलिस अधिक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के आदेशानुसार,उपेन्द्र के डिप्टी कमांडेंट, हरिशंकर शर्मा सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में एंव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी आईपीएस आदित्य सिंघारिया,थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को की उपस्थिति में सिहोरा में फ्लेग मार्च निकाला गया जो पुलिस थाने से प्रारम्भ होकर,नया मोहल्ला,मंडी प्रांगण होकर,आजाद चौक,झंडा बाजार, काल भैरव चौक, गढ़िया मोहल्ला से होकर पुनः झंडा बाजार से कालभैरव चौक,मृगनयनी रोड, पुराना बस स्टेंड सहित अनेक प्रमुख मार्गो से होकर शुभारंभ स्थल पर संपन्न हुआ। इसमें स्थानीय पुलिस के साथ,मोबाइल पेट्रोलिंग एंव पैदल मार्च किया। मार्च में द्रुत कार्य बल की महिला टीम द्वारा भी सराहनीय कार्य किया गया। फ्लैग मार्च में लगभग 110 जवान सम्मिलित थे।

प्रमोद कुमार खत्री ने संभाला पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पद

जबलपुर। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स (आईआरएसईई) 1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी प्रमोद कुमार खत्री ने रविवार 01 मार्च 2026 को पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हुईं पूर्व महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय का स्थान लिया। महाप्रबंधक का पद संभालने से पूर्व श्री खत्री अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल तथा चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) में मुख्य सतर्कता अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। उन्हें रेल परिचालन, योजना, डिजाइन एवं नियंत्रण, रख-रखाव, निर्माण तथा विभिन्न परियोजनाओं में व्यापक अनुभव प्राप्त है। अपने सेवा काल में उन्होंने रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी आधुनिकीकरण, व्यवसाय विकास, सतर्कता एवं संरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके नेतृत्व एवं कार्यकुशलता की विभिन्न मंचों पर सराहना की गई है।

संजय कुमार तीन दशकों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

जबलपुर। जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, जबलपुर (मुख्यालय मध्य भारत एरिया) ने अपने सबसे वीर सैनिकों में से एक, परमवीर चक्र विजेता ऑनरेरी कैप्टन (सूबेदार मेजर) संजय कुमार को लगभग 30 वर्षों की गौरवशाली सेवा पूर्ण करने पर सैन्य सम्मान के साथ भावभीनी विदाई दी। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के कलोल बकैन गांव निवासी संजय कुमार 26 जून 1996 को भारतीय सेना में भर्ती हुए। कड़ी ट्रेनिंग के बाद वे 13वीं बटालियन, द जम्मू और कश्मीर राइफल्स में शामिल हुए। कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन विजय में 4 जुलाई 1999 को मुश्कोह घाटी के पॉइंट 4875 (फ्लैट टॉप) पर उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया। दो गोलियां लगने के बावजूद उन्होंने दुश्मन के बंकर पर अकेले हमला कर तीन पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया, उनकी मशीनगन पर कब्जा किया और लक्ष्य प्राप्ति तक मोर्चे पर डटे रहे। उनके इस अप्रतिम साहस के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार 'परमवीर चक्र' से सम्मानित किया गया। सेवा के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को देखते हुए 26 जनवरी 2026 को उन्हें ऑनरेरी कैप्टन के पद पर पदोन्नत किया गया। उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला तथा इंडियन मिलिट्री एकेडमी, देहरादून में इंस्ट्रक्टर के रूप में भी योगदान दिया। सेवानिवृत्ति से पूर्व 20 फरवरी 2026 को उन्होंने जबलपुर स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर-2 एवं जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में युवा अग्निवीरों व छात्रों को संबोधित कर उन्हें देशभक्ति और सेवा के लिए प्रेरित किया।

अपने विदाई संदेश में उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और देश की सेवा करना उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान रहा है तथा परमवीर चक्र उनकी यूनिट और सीमाओं पर तैनात हर सैनिक को समर्पित है। रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर राकेश शर्मा ने कहा कि ऑनरेरी कैप्टन संजय कुमार साहस, बलिदान और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं। उनके सेवानिवृत्त होने के साथ ही अंतिम सेवारत परमवीर चक्र विजेता सैनिक के रूप में एक युग का अंत हुआ। रेजिमेंटल सेंटर में आयोजित सेरेमोनियल परेड में उन्हें पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ विदाई दी गई और जबलपुर ने अपने वीर सपूत को सम्मानपूर्वक सलाम किया।

पश्चिम मध्य रेलवे में 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' का वाचन

जबलपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार नए प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' में केंद्रीय मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में पारित 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' के संकल्पों का वाचन सोमवार को पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय सहित सभी इकाइयों में किया गया। मुख्यालय स्थित महाप्रबंधक सभागार में महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार खत्री की अध्यक्षता में प्रमुख विभागाध्यक्षों ने सेवा संकल्प प्रस्ताव का वाचन किया। इस अवसर पर एसडीजीएम श्री नीरज कुमार, प्रमुख संकेत एवं दूरसंचार अभियंता श्री एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस. डी. पाटीदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मनन हॉल में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा संकल्प का वाचन कराया गया। पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलोंजबलपुर, भोपाल एवं कोटा—में मंडल रेल प्रबंधकों द्वारा शाखा अधिकारियों को संकल्प का वाचन कराया गया। भोपाल एवं कोटा कारखानों में मुख्य कारखाना प्रबंधकों ने भी सेवा संकल्प प्रस्ताव का वाचन किया। इसके अतिरिक्त सभी अधीनस्थ कार्यालयों एवं इकाइयों में संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को संकल्प पढ़कर सुनाया गया।

मूर्ख सम्मेलन में होगी खोचड़ाधीश और मूर्खाधिराज से भेंट एवं फूलों की होली

बरेला। विगत 46 वर्षों की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी मूर्ख सम्मेलन धूमधाम से मनाया जा रहा है ।समिति संयोजक महेश मानव ने बताया कि चार मार्च बुधवार को सुबह 9 बजे समितिजन नगर के शोक संतृप्त परिवारों से होली मिलन हेतु नगर भ्रमण पर निकलेंगे। शाम 5 बजे नगर परिषद अध्यक्षप्रतीक दुबे मूर्खाधिराज और विष्णु तिवारी खोचडाधीश के रूप में चल समारोह की अगुवाई करेंगे। साथ में नगर के पार्षद, नेता, व्यापारी ,अधिकारी और गणमान्य नागरिक भी विविध और विचित्र स्वांग बनाकर चल समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। शाम 7:00 बजे मूर्खाधिराज और खोचडाधीश की ताजपोशी और आरती से स्वागत होगा। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम हास्य हंगामा में रसीली फागें, हास्य, व्यंग, चुटकुले, मिमिक्री, नाटक, हास्य गीत और नृत्य से उपस्थित जन समुदाय को हंसने और गुदगुदाने पर विवश करेंगे।इस अवसर पर संस्कारधानी की अतिथि कलाकार निकिता सिंह राजपूत और वैभव कुमार गुप्ता द्वारा राधा कृष्ण के रूप में फूलों की होली आकर्षण का केंद्र होगी। इस अवसर पर लगभग 50 गांव के लोगों की टाइटल और हास्य व्यंग से परिपूर्ण पत्रिका रंगफुहार का विमोचन और वितरण किया जाएगा। समिति ने समस्त क्षेत्र वासियों से उपस्थिति की अपील की है।

अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी पर 'अटल कार्यकर्ता सम्मान' का आयोजन

जबलपुर। भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित 'अटल कार्यकर्ता सम्मान' कार्यक्रम के तहत संस्कारधानी जबलपुर में जनसंघ कालखंड के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को रजत पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान यात्रा विभिन्न जिलों में जनसंघ एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के घर-घर पहुंचकर उन्हें सम्मानित कर रही है। कार्यक्रम का समापन राजधानी भोपाल में किया जाएगा। शेष तीन जिलों में सम्मान कार्यक्रम के बाद यात्रा भोपाल पहुंचेगी। जबलपुर में आयोजित समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय विश्नोई सहित 19 कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। आयोजन में धीरज पटेरिया के नेतृत्व में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा में प्रमुख रूप से मोती यादव, श्याम सिंह ठाकुर, मुकेश पटेल, बबलू जायसवाल, रवि शर्मा, मनदीप दुबे, फैसल अंसारी, ताज अंसारी, दीपक पाण्डेय, चिंटू पटेल, अभिनव सिंह ठाकुर, विशाल सुरेखा, ब्रजेश शर्मा, प्रशांत महानूर, दिनेश केवट, संतोष उपाध्याय, अभय दुबे, अंकित जैन, कपिल जैन 'बड्डा' सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टिट्यूट के होली मिलन समारोह में हुआ सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम

जबलपुर। ए.पी.एन. ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में आयोजित होली मिलन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों और हास्य प्रस्तुति के साथ उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। समारोह में "होलीया में उड़े रे गुलाल", "होली के दिन खिल जाते हैं", "रंग बरसे", "जोगी जी धीरे-धीरे" और "जय जय शिव शंकर" जैसे गीतों की प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव एवं अध्यक्षता प्रबंधक तुलसी दास द्रविड ने की। विशिष्ट अतिथियों में अजीत श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, पार्षद अमरचंद बावरिया तथा संतोष विनोदिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, डिग्री प्राचार्या डॉ. (श्रीमती) सोनल खरे, एम.पी. बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा एवं सीबीएसई प्रभारी प्राचार्य करन खुराना द्वारा किया गया। अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय त्योहार आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते हैं। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन शिक्षिका प्रेरणा पाण्डे ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिलीप कोरी, नीति तंगादुरई एवं भुवनेश्वरी सिंह ने शानदार गीत प्रस्तुत किए। वहीं अंतरराष्ट्रीय हास्य कलाकार के.के. नायकर ने अपने लतीफों से उपस्थित जनों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। समारोह के अंत में संस्था द्वारा सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों को मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड में ऑटोकैड प्रशिक्षण का द्वितीय चरण संपन्न

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा अभियंताओं के लिए आयोजित ऑटोकैड प्रशिक्षण का द्वितीय चरण मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग प्रशिक्षण संस्थान, जबलपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्युत परियोजनाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण में सिविल, इंजीनियरिंग एवं परियोजना उत्पादन से जुड़े 17 अभियंताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण ऑटोडेस्क प्रमाणित केंद्र के मुख्य प्रशिक्षक अविनाश विश्वकर्मा द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अभियंताओं को टू-डी एवं थ्री-डी मॉडलिंग, लेयर, ब्लॉक, टेम्पलेट, डाइमेंशनिंग, लेआउट, प्लॉटिंग, एडिटिंग एवं रेंडरिंग सहित ऑटोकैड के सभी प्रमुख फीचर्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) दीपक कश्यप ने कहा कि ऑटोकैड केवल ड्राइंग सॉफ्टवेयर नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग कार्य की गुणवत्ता, गति और पेशेवर दक्षता बढ़ाने का महत्वपूर्ण टूल है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय कुमार जैन ने कहा कि परियोजना के प्रारंभ से समापन तक सभी ड्राइंग एवं डिजाइन ऑटोकैड पर तैयार की जाती हैं, इसलिए अभियंताओं का इसमें पारंगत होना आवश्यक है। अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक तिवारी ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर 17 प्रशिक्षु अभियंताओं को ऑटोडेस्क प्रमाणित प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम की सफलता में कार्मिक अधिकारी वर्तिका गुरबानी एवं कार्यालय सहायक ललित मानकर का विशेष योगदान रहा। महाप्रबंधक (प्रशिक्षण) खुशबू शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

श्रीमति रुकमणी ठाकुर- एडवोकेट शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, एडवोकेट ईश्वर सिंह ठाकुर, एडवोकेट गुलाब सिंह ठाकुर की माता एवं एडवोकेट आदित्य सिंह ठाकुर की दादी श्रीमति रुकमणी ठाकुर जी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कोमल चंद जैन - पड़रिया निवासी श्री कोमल चंद जैन का निधन हो गया है। वे चंद्र कुमार, राजेन्द्र कुमार के अग्रज तथा समाजसेवी सुमित व अमित पड़रिया के पिता थे। अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील ठाकुर- लक्ष्मी कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री सुनील ठाकुर (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री दिनेश अहिरवार- राजीव गांधी नगर आईटीआई चुंगी नाका माढ़ोताल निवासी श्री तुलाराम अहिरवार के पुत्र श्री दिनेश अहिरवार (24) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री काली चरण बंशकार- शीतलामाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री श्याम लाल बंशकार के पुत्र श्री काली चरण बंशकार (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सच्चिदानंद सिंह- महाकौशल नगर अधारताल निवासी श्री सच्चिदानंद सिंह (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री इंदल सोनकर- भरतीपुर निवासी श्री इंदल सोनकर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नन्हीं- पटेल नगर रामपुर निवासी श्री विश्राम की धर्मपत्नी श्रीमती नन्हीं (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश मलिक- कांचघर शिव मंदिर के पास निवासी श्री मुकेश मलिक (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला देवी बेहरे- हनुमानताल निवासी श्री कृष्ण कुमार बेहरे की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी बेहरे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल रैकवार- लालमाटी शुक्ला होटल ओम कला मंदिर रोड निवासी श्री नत्थू लाल रैकवार के पुत्र श्री कौशल रैकवार (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कांताली बंशकार- शिवराज चौहान नगर ललपुर निवासी श्री कांताली बंशकार (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रमा बाई सोनकर- तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री मुकुंदी लाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती रमा बाई सोनकर (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री घसीटा लाल कोल- बूचा कॉलोनी बिलपुरा निवासी श्री घसीटा लाल कोल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती बंशकार- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री मुन्ना लाल बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती बंशकार (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मुन्नी बाई यादव- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री रतन लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई यादव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
फिक्स साइज:- सें.मी. ब्लेक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- सें.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज सें.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362180

खबर संक्षेप

होंडा मोटरसाइकिल की बिक्री में 34% की वृद्धि

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की फरवरी, 2026 में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 5,67,351 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने की तुलना में काफी अधिक है।कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। फरवरी की कुल बिक्री में घरेलू बाजार में बेची गई 5,13,190 इकाइयां और 54,161 इकाइयों का निर्यात शामिल है।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में 27% बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री फरवरी में 27 प्रतिशत बढ़कर 4,48,259 इकाई हो गई। पिछले साल इस महीने में यह आंकड़ा 3,52,071 इकाई रहा था। पिछले महीने उसकी कुल घरेलू बिक्री 2,32,581 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि के 1,83,415 इकाई के आंकड़े की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,86,164 इकाई रही।

होर्मुज से आवाजाही बहाल न होने पर 100 डॉलर प्रति बैरल जा सकता है

कच्चा तेल करीब 10 प्रतिशत उछला

पश्चिम एशिया में संकट गहराया...

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हमलों के बाद पश्चिम एशिया में जंग के हालात से सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका से कारोबारियों में बेचैनी देखी गई। होर्मुज जलडमरूमध्य से टैंकर यातायात जल्द बहाल नहीं होने की स्थिति में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर जा सकती हैं।

कारोबारी इस आशंका पर दांव लगा रहे हैं कि ईरान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति धीमी पड़ सकती है या ठप हो सकती है। क्षेत्र में हमलों, खासकर फारस की खाड़ी के संकरे प्रवेश मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो जहाजों पर हमले के कारण निर्यात क्षमता प्रभावित हुई है।

- वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया
- आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका से कारोबारियों में बेचैनी देखी गई
- लंबे संघर्ष से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आगे और बढ़ोतरी हो सकती है

सात-आठ देशों को होता है इस मार्ग से निर्यात

यह तेल मार्ग विश्व का सबसे अहम 'चोकपॉइंट' (संकरा रणनीतिक मार्ग) माना जाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य के उत्तर में ईरान स्थित है, जबकि इस रास्ते से सऊदी अरब, कुवैत, इराक, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान का तेल एवं गैस निर्यात होता है।

ईरान का अधिकांश तेल निर्यात चीन को

ईरान प्रतिदिन लगभग 16 लाख बैरल तेल का निर्यात करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा चीन को जाता है। यदि ईरान का यह निर्यात बाधित होता है तो चीन को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत तलाशने पड़ सकते हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर और दबाव बढ़ सकता है।

ओपेक उत्पादन बढ़ाने जा रहा

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने कहा कि वह अप्रैल में प्रतिदिन 2,06,000 बैरल उत्पादन बढ़ाने जा रहा है। उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं।

आपूर्ति का पांचवां हिस्सा होर्मुज से गुजरता है

रिस्टैड एनर्जी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉर्ज लियोन ने कहा, /"वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। ऐसे में बाजार इस बात को लेकर अधिक चिंतित है कि कच्चे तेल की खेप वास्तव में यहां से जा पाएगी या नहीं। यदि खाड़ी क्षेत्र में आवाजाही बाधित होती है तो अतिरिक्त उत्पादन से तत्काल राहत सीमित रहेगी।/"

73 डॉलर पर कारोबार कर रहा

ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में हमले लंबे समय तक जारी रहे तो कच्चे तेल और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आगे और बढ़ोतरी हो सकती है। सीएमई ग्रुप के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में उत्पादित वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल सोमवार सुबह करीब नौ प्रतिशत चढ़कर 73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कच्चा तेल 80 डॉलर के करीब पहुंच गया

शुक्रवार को यह लगभग 67 डॉलर पर था। फैक्टसेट के आंकड़ों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब 10 प्रतिशत चढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 72.87 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था। ऊर्जा विश्लेषण कंपनी रिस्टैड एनर्जी ने कहा कि प्रतिदिन लगभग 1.5 करोड़ बैरल यानी वैश्विक आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज जलडमरुमध्य से होकर गुजरता है।

संकट से विमानन और टूर ऑपरेटर कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का पड़ा असर
- निवेशकों ने इन कंपनियों के शेयरों में की मुनाफावसूली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हवाई क्षेत्र बंद होने से विमानन एवं यात्रा कारोबार से जुड़ी कंपनियों के शेयर सोमवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विमान ईंधन एटीएफ के महंगा होने की आशंका से निवेशकों ने इन शेयरों में मुनाफावसूली की।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो का परिचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन का शेयर बीएसई पर कारोबार में 7.50 प्रतिशत तक लुढ़कने के बाद 6.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। स्पाइसजेट एयरलाइन के शेयर में भी 9.20 प्रतिशत तक की गिरावट आई और यह 5.72 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रैवल कंपनियों में यात्रा ऑनलाइन 9.59 प्रतिशत टूट गया, ईजी ट्रिप प्लानर्स में 7.08 प्रतिशत, टीबीओ टेक में 4.04 प्रतिशत, थॉमस कुक इंडिया में 3.57 प्रतिशत और ली ट्रेवेन्यूज टेक्नोलॉजी के शेयर में 2.08 प्रतिशत की गिरावट रही। बाजार में व्यापक बिकवाली के बीच बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2,743.46 अंक यानी 3.37 प्रतिशत टूटकर 78,543.73 अंक पर आ गया था।

भारत-यूरोप मार्ग की उड़ानों पर व्यवधान

खासकर खाड़ी देशों के प्रमुख विमानन केंद्रों के जरिये भारत-यूरोप मार्ग पर उड़ानों में व्यवधान की स्थिति बनी है। भारतीय टूर ऑपरेटर संघ (आईएटीओ) ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगने से बुकिंग रद्द होने और यात्रा कार्यक्रम में बदलाव के अनुरोधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

तीसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा बढ़कर जीडीपी के 1.3 प्रतिशत पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- आरबीआई ने जारी किया आंकड़ा
- पिछले वित्त वर्ष में 11.3 अरब डॉलर रहा

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में चालू खाते का घाटा (कैड) बढ़कर 13.2 अरब डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.3 प्रतिशत हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 11.3 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.1 प्रतिशत) था। यह वृद्धि मुख्य रूप से व्यापार घाटा बढ़ने के कारण हुई है।

हालांकि, चालू खाते का घाटा अप्रैल-दिसंबर, 2025 की अवधि में घटकर 30.1 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का एक प्रतिशत) रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 36.6 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, ''भारत का चालू खाते का घाटा वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 13.2 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) हो गया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 11.3 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.1 प्रतिशत) था। समीक्षाधीन तिमाही में वस्तु व्यापार घाटा 93.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 79.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 3.7 अरब डॉलर रहा

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में इस तिमाही में शुद्ध बहिर्वाह 3.7 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह 2.8 अरब डॉलर था। समीक्षाधीन तिमाही में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में 20 करोड़ डॉलर का शुद्ध बहिर्वाह दर्ज किया गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में यह 11.4 अरब डॉलर था।

क्लीनमैक्स का निर्गम 18% टूटकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। वाणिज्यिक एवं औद्योगिक क्षेत्र की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी क्लीनमैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का शेयर सोमवार को 1,053 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 18 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 1,053 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 9.57 प्रतिशत टूटकर 952.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 17.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 867.90 रुपये पर बंद हुआ।

चालू सत्र में फरवरी तक चीनी का उत्पादन 12.43 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन सत्र में फरवरी माह तक भारत का चीनी उत्पादन दो करोड़ 47.5 लाख टन तक पहुंच गया, जो कि महाराष्ट्र और कर्नाटक से अधिक उत्पादन के कारण पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12.43 प्रतिशत अधिक है। उद्योग निकाय इस्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

विपणन वर्ष 2024-25 की समान अवधि में चीनी उत्पादन 2.2 करोड़ टन रहा था। भारतीय चीनी एवं जैव-ईंधन विनिर्माता संघ (इस्मा) ने बयान में कहा कि देश के शीर्ष चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन चालू विपणन वर्ष में फरवरी तक बढ़कर 95.3 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले 75 लाख टन था। देश के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन 73 लाख टन से मामूली बढ़कर 74.8 लाख टन हो गया, जबकि देश के तीसरे सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कर्नाटक का उत्पादन उक्त अवधि में 38.2 लाख टन से बढ़कर 44.5 लाख टन हो गया। मौजूदा समय में कुल 305 कारखाने चालू हैं, जबकि पिछले साल इसी समय 330 मिलें चल रही थीं। इस्मा ने कहा कि दक्षिण कर्नाटक में कुछ मिलों के जून/जुलाई से सितंबर, 2026 तक विशेष सत्र के दौरान परिचालन फिर से शुरू करने की उम्मीद है।

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T क्रं. 34 (E.T.) / निर्माण/न.पा.नि./2025-26 **निविदा आमंत्रण सूचना** सतना, दिनांक 02/03/2026

नगर पालिक निगम सतना द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	निविदा क्रं. व. दि.	टे. क्रं.	कार्य का नाम	वार्ड क्रं.	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की समयावधि
01.	34/01 02.03.2026	2026_UAD _486715_1	डामरीकरण रोड निर्माण एवं मरम्मत कार्य विभिन्न स्थानों में (Zone-02)	25,35,36 एवं 38 से 41	82,39,750/-	82,400/-	10,000/-	03 माह
02.	34/01 02.03.2026	2026_UAD _486718_1	डामरीकरण रोड निर्माण एवं मरम्मत कार्य विभिन्न स्थानों में (Zone-05)	22,23,24, 37 एवं 42 से 45	80,87,625/-	80,900/-	10,000/-	03 माह

शर्तें- 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 03/03/2026 समय 10:30 से दिनांक 06/04/2026 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् कोतमा, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

Office: Municipal Council Kotma Dt-Anuupur(M.P.) Email-cmokotma@mpurban.gov.in (07658)233260

क्रमांक-674/न.पा./लो.नि./नि.सू./2025-26 **निविदा सूचना** कोतमा, दिनांक 26/02/26

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारो से ऑन लाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_484977_1 26.02.2026	वार्ड क्र. 15 अब्दुल रसीद से मुलायम के घर तक पेवर ब्लाक फिक्सिंग कार्य।	04 माह 534796.00	2000.00 5350.00	16.03.2026
2	2026_UAD_484976_1 26.02.2026	वार्ड क्र. 02/03 मार्केट एरिया में पेवर ब्लाक फिक्सिंग कार्य।	04 माह 445474.00	2000.00 4460.00	16.03.2026
3	2026_UAD_484852_1 26.02.2026	वार्ड क्र. 07 शंकर विश्वकर्मा से आई.टी.आई मेन रोड़ तक सी.सी. सड़क निर्माण ।	04 माह 747381.00	2000.00 7480.00	16.03.2026
4	2026_UAD_484846_1 26.02.2026	वार्ड क्र. 09 रहमत असी से बुद्धू यादव के घर तक सी. सी. सड़क निर्माण।	04 माह 833196.00	2000.00 8335.00	16.03.2026
5	2026_UAD_484837_1 26.02.2026	वार्ड क्र. 10 ओमप्रकाश से शिवनाथ गुप्ता के घर तक सी.सी. सडक निर्माण।	04 माह 779166.00	2000.00 7800.00	16.03.2026
6	2026_UAD_484831_1 26.02.2026	वार्ड क्र. 07 अजय बसोर से श्यामवती के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण।	04 माह 375516.00	2000.00 3760.00	16.03.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

MP POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.

REGD. OFFICE BLOCK NO. 8, 3rd Floor SHAKTI BHAWAN, RAMPUR, JABALPUR-482008 (M.P.)
CIN: U40109MP2002SGC015120 Tel No: 0761 2666040 , 2702473/2425 Fax 0761-2660048
Website - www.mpez.co.in email: cepurez@yahoo.in

No. 142 **NOTICE INVITING TENDER** Date : 02.03.2026

Tenders are invited for following-

S. No.	TS No. (For e-Tendring Discom/EZ/Pur	PERTICULER OF WORK
1	142 (e-Tender No. 486823)	Installation, testing and commissioning of 11 KV Line, Distribution Transformer, LT line & providing Household Connection with House Wiring to DhartiAabaJanjatiya(DA- JGUA) households in the O&M Circle_Shahdol.

Note:- 1. Tender Details can be seen in the complete tender documents available on e-portal https://mptenders.gov.in. 2. The under signed reserves the right to accept/reject all/any offer without assigning any reason what so ever.

SAVE ELECTRICITY

Superintending Engineer(O&M),
MPPKVVCL, Shahdol

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शीयरिंग मशीन के CAMC के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIB-WS, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है:

निविदा सूचना सं.: MIBW-2025-19-06--03-08 दिनांक: 24.02.2026

कार्य का विवरण: डबल कॉलम गिलोटिन शीयरिंग मशीन (क्षमता 16x3100 मि.मी.) की एकमुश्त मरम्मत तथा 02 वर्ष की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (CAMC)।

अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 15,09,657/- (रु. पंद्रह लाख नौ हज़ार छह सौ सत्तावन मात्र), सभी करों सहित), **बयाना राशि:** ₹ 30,200/- (रु. तीस हज़ार दो सौ मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 33 (तैंतीस) माह, स्वीकृति पत्र (एलओए) जारी होने की तिथि से। **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)।

निविदा जमा करना: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दिनांक **18.03.2026** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे।

इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है व प्राप्त सभी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

कार्यशाला प्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
मोतीबाग, नागपुर

AIM/76-335

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम , जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO/PWD/2025-26/04/E-tendring/PRO.No. 950 Dated 02/03/2026

लोककर्म विभाग निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार/मान्यता प्राप्त फर्म निम्नलिखित कार्य के लिये से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्रं	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत(लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD _486116_1 Date:-02/03/2026	संभाग क्रमांक-04 गुप्तेश्वर वार्ड अंतर्गत कृपाल चौक खेरमाई मंदिर के अंदर वाली गली में पेवर ब्लाक, नाली कवर्ड एवं सीमेंटी-करण कार्य। (CM Monit A+)(द्वितीय निविदा)	03 माह रू. 6.65	2000/- 6650/-	17/03/26
2	2026_UAD _486116_2 Date:-02/03/2026	संभाग क्रमांक-04 पं. बनारसी दास भनोत वार्ड अंतर्गत SBI कालोनी एवं क्रिश्चियन कालोनी में नाली निर्माण कार्य। (CM Monit A+)(द्वितीय निविदा)	04 माह रू. 25.83	5000/- 19380/-	17/03/26

नोट:- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन की वेबसाइट https://mptenders.gov.in में पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, संभाग क्रमांक-4
नगर निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

योजना की विस्तृत जानकारी एवं ई-पंजीयन सुविधा www.mphousing.in/ www.mponline.gov.in पर उपलब्ध

जबलपुर शहर के मध्य हाथीताल कॉलोनी (पुराना कार्यालय परिसर) जबलपुर में निर्मित होने वाले बहुमंजिला 40 (2-बी.एच.के. फ्लैट), 15 (3-बी.एच.के. फ्लैट) का स्ववित्तीय योजनांतर्गत ऑफर आधार पर क्रय करने का सुनहरा अवसर (सातवां विज्ञापन) (रेरा रजिस्ट्रेशन नंबर P-JBP-22-3640)

ई-ऑफर 24.03.2026 तक आमंत्रित।

क्र.	संपत्ति का विवरण	तल का विवरण/भवन क्रमांक		भवन का कुर्सी क्षेत्रफल व.मी.)	भवन का मूल्य (रु. लाख)	पंजीयन राशि (रु. लाख)
	3-बी.एच.के. फ्लैट					
1.	3-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	103	116.50	76.50	1530000/-
2.	3-बी.एच.के. फ्लैट	द्वितीय तल	201	115.75	76.00	1520000/-
3.	3-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	301	115.75	76.00	1520000/-
4.	3-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	401	115.75	76.00	1520000/-
5.	3-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	403	116.50	76.50	1530000/-
6.	3-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	407	100.40	66.00	1320000/-
7.	3-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	501	115.75	76.00	1520000/-
8.	3-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	503	116.50	76.50	1530000/-
9.	3-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	507	100.40	66.00	1320000/-
	2-बी.एच.के. फ्लैट					
1.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	102	89.25	59.00	1180000/-
2.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	104	81.65	54.00	1080000/-
3.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	105	90.10	59.50	1190000/-
4.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	106	90.10	59.50	1190000/-
5.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	109	82.15	54.00	1080000/-
6.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	110	81.65	54.00	1080000/-
7.	2-बी.एच.के. फ्लैट	प्रथम तल	111	86.25	57.00	1140000/-
8.	2-बी.एच.के. फ्लैट	द्वितीय तल	202	89.25	59.00	1180000/-
9.	2-बी.एच.के. फ्लैट	द्वितीय तल	205	90.10	59.50	1190000/-
10.	2-बी.एच.के. फ्लैट	द्वितीय तल	206	90.10	59.50	1190000/-
11.	2-बी.एच.के. फ्लैट	द्वितीय तल	208	86.70	57.00	1140000/-
12.	2-बी.एच.के. फ्लैट	द्वितीय तल	211	86.25	57.00	1140000/-
13.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	302	89.25	59.00	1180000/-
14.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	304	81.65	54.00	1080000/-
15.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	305	90.10	59.50	1190000/-
16.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	306	90.10	59.50	1190000/-
17.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	308	86.70	57.00	1140000/-
18.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	309	82.15	54.00	1080000/-
19.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	310	81.65	54.00	1080000/-
20.	2-बी.एच.के. फ्लैट	तृतीय तल	311	86.25	57.00	1140000/-
21.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	402	89.25	59.00	1180000/-
22.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	404	81.65	54.00	1080000/-
23.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	405	90.10	59.50	1190000/-
24.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	406	90.10	59.50	1190000/-
25.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	408	86.70	57.00	1140000/-
26.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	409	82.15	54.00	1080000/-
27.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	410	81.65	54.00	1080000/-
28.	2-बी.एच.के. फ्लैट	चतुर्थ तल	411	86.25	57.00	1140000/-
29.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	502	89.25	59.00	1180000/-
30.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	504	81.65	54.00	1080000/-
31.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	505	90.10	59.50	1190000/-
32.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	506	90.10	59.50	1190000/-
33.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	508	86.70	57.00	1140000/-
34.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	509	82.15	54.00	1080000/-
35.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	510	81.65	54.00	1080000/-
36.	2-बी.एच.के. फ्लैट	पंचम तल	511	86.25	57.00	1140000/-

आवेदन शुल्क (जी.एस.टी. सहित) रुपये 1770/-

संपत्ति के ऋण हेतु बैंक/वित्तीय संस्थानों से विशेष सुविधा उपलब्ध

नियम एवं शर्तें :- (1) आवेदन/पंजीयन राशि ऑनलाइन ही स्वीकार की जावेगी। (2) योजना पूर्णत: स्ववित्तीय योजना अंतर्गत है। पूर्ण राशि जमा कर विक्रयनामा पंजीकृत कराने के उपरांत ही भवनों का कब्जा प्रदाय किया जावेगा। (3) ऑफर स्वीकृत होने के उपरांत शेष राशि नियमानुसार किश्तों में देय होगी। (4) समय-समय पर मण्डल एवं शासन द्वारा जारी आदेश/परिपत्र हितग्राही पर बंधनकारी होंगे। (5) भवन का कब्जा लेने के पश्चात पानी/बिजली कनेक्शन आवंटी को स्वयं के व्यय पर लेना होगा। (6) भवन के मूल्य के अलावा शासन द्वारा निर्धारित जी.एस.टी. की राशि एवं बाह्य सेवा संधारण प्रभार पृथक से देय होगा। (7) ऑफर स्वीकृति के उपरांत यदि आवेदक स्वयं के कारणों से ऑफर निरस्त कराते हैं तो जमा धरोहर राशि का 50 प्रतिशत कटौती कर शेष राशि बिना ब्याज के आवंटी को वापस की जावेगी। (8). मण्डल/शासन के नियम एवं शर्तें लागू रहेंगे।

नोट :- (1) आवेदन एवं धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि 23.03.2026. (2) ऑफर राशि/बिड डालने की अंतिम तिथि 24.03.2026. (3). ऑफर खोलने की तिथि 25.03.2026 सायं 3:00 बजे।

संपत्ति रिक्त रहने की स्थिति में :- (1) आवेदन एवं धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि 22.04.2026. (2) ऑफर राशि/बिड डालने की अंतिम तिथि 23.04.2026. (3) ऑफर खोलने की तिथि 24.04.2026 सायं 3:00 बजे।

संपर्क :- एस.के. उपाध्याय (संपदा अधिकारी/कार्यपालन यंत्री, संभाग-1 जबलपुर) मो. 8839028937, ओ.पी. श्रीवास्तव (लेखापाल/संपदा प्रबंधक, संभाग-1 जबलपुर) मो.-7987453230, सुश्री गीतिका साहू (उपयंत्री) मो. 9406713208

ऑनलाइन भुगतान में असुविधा होने पर Whatsapp Helpdesk Number 7974264023

पंजीकृत आवंटी अब अपनी समस्त देय राशि का भुगतान मंडल के मोबाइल एप (MPHIDB_GEO जो Google Play Store पर उपलब्ध है) के माध्यम से भी कर सकते हैं। दिये गये QR-Code को स्कैन कर भी एप डाउनलोड कर सकते हैं।

Follow us on /mphidb /mphidb

Visit us : www.mphousing.in

म.प्र. माध्यम/124740/2026

चिंतन

जंग रुकवाने को शांति समर्थक देश आगे आएं

पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य टकराव एक बार फिर पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल रहा है। हाल के हमलों में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर की गई कार्रवाई ने हालात को और विस्फोटक बना दिया है। बिना दूरगामी परिणामों की परवाह किए किए गए ऐसे हमले केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका दुष्प्रभाव आम नागरिकों तक पहुंचता है। सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान जाना, रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचे का नष्ट होना, अस्पतालों और जरूरी सेवाओं का ठप पड़ना ये सब संकेत हैं कि यह संघर्ष यदि नहीं रुका तो एक गहरे मानवीय संकट में बदल सकता है। युद्ध का सबसे बड़ा खामियाजा हमेशा आम जनता को ही भुगतना पड़ता है। जब बम गिरते हैं तो सीमाएं नहीं देखते, वे स्कूल, बाजार, घर और सपनों को भी तबाह कर देते हैं। खाद्य आपूर्ति बाधित होती है, दवाइयों की कमी हो जाती है और विस्थापन की समस्या विकराल रूप ले लेती है। यदि यह टकराव लंबा खिंचता है, तो प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को खाने के लाले पड़ सकते हैं। शरणार्थियों की नई लहरें पैदा होंगी, जिससे पड़ोसी देशों पर भी दबाव बढ़ेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही कई संकटों से जूझ रही है, ऐसे में तेल आपूर्ति और व्यापार मार्गों पर असर पड़ने से अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएं डगमगा सकती हैं। इजराइली हमलों के बाद क्षेत्रीय संगठनों की सक्रियता भी चिंता का विषय है। हिजबुल्ला जैसे संगठन यदि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संघर्ष में कूदते हैं, तो हालात बहुपक्षीय युद्ध का रूप ले सकते हैं। इससे न केवल संघर्ष का दायरा बढ़ेगा, बल्कि नियंत्रण और भी कठिन हो जाएगा। इतिहास गवाह है कि जब क्षेत्रीय युद्धों में बाहरी और गैर-राज्य तत्व शामिल होते हैं, तो शांति की राह और लंबी तथा जटिल हो जाती है। ऐसे समय में शांति समर्थक देशों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। वैश्विक मंच पर प्रभाव रखने वाले देशों जैसे रूस, भारत और चीन की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे केवल बयानबाजी तक सीमित न रहें, बल्कि ठोस कूटनीतिक पहल करें। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर सक्रिय हस्तक्षेप, आपातकालीन बैठकें और तत्काल युद्धविराम का प्रस्ताव इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इन देशों के पास न केवल राजनीतिक प्रभाव है, बल्कि वे संवाद के ऐसे सेतु भी बन सकते हैं जिन पर चलकर विरोधी पक्ष वार्ता की मेज तक पहुंचें। हालांकि, ताकतवर देश होने के नाते पहल की पहली जिम्मेदारी अमेरिका पर ही आती है। यदि वह ईमानदारी से मध्यस्थता की भूमिका निभाए और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर तनाव घटाने की दिशा में कदम बढ़ाए, तो समाधान की संभावना प्रबल हो सकती है। शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सैन्य क्षमता नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में संयम और नेतृत्व दिखाना भी है। यदि अमेरिका इस विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की दिशा में ठोस प्रयास करे, तो अन्य देश भी सहयोग देने को आगे आएंगे। सामूहिक कूटनीति ही इस संकट का वास्तविक समाधान है। युद्ध का लंबा चलना किसी के हित में नहीं है। इससे न तो स्थायी सुरक्षा मिलती है और न ही राजनीतिक समाधान निकलता है। इसके विपरीत, यह कट्टरता को बढ़ावा देता है, नई पीढ़ियों में अविश्वास बोता है और मानवता को गहरे घाव देता है। इसलिए आज आवश्यकता है साहसिक शांति पहल की ऐसी पहल जो हथियारों की आवाज को खामोश कर सके और संवाद की आवाज को बुलंद करे।

मुद्दा
अवधेश कुमार

खामेनेई का अंत और इस्लामी क्रांति

> सामान्यतः आम इस्लामी देशों से थोड़ा उदार और खुले जीवन जीने वाले ईरान में 1979 के इस्लामी क्रांति और अयातुल्लाह के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापना संपूर्ण विश्व की दृष्टि से एक नई घटना थी। इसमें केवल ईरान नहीं संपूर्ण अरब और कुछ मायनों में इससे बाहर भी गैर इस्लामी या इस्लाम विरोधी शासनों के अंत और इसके विस्तार का विचार प्रबल था। यहूदी देश इजराइल को इस्लाम का दुश्मन घोषित करते हुए ईरान राष्ट्र का लक्ष्य धरती से उसका नामोनिशान मिटाना हो गया। इस्लामी क्रांति के साथ 1979 में अमेरिकी दूतावास पर हमले और उसके बाद की तस्वीरें आज भी सिहरन पैदा करती हैं।

अमेरिका और इजराइल के संयुक्त मामले में ईरान के सर्वोच्च मजहबी नेता अयातुल्लाह अल खामेनेई का मारा जाना 21वीं सदी की ऐसी बड़ी घटना है जिसका प्रभाव कई रूपों में संपूर्ण विश्व पर पड़ेगा। इस्लामी शासन होने के कारण वे व्यावहारिक रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता थे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की भूमिका खामेनेई की नीतियों के क्रियान्वयन की रही है। अयातुल्लाह होने के कारण उन्हें विश्व भर के शिया मुसलमान अपने शीर्ष मजहबी नेता के रूप में देखते थे। पाकिस्तान, ईरान, भारत सहित कई देशों में शिया मुसलमानों का विरोध सामने है। किंतु यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि ईरान के एक भी पड़ोसी देश ने ईरान का पक्ष नहीं लिया है। हालांकि पिछले वर्ष खामेनेई ने संपूर्ण विश्व के मुसलमानों की एकता का आह्वान किया था। ईरान और उसके बाहर उनके समर्थकों की कल्पना में कभी उनके इस तरह की मौत की बात नहीं आई होगी। हालांकि पिछले वर्ष जून में पहले इजराइल और बाद में अमेरिका के हमले के समय अटकलें लगी थी कि शायद वे देश छोड़कर चले गए। ऐसा हुआ नहीं।

इस घटना की संपूर्ण परिणतियों का स्पष्ट पूर्वावलोकन अभी कठिन है। इतना स्पष्ट कहा जा सकता है कि ईरान में 1979 से इस्लामी क्रांति का एक दौर तत्काल समाप्त हो गया है। ऐसा नहीं है कि इस्लामी क्रांति के बाद हुए परिवर्तनों, स्थापित ढांचें, विचारधाराएं समाप्त हो गईं हैं पर कम से कम उस रूप में आने वाले लंबे समय तक मुक्त और स्वतंत्र शिया इस्लामी शासन नहीं हो सकता। यह कथन सामान्य क्रांतियों के संदर्भ में है कि क्रांति के शिशु ही क्रांति को खा जाते हैं। ईरान के इस्लामी क्रांति के बारे में भी तत्काल यह निष्कर्ष सही दिखता है। सामान्यतः आम इस्लामी देशों से थोड़ा उदार और खुले जीवन जीने वाले ईरान में 1979 के इस्लामी क्रांति और अयातुल्लाह के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापना संपूर्ण विश्व की दृष्टि से एक नई घटना थी। इसमें केवल ईरान नहीं संपूर्ण अरब और कुछ मायनों में इससे बाहर भी गैर इस्लामी या इस्लाम विरोधी शासनों के अंत और इसके विस्तार का विचार प्रबल था। यहूदी देश इजराइल को इस्लाम का दुश्मन घोषित करते हुए ईरान राष्ट्र का लक्ष्य धरती से उसका नामोनिशान मिटाना हो गया। अमेरिका और उसके नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों को शैतान कहा गया। यह व्यावहारिक तौर पर विश्व में एक इस्लामी विद्रोह की सत्ता का स्वरूप था। सच कहें तो इसी अतिवादी भाव के व्यवहार ने ईरान को उस अवस्था में पहुंचा दिया जहां उसका शांत, स्थिर, सशक्त और सुरक्षित रहना असंभव था। जब आप किसी एक देश के धरती पर नहीं रहने के अधिकार की घोषणा करेंगे और उसके अनुसार देश का व्यवहार होगा, बाहर अलग-अलग हिंसक समूह पैदा कर उसकी मदद करेंगे तो इसकी प्रतिक्रिया आपको झेलनी पड़ेगी। आखिर कोई देश ऐसे शासन को कायम रहने देने के पक्ष में क्यों होगा जो उसके अंत को अपना लक्ष्य बनाकर काम कर रहा हो?

इस्लामी क्रांति के साथ 1979 में अमेरिकी दूतावास पर हमले और उसके बाद की तस्वीरें आज भी सिहरन पैदा करती हैं। अमेरिकी कर्मचारियों के हाथ बांध कर बाहर लाया गया, वे बंधक बनाए गए। तब से हर अमेरिकी राष्ट्रपति की कामना होती थी ईरान से इस्लामी शासन का अंत हो। तत्कालीन ईरानी शासक राजा शाह

पहलवी को अपने परिवार और समर्थकों के साथ अमेरिका में शरण लेनी पड़ी। आज उनके पुत्र रेजा शाह पहलवी और परिवार अमेरिका में ही है। पिछले लगभग 3 महीने से ईरान के अंदर विरोध प्रदर्शनों में हमने देखा कि लोग उनकी तस्वीरें लिए वापस आओ के नारे लगा रहे थे। ये लोग अमेरिका से भी हस्तक्षेप की भी मांग कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विरोधियों का समर्थन किया, ईरान को चेतावनी दी पर तत्काल सीधा हस्तक्षेप नहीं किया। कुछ वक्तव्यों और घटनाओं से लग रहा था कि डोनाल्ड ट्रंप इस बार परिणामकारी सैन्य हस्तक्षेप करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने खामेनेई शासन को चेतावनी दी, न्यूक्लियर कार्यक्रमों को समाप्त करने की शर्तें रखी, ओमान में बातचीत भी आरंभ की किंतु सब रणनीति के तहत था। उसके साथ-ईरान के आसपास अब्राहम लिंकन जैसा सबसे बड़ा नौसैनिक बेरा और अन्य तैयारी होती रही।

दरअसल, 7 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा उत्सव मना रहे निर्दोष निरपराध यहूदियों पर हमला कर लगभग 1200 लोगों का सरेआम कत्लेआम और बंधक बना लेने की घटना ने पश्चिम एशिया खासकर ईरान इजराइल, ईरान अमेरिका संबंधों को ऐसे मोड़ पर ला दिया जिसे अयातुल्लाह सहित उनके परिवार के अनेक सदस्यों, प्रमुख कमांडरों और रक्षा मंत्री आदि की मृत्यु की पृष्ठभूमि माना जा सकता है। गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हुती अयातुल्लाह के ईरान के ही गैर राज्यीय आतंकवादी समूह हैं।

इजराइल और अमेरिका का ऑपरेशन तभी से आगे बढ़ने लगा। लेबनान में हिजबुल्लाह तथा गाजा में हमास को पूरी तरह समाप्त करने के लक्ष्य से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कार्रवाई आरंभ की। हिजबुल्लाह प्रमुख नजीबुल्लाह और उसके ज्यादातर शीर्ष साथियों की मृत्यु, उसके केंद्र काफी हद तक नष्ट होने आदि के साथ उसकी शक्ति इतनी क्षीण हो गई कि पहले की तरह संघर्ष नहीं कर सकते थे। गाजा में भी संघर्ष जारी रहा और अपने लोगों को सुरक्षित लाने की विवशता रहते हुए भी इजरायल ने हमास के ढांचे को जितना संभव था अंत करने की कोशिश की। डोनाल्ड ट्रंप के शासन में आने के बाद कुछ समय के लिए लगा कि शायद इजरायल की उनको लेकर अपेक्षाएं गलत साबित हो सकतीं हैं, लेकिन 22 जून 2025 को अमेरिका के शक्तिशाली जीबी 57ए/ बी मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेट या एमोपी जिसे बंकर बस्टर बम भी कहा जाता है, के हमलों में ईरान के तीन महत्वपूर्ण फोर्डो, नतांज और इस्फाहान न्यूक्लियर ठिकानों को नष्ट किया। वस्तुतः अमेरिका और इजराइल क्रमबद्ध तरीके से यहां तक पहुंचे हैं। ईरान पर पिछले एक दशक से ज्यादा के प्रतिबंधों ने उसके तेल व्यापार को लगभग समाप्त कर दिया और आर्थिक संकट बढ़ता गया। डोनाल्ड ट्रंप ने उन प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के उपाय किए और उनके तेवर ऐसे थे जिसका असर हुआ। इस बीच ईरान रिवॉल्यूशनरी कोर्प्स गार्ड से लेकर प्रमुख रक्षा वैज्ञानिकों आदि की हत्यायें होती रहीं। इजरायल ने भी बीच-बीच में हमले किए।

अभी भविष्य की स्पष्ट तस्वीर नहीं प्रस्तुत की जा सकती। ईरान के बचे-खुचे कमांडर अपनी शक्ति से संघर्ष करेंगे, दुनिया भर के शिया अतिवादी समूह अपने स्तर से हिंसा और विरोध करेंगे, लेकिन ईरान के शासन का लंबे समय तक समूचे देश पर नियंत्रण रहना कठिन होगा। ईरान पर कब्जा कर किसी को सत्ता पर बिठाना अमेरिका के लिए कठिन है। बड़ी संख्या में ईरानी भी किसी बाहरी हस्तक्षेप वाले शासन को स्वीकार नहीं करेंगे। जो भी हो 1979 इस्लामी क्रांति के सिद्धांत वाली ऐसी शासन व्यवस्था वहां कायम नहीं रह सकती, जिसका संपूर्ण देश पर प्रभावी नियंत्रण हो।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

व्यक्ति को कैसे मिल सकती है दुखों से मुक्ति

संकलित
दर्शन

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में संपूर्ण विश्व दर्शन के नए क्षितिज स्पर्श कर रहा था। चीन में कन्फ्यूशियस और लाओत्से, ईरान में जरथुस्त्र, यूनान में पाइथागोरस नए तर्क गढ़ रहे थे तो भारत में महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध वैदिक दर्शन को नया आयाम देने में लगे थे। गौतम बुद्ध ने बताया कि जन्म से लेकर मृत्यु तक संपूर्ण जीवन दुखमय है। मृत्यु भी दुख का अंत नहीं है, बल्कि नए दुख का आरंभ है, क्योंकि मृत्यु के बाद भी पुनर्जन्म होता है। उनका मानना था कि प्राणी की इच्छा अपूर्ण रहती है तो पुनर्जन्म लेना पड़ता है। बुद्ध अनात्मवादी और अनीश्वरवादी तो थे, किंतु भौतिकवादी नहीं थे। उनका मत है कि सृष्टि में जो कुछ है वह क्षणिक है, परिवर्तनशील है। द्वितीय आर्य सत्य है कि प्रत्येक कार्य का कारण अवश्य होता है, जिसे बुद्ध ने प्रतीत्यसमुत्पाद कहा। इस दुख के कारणता सिद्धांत को द्वादश निदान चक्र भी कहा जाता है। इस दुख का मूलभूत कारण अविद्या है। अविद्या से संस्कार या पूर्व में किए गए कर्मों की प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। संस्कार से विज्ञान, विज्ञान से नामरूप, नामरूप से षडायतन, षडायतन से स्पर्श, स्पर्श से वेदना, वेदना से तृष्णा, तृष्णा से उपादान, उपादान से भव, भव से जाति, जाति या जन्म से जरा-मरण का दुख भोगना पड़ता है। बौद्ध दर्शन का तृतीय आर्यसत्य दुख-निरोध है। दुखों के मूल कारण अविद्या को दूर करके इसी जीवन में दुखों का अंत किया जा सकता है। दुखों का निरोध ही निर्वाण है।

पैसा, सेहत व ज्ञान से जुड़े कामों में देर न करें

संकलित
प्रेरणा

एक दिन श्रीकृष्ण उद्धव की भेंट हुई तो श्रीकृष्ण ने उद्धव को एक ब्राह्मण की कहानी सुनाई। श्रीकृष्ण ने बताया कि एक ब्राह्मण ने खेती और व्यापार करके खूब धन कमाया था। वह धनी था, वह बहुत ही कंजूस भी था। धन आया तो उसका मन गलत कामों में लग गया, वह लालची भी था। बुरी आदतों के साथ ही उसे अहंकार भी हो गया, बात-बात पर वह गुस्सा करने लगा। अपने मित्रों से और रिश्तेदारों से भी ठीक से व्यवहार नहीं करता था। ब्राह्मण के व्यवहार की वजह से उसके घर-परिवार के लोग और मित्र लोग दुखी रहने लगे। वह धनी था, लेकिन और धन कमाना चाहता था। कंजूस इतना था कि वह अपने ऊपर भी खर्च नहीं करता था, लेकिन समय के साथ धीरे-धीरे उसका धन खर्च होने लगा। कुछ धन उसके घर-परिवार वालों ने ही छीन लिया। कुछ चोरी हो गया। कुछ चीजें अपने आप नष्ट हो गई। धनी ब्राह्मण का बुरा समय शुरू हुआ तो उसे व्यापार में भी नुकसान हो गया। इसी तरह कुछ ही दिनों में उसका पूरा धन बर्बाद हो गया। अब वह गरीब हो गया तो किसी ने उसकी मदद नहीं की। गरीबी के दिनों में उस ब्राह्मण को अपनी गलतियां याद आने लगीं। वह सोचने लगा कि उसने कभी भी किसी पर धन खर्च नहीं किया। घर-परिवार के लोगों से और मित्रों से बुरा व्यवहार किया। अब मेरी कोई मदद नहीं कर रहा है, ये सब मेरे ही कर्मों का फल है। मैंने कभी भी अपने धन का सही उपयोग नहीं किया।

त्योहार
ममता कुशवाहा

रंग, रिवाज़ और रज़ामंदी होली के बदलते मायने

होली भारतीय समाज का ऐसा पर्व है, जो रंगों, हंसी और आपसी मेल-जोल के माध्यम से जीवन की नीरसता को तोड़ता है। यह उत्सव ऋतुओं के परिवर्तन का संकेत देता है, सामाजिक दूरी को कम करता है और मनुष्य के भीतर दबे उल्लास को बाहर आने का अवसर देता है। परंतु समय के साथ होली केवल आनंद और रंगों का पर्व भर नहीं रही, बल्कि इसके साथ उन्माद, अराजकता और सहमति जैसे जटिल प्रश्न भी जुड़ते चले गए हैं। आज होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज के मनोविज्ञान को परखने का एक आईना भी बन चुकी है। भारतीय परंपरा में होली का मूल भाव समरसता का रहा है। यह वह दिन था जब ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, स्त्री-पुरुष की दीवारें कुछ समय के लिए ढह जाती थीं। लोग एक-दूसरे को रंग लगाते, गले मिलते और पुराने वैर-भाव भूल जाते थे। रंग यहां केवल भौतिक तत्व नहीं, बल्कि समानता और साझेपन का प्रतीक था। होली का हास्य, फाग और ठिठोली जीवन के तनाव को हल्का करने का सामाजिक उपकरण भी रहा है। किंतु परंपरा और आधुनिकता के बीच के तनाव ने इस उत्सव के स्वरूप को कहीं-कहीं विकृत भी किया है। सामूहिक उत्सवों का मनोविज्ञान व्यक्ति के एकांत व्यवहार से भिन्न होता है। जब व्यक्ति भीड़ का हिस्सा बनता है, तो उसका विवेक कई बार समूह की मानसिकता में विलीन हो जाता है। होली जैसे पर्व में यह प्रक्रिया और तीव्र हो जाती है। रंग, संगीत, नशा और भीड़, ये सभी मिलकर एक ऐसा वातावरण रचते हैं, जिसमें व्यक्ति स्वयं को जवाबदेही से मुक्त समझने लगता है। यही वह बिंदु है, जहाँ उत्सव धीरे-धीरे उन्माद में बदलने लगता है। व्यक्ति वह आचरण करने लगता है, जिसे वह सामान्य परिस्थितियों में गलत मानता। सामूहिक उन्माद का मनोविज्ञान बताता है कि भीड़ में व्यक्ति की पहचान धुंधली हो जाती है। वह "मैं" से "हम" में बदल जाता है, और यह "हम" कई बार अनियंत्रित हो सकता है। होली के दौरान यह उन्माद अक्सर "बुरा न मानो होली है" जैसे वाक्यों के पीछे छिपा दिया जाता है। यह वाक्य परंपरागत रूप से सौहार्द और मज़ाक का संकेत था, लेकिन आज कई बार इसे असहमति को कुचलने के औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। मज़ाक और उत्पीड़न के बीच की महीन रेखा यहीं टूटती है। यहीं से सहमति का प्रश्न जन्म लेता है। किसी पर रंग डालना, पानी फेंकना या स्पर्श करना तब तक उत्सव का हिस्सा है, जब तक वह सामने वाले की इच्छा से हो। जैसे ही यह इच्छा अनदेखी होती है, उत्सव हिंसा का रूप ले लेता है भले ही वह हिंसा शारीरिक न होकर मानसिक या भावनात्मक क्यों न हो। समाज में लंबे समय तक यह मान्यता रही कि होली के दिन सब कुछ "चल जाता है", लेकिन आधुनिक संवेदनशीलता इस धारणा को चुनौती देती है। आज यह प्रश्न अधिक मुखर है कि क्या परंपरा के नाम पर किसी की असहमति को नज़रअंदाज़ किया जा सकता है? विशेषकर महिलाओं के संदर्भ में यह प्रश्न और भी गंभीर हो जाता है। कई स्त्रियों के लिए होली आनंद का नहीं, बल्कि भय और असहजता का दिन बन जाती है। अनचाहा स्पर्श, अश्लील टिप्पणियां और जबरन रंग लगाना, इन सबको सामाजिक स्वीकृति मिल जाती है, क्योंकि इन्हें उत्सव के आवरण में ढक दिया जाता है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत नैतिकता का नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक चेतना का सवाल है। यदि समाज उत्सव के नाम पर असहमति को कुचलता है, तो वह मूलतः अपने ही मानवीय मूल्यों से समझौता करता है। होली और उन्माद का एक पहलू नशे से भी जुड़ा है। भांग और शराब जैसे पदार्थ व्यक्ति के संयम को और कम कर देते हैं। नशे में व्यक्ति अपने व्यवहार के परिणामों के प्रति और अधिक असंवेदनशील हो जाता है। सामूहिक नशा सामूहिक उन्माद को जन्म देता है, जहां किसी एक का गलत आचरण भी पूरे समूह द्वारा सही ठहराया जाने लगता है। इस स्थिति में नैतिकता व्यक्तिगत नहीं रहती, बल्कि भीड़ द्वारा तय की जाती है और यही सबसे खतरनाक स्थिति होती है। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि होली स्वभावतः हिंसक या नकारात्मक पर्व है। वास्तव में होली हमें आईना दिखाती है हमारे समाज के भीतर छिपे उल्लास का भी और हमारी असंवेदनशीलता का भी। यदि हम चाहें, तो होली को फिर से वही बना सकते हैं, जो वह मूलतः थी- रंगों का, रिश्तों का और सम्मान का पर्व। इसके लिए ज़रूरी है कि हम उत्सव को उन्माद से अलग करें और परंपरा को मानवीय मूल्यों के साथ पुनर्परिभाषित करें। जब रंग सहमति से लगेंगे और हँसी किसी की पीड़ा पर नहीं, बल्कि साझे आनंद पर आधारित होगी, तभी होली वास्तव में अपने अर्थ को साकार कर पाएगी।

(लेखिका वरिष्ठ शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सटाका

आज की पाती

विज्ञान वरदान बने, अभिशाप नहीं

28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में विद्यार्थियों और लोगों की विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना भी है। हमारा देश विज्ञान के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरज-चांद तक नए-नए आविष्कार करने की ओर अग्रसर हो गया है। हमारे देश के वैज्ञानिक भी उन देशों से कम नहीं हैं, जो तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में अपने आपको सुपर पावर मानते हैं। अगर सरकारें विज्ञान की पढ़ाई को देश में दुरुस्त करने के लिए गंभीरता दिखाएं तो हमारा देश विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया के सभी देशों को पीछे छोड़ दे। यह प्रश्न भी अहम है कि विज्ञान एक वरदान है या अभिशाप? यह मानव के वश में ही है कि विज्ञान को अभिशाप बनने से रोका जाए। तभी वह वरदान बना रहेगा।

- प्रदीप सोनी, भाटापारा

ट्रेंड

आत्मनिर्भर बनेंगी बेटियां

'मेरी पूंजी, मेरा अधिकार', सहेली स्मार्ट कार्ड और दिल्ली लखपति बिटिया जैसी योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सभी कल्याणकारी योजनाएं दिल्ली की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर समृद्ध दिल्ली के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। **-द्रौपदी मुर्मु,** राष्ट्रपति

तनाव से भारत चिंतित

पश्चिम एशिया में तनाव से भारत चिंतित है। भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। हर समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए। हम इस बात से सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता न केवल हमारे बल्कि पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

घुसपैठिए छीन रहे अवसर

बंगाल के युवाओं को मिलने वाले अवसर घुसपैठिए छीन रहे हैं। राज्य की डेमोग्राफी बदल रही है। टीएमसी ने सीएए के बारे में भी झूठ फैलाया, क्योंकि वे इन घुसपैठियों को बसाना चाहते हैं। टीएमसी की सरकार हर स्तर पर भारतीय संविधान का गला घोंट रही है। **-राजनाथ सिंह,** रक्षा मंत्री

नशे की लत घातक

हम मद्यपान पर नियंत्रण के प्रयासों का पूरा समर्थन करते हैं, क्योंकि नशे की लत परिवार और समाज दोनों के लिए घातक है। शराब के सेवन और निर्माण पर रोक लगाने का विचार सामाजिक दृष्टि से उचित है। इसलिए इस पर रोक लगाई जाए। **-चिराग पासवान,** केंद्रीय मंत्री

करंट अफेयर

नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में मनाई जा रही होली

नेपाल में सोमवार को होली का उत्सव शुरू हो गया और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कहा कि यह त्योहार लोगों को सामाजिक विकृतियों और बुरी प्रथाओं को समाप्त करने के लिए प्रेरित करता है। राष्ट्रपति पौडेल ने देश के पहाड़ी जिलों में मनाए जा रहे रंगों के त्योहार के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। हालांकि, तराई क्षेत्र में यह त्योहार मंगलवार को मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह त्योहार लोगों को सामाजिक विकृतियों और बुरी प्रथाओं को समाप्त करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही देश में सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने में मदद कर सकता है। उत्सव की औपचारिक शुरूआत सात फरवरी को काठमांडू के बसंतपुर दरबार चौक पर 32 फुट से अधिक लंबी बांस की छड़ी 'चिर' की स्थापना के साथ हुयी। रंग-बिरंगे कपड़े छड़ी पर बांधे गए, जो उत्सव के प्रारंभ का प्रतीक था। हालांकि, लोग होली का मुख्य दिन फाल्गुन महीने की पूर्णिमा के दिन मनाते हैं, जो हिंदू पंचांग का एक महत्वपूर्ण महीना है और मुख्य रूप से सर्दियों से वसंत ऋतु में आने का प्रतीक है। सोमवार की आधी रात नेपाल में पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनावों से पहले चुनाव प्रचार का आखिरी दिन भी है।

ऑफ बीट

बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण

यह विकास की एक दुर्भाग्यपूर्ण विचित्रता है कि सब्जियां हमारे लिए बहुत अच्छी हैं लेकिन वे हम सभी के लिए तुरंत स्वादिष्ट नहीं होती हैं। हम उच्च ऊर्जा वाले खाद्य पदार्थों के मीठे या उम्दा स्वाद का आनंद लेने के लिए विकसित हुए हैं, क्योंकि भुखमरी दीर्घकालिक स्वास्थ्य की तुलना में अधिक तात्कालिक जोखिम है। सब्जियाँ विशेष रूप से उच्च ऊर्जा वाली नहीं होती हैं, लेकिन वे आहार फाइबर, विटामिन और खनिजों और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले यौगिकों से भरपूर होती हैं जिन्हें बायोएक्टिव कहा जाता है। ये बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण बनते हैं। पादप बायोएक्टिव, जिन्हें फाइटोन्यूट्रिएंट्स भी कहा जाता है, पौधों द्वारा पर्यावरणीय तनाव और शिकारियों से खुद को बचाने के लिए बनाए जाते हैं। वही चीज़ें जो पौधों के खाद्य पदार्थों को कड़वा बनाती हैं, वही चीज़ें उन्हें हमारे लिए अच्छा बनाती हैं। दुर्भाग्य से, कड़वा स्वाद हमें जहरों से और संभवतः एक ही पौधे को अधिक खाने से बचाने के लिए विकसित हुआ, तो एक तरह से, पादप खाद्य पदार्थों का स्वाद जहर जैसा हो सकता है। हममें से कुछ के लिए, यह कड़वी अनुभूति विशेष रूप से तीव्र है, और दूसरों के लिए यह इतनी बुरी नहीं है। यह आंशिक रूप से हमारे जीन के कारण है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

बंगाल में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का ऐलान

सत्ता में आने पर स्थानीयों को मिलेंगे उनके अधिकार, इस्लामपुर होगा ईश्वरपुर

नवीन ने दावा किया कि अगर चुनाव आयोग 50 लाख बांग्लादेशियों के नाम मतदाता सूची से नहीं हटाता, तो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ घुसपैठियों को मिलता। यह राज्य के वास्तविक लाभार्थियों के साथ अन्याय होता है। समय आ गया है अब जनता सजा दे

एजेंसी ▶▶ इस्लामपुर

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने के बाद इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया जाएगा। नवीन इस्लामपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा बांग्लादेशियों को युवाओं-माताओं के अधिकार छीनने की इजाजत नहीं देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों की वजह से राज्य के स्थानीय लोगों के हक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता बेनर्जी ने बंगाल के युवाओं को बेरोजगारी के अंधकार में धकेल दिया है। अब समय आ गया है कि जनता उन्हें इसके लिए सजा दे।

स्थानीय लोगों के हक प्रभावित कर रहे हैं घुसपैठिए

ममता ने युवाओं को बेरोजगारी के अंधकार में धकेला

सीमा पर बाड़ लगाने जमीन नहीं दे रहीं ममता

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है, क्योंकि सीएम ममता बेनर्जी देश के नागरिकों की सुरक्षा नहीं करना चाहतीं। नवीन ने दावा किया कि अगर चुनाव आयोग 50 लाख बांग्लादेशियों के नाम मतदाता सूची से नहीं हटाता, तो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ घुसपैठियों को मिलता। उन्होंने कहा कि यह राज्य के वास्तविक लाभार्थियों के साथ अन्याय होता।

ममता घुसपैठियों को बचा रही

नबीन ने कहा कि चुनाव आयोग ने जिन लोगों के नामों की पहचान की है और जिन्हें हटाया गया है, उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी तरह के कानून के तहत की जाएगी। घुसपैठियों को बचाने की कोशिश में ममता ने काली पोशाक पहनकर सुप्रीम कोर्ट में दलील दी और अब उनके समर्थन में धरना देने की बात कर रही हैं।

नबीन से मिले गोरखा नेता

गोरखालैंड की पुरानी मांग दोहराई

सिलीगुड़ी के कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष नितीन नबीन

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले गोरखा समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से सिलीगुड़ी में मुलाकात कर अलग गोरखालैंड राज्य की पुरानी मांग दोहराई। साथ ही यह भी कहा कि यदि अलग राज्य संभव नहीं है तो उत्तर बंगाल को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया जाए। बैठक में दार्जिलिंग से भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राजू बिष्ट और भाजपा विधायक नीरज जिम्बा भी मौजूद थे।

स्थाई समाधान निकालेंगे

सांसद राजू बिष्ट ने कहा कि गोरखा समाज की पीड़ा को सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संवाद के जरिए समाधान में विश्वास करती है और यदि 2026 में राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो पहाड़ की समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। सांसद के रूप में वे गोरखा समाज के साथ मजबूती से खड़े हैं।

खबर संक्षेप

3 बच्चों के शव मिलने के बाद मां ने दी जान

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के वजीरपुर उपखंड के मीना बड़ौदा गांव में सोमवार को

एक घर में बने पानी के टैंक में तीन बच्चों के शव मिले, जिसके बाद उनकी मां ने एक ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। पुलिस उपाधीक्षक गिर्राज मीना ने बताया कि घटनाक्रम में गृह क्लेश का मामला सामने आया है।

शबरिमला सोना चोरी में जमानत याचिका खारिज

कोल्लम। केरल के कोल्लम की एक अदालत ने शबरिमला सोना चोरी की घटना से संबंधित दो

मामलों में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के एक पूर्व सदस्य की जमानत याचिकाएं सोमवार को निरस्त कर दी। न्यायाधीश मोहित सीएस ने के.पी. शंकर दास की चिकित्सकीय रिपोर्ट की जांच के बाद ये याचिकाएं खारिज कर दीं।

1एक्सबेट की 37 करोड़ संपत्ति ईडी ने जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुख्यालय, नई दिल्ली ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी

प्लेटफॉर्म 1एक्सबेट के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लगभग 18.10 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है।

यूट्यूबर सलीम पर हमला करने वाला ढेर

गाजियाबाद। यूट्यूबर सलीम वास्तिक की गला रेतकर हत्या का प्रयास करने वाले दो कट्टरपंथियों में

से एक पुलिस ने रविवार की रात लोनी थाना क्षेत्र में एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मारे गए बदमाश पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं इस पुलिस ऑपरेशन में दो पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हो गए हैं।

चुनावी सरगर्मी: केंद्रीय मंत्री शाह ने टीएमसी और सीएम ममता पर जमकर हमला बोला

'तुष्टिकरण' से विकास पूरी तरह रुका 8 लाख करोड़ के कर्ज में डूबा राज्य

शाह ने मदरसों को मिलने वाली आर्थिक मदद पर भी सवाल खड़े किए

शाह ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना है। भाजपा पश्चिम बंगाल में भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर विकास का नया दौर शुरू करना चाहती है

एजेंसी ▶▶ दक्षिण 24 परगना

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने दक्षिण 24 परगना में एक जनसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नीतियों और सीएम ममता बेनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण से राज्य का विकास नहीं हो सकता। शाह ने दावा किया कि राज्य 8 लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है। शाह ने मदरसों को मिलने वाली आर्थिक मदद पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने दूसरे राज्यों के विपक्षी दलों की सियासत पर भी हमले बोले। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर घुसपैठियों को राज्य से बाहर किया जाएगा और सीमा वाले राज्य की सुरक्षा मजबूत की जाएगी। किसी भी हिंदू शरणार्थी की नागरिकता नहीं छीनी जाएगी।

ममता की रुचि अपने भतीजे को सीएम बनाने में

भ्रष्टाचारी पूर्व डीजीपी को राज्यसभा भेजा जा रहा

7वें वेतन आयोग के अनुसार कर्मचारियों को वेतन देंगे

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह

बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराएंगे

शाह ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना है। भाजपा पश्चिम बंगाल में भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर विकास का नया दौर शुरू करना चाहती है। शाह ने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य का विकास प्रभावित हुआ है और बंगाल की स्थिति लगातार खराब हुई है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सत्ता में आने पर राज्य सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन

ममता की विकास में रुचि नहीं

अमित शाह ने कहा कि अगर गलती से फिर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो सरकार ममता बेनर्जी नहीं बल्कि उनके 'भतीजे' द्वारा चलाई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बेनर्जी राज्य के विकास में रुचि नहीं रखतीं और सिर्फ अभिषेक बेनर्जी को सीएम बनाना चाहती हैं। पूर्व डीजीपी राजीव कुमार को राज्यसभा भेजा जा रहा है, जिनके कार्यकाल में बंगाल में भ्रष्टाचार बढ़ा।

बंगाल में 480 कंपनियों की होगी तैनाती

चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निर्वाचन आयोग ने केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती का अंतिम खाका जारी कर दिया है।

दूसरे चरण की तैनाती के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 480 कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से तैनात किया जा रहा है। आयोग के अनुसार 10 मार्च से कई जिलों में अतिरिक्त कंपनियां सक्रिय हो जाएंगी। पहले चरण में 280 कंपनियां पहले ही राज्य के अलग-अलग जिलों में तैनात की जा चुकी हैं। अब शेष 280 कंपनियों का भी जिला-वार आवंटन तय कर दिया गया है। राज्य में सबसे अधिक केंद्रीय बलों की तैनाती उत्तर 24 परगना में की जा रही है। यहां तीन पुलिस जिलों और दो पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्रों को मिलाकर 10 मार्च से कुल 58 कंपनियां तैनात होंगी।

टीएमसी का बड़ा दांव

84 एससी-एसटी सीटों पर 'तपशिलीर संगलाप' अभियान

टीएमसी ने राज्य की 84 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसी) वाली विधानसभा सीटों पर अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी की है। इसके लिए 60 दिनों का एक विशेष जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रही है। पार्टी ने भाजपा पर राज्य का फंड रोकने और पिछड़े समुदायों का अपमान करने का भी आरोप लगाया है।

अभिषेक बेनर्जी

5 मार्च से गांवों और बूथों तक पहुंचेगे

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बेनर्जी ने बताया कि 'तपशिलीर संगलाप' नाम का यह अभियान होली के बाद 5 मार्च से शुरू होगा। टीएमसी की टीमें विशेष वाहनों से लक्षित विधानसभा क्षेत्रों के गांवों और बूथों तक पहुंचेंगी।

महाराष्ट्र के पालघर में ओलियम गैस लीक

फैला धुंआ, सड़कों पर बेहोश हुए लोग, 2 किमी तक असर

आसपास की फैक्ट्रियां खाली कराईं

आपदा प्रबंधन टीमें मौके पर पहुंची

गैस लीक से सड़कों पर प्रभावित पीड़ित

एजेंसी ▶▶ पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रासायनिक यूनिट से दोपहर को ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ। गैस लीक शुरू होते ही कंपनी के कर्मचारी जान बचाकर बाहर भागने लगे। आसपास की अन्य इकाइयों से करीब 2600 कामगारों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया। कई लोग सड़क पर ही बेहोश होते हुए दिखाई दिए, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि एमआईडीसी डी-जोन क्षेत्र में स्थित भागेरिया केमिकल्स कंपनी (पूर्व में जेनिथ केमिकल्स के नाम से जानी जाती थी) की इकाई से जहरीली गैस का रिसाव हुआ, जिसके चलते जिला प्रशासन और आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत कार्रवाई की।

दोपहर 2 बजे शुरू हुआ रिसाव

जानकारी के अनुसार, गैस लीकेज दोपहर करीब 2 बजे उस टैंक/सिस्टम से शुरू हुआ जिसमें ओलियम भरा था। दरअसल ओलियम हवा के संपर्क में आते ही सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य सल्फर ऑक्साइड में बदल जाता है, जिसके कारण क्षेत्र में घने धुएं के बादल फैलने लगे। लीक के समय हवा पश्चिम से पूर्व दिशा में बह रही थी, जिससे गैस तेजी से दूर तक पहुंच गई। इसका प्रभाव 2 किलोमीटर के दायरे तक महसूस किया गया। गैस के संपर्क में आए लोगों में घबराहट फैल गई। उन्होंने लाल आंख और तेज जलन, गले में खराश, सूखापन और सांस लेने में मुश्किल, सीने में जलन, मितली और घबराहट जैसी स्थिति बताई।

लोगों में दहशत का माहौल

स्थानीय निवासियों और कामगारों में घबराहट का माहौल रहा। खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचे और लीकेज बंद करने की कोशिशें की गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर टेंडर, आपदा प्रबंधन टीमें और प्रशासन मौके पर पहुंच गया। ओलियम गैस को रोकने और टैंक को सुरक्षित करने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

आबकारी मामला: सीबीआई की दलील

केजरीवाल सहित अन्य को बरी करने का कोर्ट का आदेश अवैध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और

अन्य को बरी करने वाले विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए, सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि यह आदेश अभियोजन पक्ष के मामले की चुनिंदा व्याख्या पर आधारित था, जिसमें आरोपियों की संलिप्तता दर्शाने वाली सामग्री को नजरअंदाज किया गया था, और यह 'स्पष्ट रूप से अवैध' था। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी 974 पृष्ठों की याचिका में, सीबीआई ने कहा कि विशेष न्यायाधीश ने अनिवार्य रूप से एक संक्षिप्त सुनवाई की, जिसमें आरोपियों के कार्यों का समग्र रूप से आकलन करने के बजाय साजिश के अलग-अलग पहलुओं से अलग-अलग निपटा गया। इस आदेश को 'विकृत बताते हुए एजेंसी ने कहा कि इसमें 'स्पष्ट त्रुटियां' हैं, यह तथ्यों की 'गलत व्याख्या' पर आधारित है।

तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर दीपम विवाद

स्टालिन बोले- व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकाया

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन ने तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर में

दीप प्रज्वलन विवाद पर राज्य सरकार के रुख का बचाव करते हुए कहा है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। सीएम की यह टिप्पणी पीएम नरेंद्र मोदी के रविवार को तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करने के बाद आई है। स्टालिन ने एक मार्च को अपने 73वें जन्मदिन पर जारी एक वीडियो में कहा कि उनकी सरकार ने तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक पत्थर के स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाने के विवाद पर अपने रुख का बचाव किया है। सीएम के रूप में उन्होंने मंदिर की परंपरा की रक्षा करने का विकल्प चुना, न कि एक धार्मिक नेता के रूप में। स्टालिन ने संदेश में कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए।

केरल में 'मंजल कुली', हल्दी के पानी की होली

कोच्चि। केरल में सोमवार को मंजल कुली होली उत्सव मनाया गया, जिसे हल्दी स्नान होली भी कहा जाता है। यह केरल में कोंकणी समाज द्वारा मनाया जाने वाला खास त्योहार है। इस दिन हल्दी का उपयोग शरीर और मन की शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। यह हर साल फाल्गुन महीने की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। मुख्य आयोजन गोश्रीपुरम थिरुमा में स्थित कोंकणी मंदिर में होता है।

स्टडी इन इंडिया एजु-डिप्लोमैटिक एन्क्लेव 2026 में शिक्षा मंत्री बोले

नई शिक्षा नीति से वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में भारत की स्थिति हुई मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि वर्ष 2047 तक, जब देश आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है। भारत की ताकत उसकी युवा आबादी है। बड़ी संख्या में युवा पढ़ रहे हैं, नए विचार ला रहे हैं और नई तकनीक पर काम कर रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में आयोजित स्टडी इन इंडिया एजु-डिप्लोमैटिक एन्क्लेव 2026 में बोल रहे थे। यहां उन्होंने 50 से अधिक देशों के राजनयिकों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि सरकार चाहती है कि दुनिया के बड़े विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलें। इसके लिए नियम बनाए गए हैं ताकि प्रक्रिया साफ और समय पर पूरी हो।

भारत वैश्विक शैक्षणिक केंद्र बन रहा

धर्मेंद्र प्रधान

शिक्षा मंत्री ने विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों से भारत की तेजी से विकसित हो रही, नवाचार-आधारित शिक्षा प्रणाली के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ पढ़ाई करने की जगह नहीं, बल्कि एक बड़ा शैक्षणिक केंद्र बन रहा है।

युवाओं के कौशल पर जोर

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 आने के बाद देश की पढ़ाई का ढंग बदल गया है। अब छात्रों को केवल किसी एक विषय तक सीमित रहने की जरूरत नहीं है। छात्र एक साथ अलग-अलग विषय पढ़ सकते हैं। युवाओं के कौशल पर भी जोर दिया जा रहा है, यानी पढ़ाई ऐसी हो जो सीधे तौर पर भविष्य में काम आए। शिक्षा से सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि काम करने की क्षमता भी मिले।

राष्ट्रपति मुर्मू 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में हुईं शामिल

होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर योजना का किया शुभारंभ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली सरकार की लखपति बिटिया योजना, होली–दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड और बेटियों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) हस्तांतरण का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रपति ने यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। सैनिक के रूप में वे देश की सीमाओं की रक्षा कर रही हैं। वैज्ञानिक के रूप में प्रयोगशालाओं में शोध कर रही हैं। खेल प्रतिस्पर्धाओं में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का तिरंगा लहरा रही हैं।

खास बातें

- बेटियों के खाते में भेजे गए रुपए
- सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड भी दिए

सपने देखिए, कल संवारिए

दिल्ली लखपति बिटिया योजना का शुभारंभ करती राष्ट्रपति मुर्मू

सीएम ने कहा कि दिल्ली की नारी शक्ति को अवसर, सुरक्षा और सम्मान मिलेगा, आज का दिन यही संदेश देगा। नारी शक्ति ही विकसित दिल्ली की नई पहचान बनेगी। उन्होंने बहनों, माताओं और प्यारी बेटियों को शुभकामनाएं दी। कहा कि सपने देखिए, अपना कल संवारिए, हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ है।

नारी के सम्मान का संकल्पः सीएम

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के इतिहास में नारी शक्ति के नाम एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। यह केवल योजनाओं का शुभारंभ नहीं है। यह सम्मान का संकल्प है। यह विश्वास का विस्तार है। यह उस शक्ति का अभिनंदन है, जो हर घर की धुरी है, हर परिवार की ताकत है। जब बेटी सशक्त होती है, परिवार सशक्त होता है।

महिलाओं को प्रोत्साहन एवं सहयोग देना हमारा कर्तव्य

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उनको प्रोत्साहन एवं सहयोग देना, हम सबका कर्तव्य है। हमें अपनी बेटियों को यह विश्वास दिलाना है कि वे सपने देखने और उन्हें पूरा करने की क्षमता रखती हैं तथा हम उनके सपनों को साकार करने में उनके साथ खड़े हैं। यदि महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित, और आत्मनिर्भर होंगी, हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व प्रदान करेंगी तब पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाएगा।

देर रात तक होलिका प्रतिमाओं का दहन

कहीं समस्या युक्त तो कहीं प्रदूषण मुक्त होली जली

जबलपुर।

रंगों का अलमस्त त्यौहार होलिकोत्सव पर शहर में स्थापित की गई सैकड़ों होलिका प्रतिमाओं का रविवार की रात दहन किया गया। अनेक स्थानों पर एक दिन पूर्व ही होलिका स्थापित कर दी गई थी। शाम ढलते ही बाजार गुलजार हो गये थे लोगों ने रंग पिचकारी मेवा मिष्ठान की खरीदी की और इसके बाद रात नौ बजे के बाद सड़कों पर होली के हुलियारे शराब के नशे में मदमस्त होकर हुड़दंग मचाने लगे थे। खासकर जहां पर होलिका प्रतिमाएं रखी गई थी वहां डीजे साउंड लगाकर हुलियारे नाचते गाते रहे। रात 10 बजे के बाद पुलिस ने सख्ती प्रारंभ की। जिला दण्डाधिकारी द्वारा त्यौहारों एवं मद्देनजर प्रतिबंधात्मक धारा 163 लागू कर दी गई थी जिससे पुलिस ने रात 11 बजे के बाद होलिका प्रतिमाओं का दहन प्रारंभ करवा दिया था। इक्का-दुक्का स्थानों को छोड़कर सभी

मुख्य मार्ग पर रखी गई होलिका प्रतिमाओं का दहन रात 12 बजे तक कर दिया गया। वैसे भी होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात 1 से 2 बजे तक था लेकिन शांति समिति की बैठक में होलिका दहन की समय सीमा रात 11 बजे तय की गई थी। लिहाजा पुलिस ने 11 बजे से होलिका दहन कराने के लिए दबाव बनाना प्रारंभ कर दिया था। तमाम प्रतिबंध के बावजूद गली कूचों और कालोनियों में डीजे साउंड बजते रहे। छुटपुट घटनाओं को छोड़कर आमतौर पर शांतिपूर्ण माहौल में होलिका प्रतिमाओं का दहन किया गया। पुलिस ने लगातार पेट्रोलिंग की और फिक्स प्वाइंटों पर चहल कदमी करते रहे।

होली पर भी छाया महंगाई बेरोजगारी का साया

बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक होलिकोत्सव पर इस बार महंगाई और बेरोजगारी का साया छाया रहा। एक तरफ बाजारों में मंदी छायी रही वहीं होलिका प्रतिमाओं को कहीं मंहगाई के प्रतीक में कहीं बेरोजगारी के प्रतीक में कहीं पर्यावरण संरक्षण का संदेश की झांकी के रूप में स्थापित किया गया था। हालांकि गत वर्ष के मुताबिक इस वर्ष होलिका कम रही, अधिकांश स्थानों पर भूसा, कंडे, लकड़ी एकत्रित कर होलिका के रुप में जलाई गई।

धुरेडी पर ग्रहण ने बनाए असमंजस के हालात

आज और कल भी होगी रंगों की बौछार

जबलपुर। रंगों का मदमस्त रंग रंगीला त्यौहार होली इस साल चंद्रग्रहण के फेर में फस गया। पंचाग के मुताबिक धुरेडी आज है तो वहीं ज्योतिषी के मुताबिक धुरेडी 4 मार्च बुधवार को मनाई जाएगी। लिहाजा धुरेडी को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है लेकिन ज्यादातर लोग परंपरानुसार आज धुरेडी मनाने का आतुर है। जो लोग ग्रहण को मान रहे है वे कल होली मनायेंगे। बहरहाल होली के रंगों को लेकर लोगों का यह भी तर्क है कि ग्रहण पूजन पाठ भोजन आदि पर निषिद्ध होता है रंग और अबीर समरसता का प्रतीक है उन्हें कभी भी लगाया व खेला जाता है। वैसे भी पिछले कुछ वर्षों से होली का यह मदमस्त त्यौहार अराजक तत्वों ने उत्पात मचाकर बदरंग बनाने की कोशिशें कीं जिससे यह त्यौहार धीरे-धीरे परंपरागत से हटकर औपचारिक होकर रह गया है। अब नन्हे-मुन्ने बच्चे ही उत्साह और उमंग के साथ रंग गुलाल उड़ाते हैं। बाजारों में पिचकारी और टीशर्ट भी खूब बिकी। होली की हुड़दंग करने की परंपरा पुरानी रही है, लेकिन इस हुड़दंग में आत्मीयता, अपनापन और सद्भावना नहीं रह गई। संस्कारों के इन रंगों में लुच्चे, लफंगों ने राग द्वेष घोल कर होली के रंगों से लोगों के दिमाग पर भय और कुंठा के भाव घोल दिये हैं। यही वजह है, कि अब होली के इस मदमस्त त्यौहार पर संभ्रांत परिवारों के लोग घरों से नहीं निकलते। कालोनियों में जरूर लोग टोलियां बनाकर शांत वातावरण में मौज मस्ती के साथ रंगों का त्यौहार मना लेते हैं।

दीना भाना वाल्मीकि जयंती पर सामाजिक एकता का संदेश

जबलपुर। वाल्मीकि समाज जबलपुर के तत्वावधान में तथा अध्यक्ष रूप किशोर चौहान के निर्देशन में महान समाज सुधारक एवं बहुजन चेतना के अग्रदूत दीना भाना वाल्मीकि की जयंती महर्षि वाल्मीकि चौक पर श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा एवं विभिन्न सामाजिक बंधुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। वक्ताओं ने दीना भाना वाल्मीकि के संघर्षमय जीवन, सामाजिक जागरण, शिक्षा प्रसार और स्वाभिमान की चेतना जगाने में उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। समारोह के दौरान शिक्षा, संगठन एवं सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा उन्नति का मार्ग, संगठन समाज की शक्ति और सतत संघर्ष परिवर्तन का आधार है। इस अवसर पर दिनेश, राजेंद्र पथरोल, बलराम सपेरा, धर्म दास बघेल, गोविंद डागोर, शंभू कच्छवाहा, राजेश मट्टू, जीत विजय मेहरोलिया, अमित सुलेमान, रविकांत डागोर, रवि बोहत, राजकुमार सपेरा, रामकुमार पासी, एडवोकेट देवकरण चंदेल, भगवान दास शेरशाहोंतरे, नीरज तामोर, अखिलेश करोसिया, गौतम गिल, राजेश खरा, रमेश भट्टी, लखन सिंह पनवार, एडवोकेट अनिल बाबरिया, एडवोकेट त्रिलोक सोनकर, देवी प्रसाद गोंडाले, अनिमेष मट्टू, अजीत रुसा, संध्या आरती चौहान, शकुन कच्छवाहा, आरती सिंहोते सहित अनेक सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

बच्चों को उपहार देकर मनाया होली पर्व

जबलपुर। होली के पावन पर्व पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी होलिका दहन की पूर्व संध्या पर आशीष शुक्ला के द्वारा वार्ड नंबर 71 तेवर नई बस्ती में छोटे-छोटे बच्चों के साथ होली मनाई गई, जिसमें सैकड़ों बच्चों को पिचकारी, रंग, गुलाल, टोपी और खिलौने वितरित किये गए जिसमें मुख्य रूप से भेड़ाघाट मंडल के उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, जिला सह संयोजक डॉ. सचिन बुधौलिया, डॉ. लोकेन्द्र सिंह यादव, जयंत चौबे, अभिषेक तिवारी और शक्ति शुक्ला उपस्थित हुए। बस्ती के सभी लोगों ने इस पर हर्ष व्यक्त किया।

गुलाल उड़ाते निकली पंचकोषी परिक्रमा

धर्म : संकीर्तन मंडलों ने किया नर्मदे हर का उद्घोष

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में माघ पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार की सुबह 5 बजे से 500 वी नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा भेड़ाघाट में विभिन्न संकीर्तन मंडलों के साथ में निकाली गई। संतो ने कहा जो भक्त पूरी परिक्रमा नहीं कर पाते वह पंचकोषी परिक्रमा करके पुण्य लाभ कमाते हैं भक्त हाथों में गुलाल फूल लेकर एक दूसरे को लगाते हुए नर्मदे हर का उद्घोष करते हुए निकले ज्ञात हो पंचकोषी परिक्रमा कई वर्षों से निकाली जा रही है। परिक्रमा का नेतृत्व संघ प्रचारक अमित दवे लोक सेवा आयोग मध्य प्रदेश के सदस्य डॉ नरेंद्र कोष्टी बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल के सानिध्य में निकाली गई। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज ने बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण प्रसाद स्वरूप वितरण किया। नर्मदा पंचकोषी का पंचवटी 64

योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन लम्हेटाघाट नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सिद्धन माता जी के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल श्याम मनोहर पटेल श्रीमती मीना पटेल विनोद दिवान दुर्गा पटेल पप्पू चौबे मनोज गुलाबवानी गुड्डू नेता विनोद विश्वकर्मा शिवकुमार पटेल सेवकराम दहिया राजकुमार गुड़गांवा आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति ने पूर्णिमा पर आयोजित किया भंडारा

जबलपुर। अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति द्वारा प्रत्येक माह की पूर्णिमा पर आयोजित किए जाने वाले विशाल भंडारे की श्रृंखला में फाल्गुन मास की पूर्णिमा पर सीताराम आश्रम भेड़ाघाट स्थित सरस्वती घाट में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम महंत बालयोगी कृष्णदास महात्यागी एवं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा संस्थापक संकीर्तनाचार्य पंडित मनमोहन दुबे महाराज के सानिध्य में प्रातः 8 बजे से प्रारंभ हुआ। हजारों की संख्या में मां नर्मदा के भक्तों ने सहभागिता की। कार्यक्रम अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि पूर्णिमा के पावन अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में मां नर्मदा के बीज मंत्र "ॐ ह्रीं श्रीं नर्मदायै नमः" का जाप करने से जीवन के संकट दूर होकर सुख-शांति एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है। आयोजन में सर्वप्रथम मां नर्मदा की आरती एवं पूजन-अर्चन कर भोग अर्पित किया गया, तत्पश्चात विशाल भंडारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा सहित दुर्गेश कुमार, रोहित पटेल, प्रमोद पटेल, अशोक पटेल, नितिन चौबे, लालजी पटेल, मनोहर विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, दीपक तिवारी, विनोद विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, छन्नू राम पटेल, चंद्र कुमार पटेल, नरेश गुजराती, प्रभाकर चतुर्वेदी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

तक्षशिला इंजीनियरिंग कॉलेज में मनाया गया होली पर्व

जबलपुर। तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस जबलपुर के प्रांगण में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी होली महोत्सव 02 मार्च को मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीकृष्ण एवं राधा रानी के मनोहारी स्वरूप की पूजा-अर्चना से किया गया। प्रबंधन समिति द्वारा विधिवत पूजा के पश्चात श्रीकृष्ण एवं राधारानी पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त प्राध्यापकगण एवं स्टाफ ने होली महोत्सव का पर्व पारंपरिक गणवेश में मनाया, छात्रों ने अध्यापकों को तिलक लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमेन आरएन पहारिया, शरद कुमार गुप्ता, शरद जैन एवं सोसायटी के अन्य सदस्य सहित प्राचार्य डॉ. बीके साहू, डॉ. आईके खन्ना एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे एवं सभी ने होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

तक्षशिला इंस्टीट्यूशंस में हुए टचस्टोन प्रा.लि. के ओपन कैम्पस में 20 छात्र चयनित

जबलपुर। तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में बीटेक, पॉलीटेक्निक डिप्लोमा एवं एमबीए के छात्रों हेतु टचस्टोन प्रा.लि. द्वारा ओपन कैम्पस आयोजित किया गया। छात्रों ने प्लेसमेंट वार्ता, एप्टीट्यूड टेस्ट, लिखित परीक्षा दी तथा उत्तीर्ण छात्रों का साइकोमैट्रिक टेस्ट तथा फाइनल साक्षात्कार होने के पश्चात 20 छात्रों का चयन हुआ, जिनका जॉब लोकेशन जबलपुर होगा। टचस्टोन के एचआर हर्ष चौरिसया ने बताया कि सभी चयनित छात्रों को ट्रेनी के पद पर नियुक्ति दी जाएगी।चयनित छात्रों को संस्था के चेयरमेन आरएन पहारिया, शरद कुमार गुप्ता, शरद जैन, प्राचार्य डॉ. बीके साहू, डॉ. आईके खन्ना, प्राचार्य डॉ. बीके साहू ने बधाई दी। कैम्पस को सफल बनाने में डॉ. नितिन गौर, प्रो. गुरवानी कौर पदम, प्रो. पलक पैगवार का विशेष योगदान रहा।

पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

जबलपुर।

थाना आधारताल क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मारपीट, लूट एवं जान से मारने की कोशिश करने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई एवं सुरक्षा की मांग की है। आवेदिका साधना रैकवार (40 वर्ष), पति बिहारी रैकवार, निवासी खेरमाई मंदिर अमखेरा, थाना आधारताल, ने बताया कि 28 फरवरी 2026 की रात लगभग 11 बजे होली की साफ-सफाई के दौरान सुरेन्द यादव उर्फ डेलन, जितेन्द्र यादव, सुशील यादव, राजू यादव एवं अन्य 5-6 लोगों ने घर में घुसकर लोहे की रॉड व डंडों से हमला कर दिया। हमले में उनके पति बिहारी रैकवार के सिर में गंभीर चोट

आई तथा जेब में रखे 5,500 रुपये निकाल लिए गए। आवेदिका के अनुसार आरोपियों ने गाली-गलौज की और भांजे सौरभ रैकवार पर पत्थर से हमला कर उसे घायल कर दिया। बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने महिला के साथ भी अभद्रता की तथा कपड़े फाड़ने का प्रयास किया। घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड होने का दावा किया गया है। घटना के बाद घायल बिहारी रैकवार को उपचार हेतु छोटी विक्टोरिया से बड़ी विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां सिर में टांके लगाए गए। आवेदिका का आरोप है कि पुलिस ने गंभीर चोट के बावजूद साधारण धाराओं में मामला दर्ज किया है तथा उचित कार्रवाई नहीं की गई। आरोपियों द्वारा समझौता न करने पर झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी भी दी जा रही है। आवेदिका ने पुलिस अधीक्षक से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

राधे-राधे से गूंजी गली-गली

जबलपुर। फाल्गुनी पूर्णिमा को श्री चैतन्य महाप्रभु का प्राकट्य हुआ था। श्री चैतन्य महाप्रभु जन्मोत्सव पर नव दिवसीय प्रभातफेरी और पूर्णिमा को श्री गौरांग हरि का अभिषेक, सुन्दर काण्ड पाठ हुआ। इस अवसर पर हरे राम संकीर्तन यात्रा निकाली गई। गली गली में राधे रोध, होली खेल रहे बांके बिहारी की धुन सुनाई दी। भक्तों ने पुष्प वर्षा कर लड्डू गोपाल, श्री चैतन्य महाप्रभु की पूजा अर्चना की। यात्रा पर स्वामी गिरिजानंदन महाराज, पार्षद प्रतिभा भापकर, पार्षद वर्षा सेन, संतोष अग्रहरि सत्य प्रकाश सराफ देवव्रत सोनी आदि शामिल रहे।

खुले में बिक रहे मिलावटी बटर और एक्सपायरी उत्पाद जप्त कर किए नष्ट

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार राजस्व विभाग और खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने शहपुरा स्थित कान्हा डेरी में मिलावटी और खुले में बिक रहे खाद्य पदार्थों की जांच की। कार्यपालिक दंडाधिकारी श्रीमती मौसमी केवट के नेतृत्व में किए गए निरीक्षण में बिना आउटर कवर रखे गए नामी कंपनी के बटर के पैकेट बरामद हुए। मौके पर ही पाँच सौ ग्राम के 17 पीस और सौ ग्राम के 11 पीस बटर को नष्ट किया गया। साथ ही एक्सपायरी डेट के पाए जाने पर सुहाना कसूरी मेथी के 9 पैकेट और

सुहाना शाही पनीर के 12 पैकेट का भी विनष्टिकरण किया गया। निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता सहित संयुक्त दल मौजूद था। इस कार्रवाई का उद्देश्य मिलावटी और खराब उत्पादों के खुली बिक्री पर रोक लगाना तथा नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/246
दिनांक:- 26/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीना दुआ पति स्व. श्री विजय कुमार दुआ ने मकान नं. 887/GF/S/G-07 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 252 व.फु. शपथपत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/247
दिनांक:- 26/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीना दुआ पति स्व. श्री विजय कुमार दुआ ने मकान नं. 887/GF/S/G-07 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान प्रथमतल 252 व.फु. शपथपत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/248
दिनांक:- 26/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हरीश रोहरा पिता स्व. श्री सच्चानंद रोहरा ने मकान नं. 193,194 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 1210 व.फु., प्रथमतल 1210 व.फु., द्वितीय तल 1210 व.फु. शपथपत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/250
दिनांक:- 02/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सरबजीत सिंह मोखा पिता स्व. श्री एम.एस. मोखा ने मकान नं. 1417 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 875+250 व.फु., प्रथम तल 250 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/251
दिनांक:- 02/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सरबजीत सिंह मोखा पिता स्व. श्री एम.एस. मोखा ने मकान नं. 1415 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 525+375 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/252
दिनांक:- 02/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सरबजीत सिंह मोखा पिता स्व. श्री एम.एस. मोखा ने मकान नं. 1419,1420 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 1250 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/253
दिनांक:- 02/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सरबजीत सिंह मोखा पिता स्व. श्री एम.एस. मोखा ने मकान नं. 1418 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 1293 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/254
दिनांक:- 02/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सरबजीत सिंह मोखा पिता स्व. श्री एम.एस. मोखा ने मकान नं. 1416 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 880 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/249
दिनांक:- 26/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्रीमती रूमा दास गुप्ता पति स्व. श्री अभिजीत दास गुप्ता (2)श्री नयन दास गुप्ता पिता स्व. श्री अभिजीत दास गुप्ता ने मकान नं. 943 / एसएफएफ-4 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती द्वितीय तल 940 व.फु. शपथपत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

यहां विधवा महिलाएं भी खेलती हैं खुलकर होली, कोई नहीं कर सकता रोक-टोक

रंगों का त्योहार होली पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन वृंदावन में इससे जुड़ी एक खास परंपरा ने समाज की सोच को बदलने का काम किया है।

रंगों का त्योहार होली पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन वृंदावन में इससे जुड़ी एक खास परंपरा ने समाज की सोच को बदलने का काम किया है।

वृंदावन। यहां अब विधवा महिलाएं भी खुलकर होली के उत्सव में भाग लेती हैं और फूलों व रंगों से त्योहार मनाती हैं। जो महिलाएं पहले सामाजिक नियमों के कारण त्योहारों से दूर रखी जाती थीं, वे अब दोबारा खुशियों के साथ जीवन का उत्सव मना रही हैं। वृंदावन में विधवाओं की होली मनाने की शुरुआत औपचारिक रूप से वर्ष 2013 में हुई थी। इस पहल को सुलभ इंटरनेशनल ने आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मान और खुशी लौटाना था, जो लंबे समय से सामाजिक परंपराओं के कारण अकेलेपन और उपेक्षा का जीवन जी रही थीं।

उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मान और खुशी लौटाना था, जो सामाजिक परंपराओं के कारण अकेलेपन और उपेक्षा का जीवन जी रही

सदियों पुरानी सोच को चुनौती

दरअसल, पीढ़ियों से देश के कई हिस्सों में विधवाओं को रंगीन कपड़े पहनने या त्योहारों में शामिल होने से रोका जाता था। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे सादगी और विरक्ति का जीवन बिताएं। वृंदावन की इस होली ने सदियों पुरानी सोच को चुनौती दी। पहली बार विधवा महिलाओं ने गुलाल लगाया, रंग-बिरंगी साड़ियां पहनीं और दूसरों की तरह उत्सव में शामिल होकर समाज को एक नई दिशा दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट ने विधवाओं की कठिन परिस्थितियों पर व्यक्त की थी चिंता

साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने वृंदावन में रहने वाली विधवाओं की कठिन परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की थी। इस पहल से सामाजिक सुधार के प्रयासों को गति मिली और कई संगठनों को उनकी जिंदगी बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की प्रेरणा मिली। वृंदावन में विधवाओं की होली बेहद आध्यात्मिक माहौल में मनाई जाती है।

सम्मान और सशक्तीकरण का प्रतीक

महिलाएं मंदिरों और आश्रमों में एकत्रित होती हैं, फूलों की पंखुड़ियां उड़ाती हैं, गुलाल लगाती हैं, भक्ति गीत गाती हैं और भगवान श्री कृष्ण को समर्पित भजनों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लेती हैं। यह समारोह अक्सर रंगभरी एकादशी के आसपास आयोजित होता है, जो भगवान कृष्ण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। चूंकि वृंदावन को श्री कृष्ण की बाल लीलाओं की भूमि माना जाता है, इसलिए यहां होली का विशेष महत्व है। इस उत्सव में विधवाओं की भागीदारी अब सामाजिक परिवर्तन, सम्मान और सशक्तीकरण का प्रतीक बन चुकी है।

रोचक खबरें

मुर्गी को हमेशा अपने साथ रखती है ये महिला प्रोफेसर

ओटोवा। आज हम आपको एक ऐसी महिला प्रोफेसर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने कुत्ता या बिल्ली नहीं, बल्कि एक मुर्गी को अपना पालतू बनाया हुआ है और वो उसपर एक रिसर्च भी कर रही है। महिला का कहना है कि उसकी मुर्गी बहुत बुद्धिमान है और वह मेरी भावनाओं को समझ सकती है। ये महिला कनाडा की रहने वाली है और मनोविज्ञान की एक प्रोफेसर है। दरअसल, ये महिला प्रोफेसर इस बात का अध्ययन कर रही है कि पालतू जानवरों के साथ संबंध स्वस्थ विकास में कैसे मददगार होते हैं और इसीलिए उन्होंने अपने पास एक अनोखा थेरेपी एनिमल रखा है, एक भावनात्मक सहारा देने वाली मुर्गी जो उन्हें दैनिक जीवन में मदद करती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोनिया कोंग नाम की इस महिला प्रोफेसर ने बताया कि उन्होंने उस 11 महीने की मुर्गी का नाम सैटरडे रखा था, क्योंकि उसी दिन उन्होंने उसे ब्रिटिश कोलंबिया के प्रिंस जॉर्ज के बाहर एक फार्म से गोद लिया था। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ये मुर्गी बहुत बुद्धिमान है। वो मेरी भावनाओं को समझ सकती है। जब मैं उदास होती थी, तो वो बस वहीं लेटी रहती थी, मुझे देखती रहती थी, यह समझने की कोशिश करती थी कि क्या हो रहा है- तुम क्यों रो रही हो?' यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' दिलचस्प बात ये है कि महिला ने पंख वाले उस प्यारे से जीव के लिए एक खास डायपर भी बनाया है, ताकि वो उनके साथ शहर भर में घूम सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तरी ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाली सोनिया फिलहाल एक ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से ये शोध कर रही हैं कि पालतू जानवर किशोरों के सामाजिक और भावनात्मक विकास को कैसे प्रभावित करते हैं। वह हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर ट्रेसी वोंग के साथ मिलकर ये अध्ययन कर रही हैं।सोनिया के माता-पिता अभी भी अपनी बेटी के इस नए पालतू जानवर के विचार को स्वीकार करने की कोशिश कर रहे हैं।

कार्डबोर्ड खाने का शौकीन है ये शख्स, हर डिश में मिलाता है टुकड़े

न्यूयार्क। टीएलसी के मशहूर शो माई वियर्ड एडिक्शन में एक ऐसा शख्स शामिल हुआ, जिसे कार्डबोर्ड खाने की लत है। शख्स अपने हर डिश में इसके टुकड़े मिलाता है। वो अपना खाना घरवालों से छिपाकर बनाता है। उसने बताया कि भूरे बॉक्स वाले कागज को खाने में सबसे अच्छा लगता है। वो पहले इन बोर्ड को धोता है फिर सुखाता है और तब खाता है। अमेरिका के मेम्फिस से ताल्लुक रखने वाले टेरी नाम के एक शख्स को कार्डबोर्ड खाने की लत है। वह बचपन से ही इस आदत में फंसे हुए हैं और अब 39 साल की उम्र में भी यह जारी है। शो के एपिसोड में टेरी ने अपनी पूरी कहानी बताई, जो लोगों को स्तब्ध कर गई. टेरी बताते हैं कि उनकी यह लत 6 साल की उम्र में शुरू हुई। एक दिन उन्होंने कार्डबोर्ड का टुकड़ा मुंह में डाला और उसे स्वादिष्ट लगा.। तब से उन्होंने इसे जारी रखा है। अब वह हर खाने में कार्डबोर्ड मिलाते हैं। सुबह अंडे बनाते समय 'स्पेशल इंग्रीडिएंट'के तौर पर कार्डबोर्ड के छोटे टुकड़े छिड़कते हैं, जो उन्हें 'सबटल फ्लेवर' देता है। उनका फेवरेट ब्राउन बॉक्स वाला कार्डबोर्ड है।

खोज

वैज्ञानिक रह गए दंग!

100 साल बाद खुला अंटार्कटिका के खूनी झरने का रहस्य

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे ठंडे और वीरान महाद्वीप पर एक ऐसी जगह है, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं। बात हो रही है अंटार्कटिका की मैकमुर्डो ड्राय वैली की, जहां टेलर ग्लेशियर से एक धारा नीचे की ओर गिरती है, जो बिल्कुल इंसानी खून जैसी दिखती है। 1911 से ही यह 'खूनी झरना' वैज्ञानिकों के लिए एक अबूझ पहेली बना हुआ था। लेकिन, अब इस रहस्य से भी पर्दा उठ चुका है।

इसलिए लाल हो गया पानी

बताया जा रहा है कि इस झील के पानी में नमक की मात्रा बहुत अधिक है, और यह आयरन से लबालब भरा है। जैसे ही आयरनयुक्त पानी बर्फ की दरारों से निकलकर हवा यानी ऑक्सीजन के संपर्क में आता है, केमिकल रिएक्शन होने की वजह से इसमें जंग लग जाता है, और लोहे के ऑक्सीडेशन के कारण पानी का रंग सुर्ख लाल हो जाता है।

क्या एलियंस की खोज में मिलेगी मदद?

सबसे हैरानी की बात यह है कि इस झील में बिना ऑक्सीजन और सूर्य की रोशनी के भी सूक्ष्म जीव जिंदा हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर अंटार्कटिका की इन जानलेवा परिस्थितियों में जीवन पनप सकता है तो मंगल और बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर भी जीवन की संभावना है। कुल मिलाकर यह सिर्फ झरना नहीं, बल्कि दूसरे ग्रहों पर जीवन खोजने की एक खिड़की है।

झरने के नीचे छिपा है 20 लाख साल पुराना राज!

शुरुआत में वैज्ञानिकों को लगा कि यह किसी लाल शैवाल का कमाल है, लेकिन इस 'खूनी झरने'का अब जो सच सामने आया है, उसने विज्ञान जगत में हलचल मचा दी है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, ग्लेशियर के करीब 1,300 फीट नीचे एक विशाल खारे पानी की झील है, जो 20 लाख सालों से बाहरी दुनिया से कटी हुई थी।

छुपन-छुपाई का एक्सपर्ट है ये जीव, नजरों को यूं देता है धोखा

नई दिल्ली। आपने आजतक कई तरह के जीव देखे होंगे। प्रकृति ने हर जीव को अपनी जिंदगी बचाने के लिए हथियार दिए हैं। किसी के पास तेज नाख़ून होते हैं तो कोई अपनी स्पीड से दुश्मनों को चकमा देता है। लेकिन, गेको (एक तरह का गिरगिट) आपकी आंखों के सामने होकर भी आपको नजर नहीं आएगा। जिस तरह से आपके घर के पास पाया जाने वाला गिरगिट अपना रंग बदल कर दुश्मनों को चकमा देता है, उसी तरह ये गेको अपने वातावरण में ऐसे घुल जाता है कि फिर नजर ही नहीं आता। जंगल में गए एक शख्स ने इसका उदाहरण अपने कैमरा में कैद कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें एक गेको ने खुद को पेड़ की डाल में ऐसे ढाल लिया कि उसे देख पाना नामुमकिन था। वीडियो वायरल हो गया है।

60 करोड़ साल पुराना एक आंख वाला जीव!

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने पाया कि इंसानी आंखों के तार 600 मिलियन साल पुराने एक समुद्री जीव से जुड़े हैं। हमारा यह पूर्वज एक 'साइक्लोप्स' (एक आंख वाला) जीव था, जिसकी सिर के ऊपर सिर्फ एक प्रकाश-संवेदी आंख थी। जब यह जीव ज्यादा सक्रिय हुआ, तो उसी एक आंख से विकसित होकर दो आंखें बनीं। आज हम अपनी आंखों से दुनिया के रंग, चेहरे और नजारे देखते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि इंसानी आंखों की शुरुआत कहां से हुई? नई रिसर्च के मुताबिक, इसकी जड़ें करीब 60 करोड़ साल पहले रहने वाले एक छोटे से समुद्री जीव से जुड़ी हो सकती हैं, जिसकी सिर्फ एक आंख थी। लुंड यूनिवर्सिटी और ससेक्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि सभी वर्टेब्रेट यानी रीढ़ वाले जीव एक ऐसे पूर्वज से विकसित हुए, जिसके सिर के ऊपर एक

सिंगल लाइट-सेंसिंग अंग था। यह स्टडी साइंस जर्नल करंट बायोलॉजी में प्रकाशित हुई है।

एक साधारण जीव से जटिल आंख तक

रिसर्च में जिस जीव का जिक्र है, वह छोटा और नरम शरीर वाला था और प्राचीन समुद्रों में रहता था। यह पानी में तैरते प्लैंकटन को फिल्टर करके भोजन करता था और ज्यादातर स्थिर जीवन जीता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस विकास क्रम की शुरुआती प्रजातियों में शायद दो आंखें थीं। लेकिन ,ये आंखें साफ तस्वीर देख पाती थीं या सिर्फ रोशनी पहचानती थीं, यह स्पष्ट नहीं है। समय के साथ, जब यह जीव कम सक्रिय जीवन जीने लगा, तो दो आंखों की जरूरत कम हो गई और वे संरचनाएं खत्म हो गईं।

मिडलाइन पर बनी एक साधारण आंख

दो आंखों के खत्म होने के बाद सिर के बीचों-बीच कुछ लाइट-सेंसिटिव कोशिकाएं बचीं। समय के साथ इन कोशिकाओं ने मिलकर एक साधारण 'मीडियन आई' का रूप ले लिया। यह आंख सिर्फ रोशनी और अंधेरे का फर्क समझ सकती थी, लेकिन साफ तस्वीर बनाने की क्षमता इसमें नहीं थी। यह बदलाव दिखाता है कि विकास की प्रक्रिया सीधी नहीं होती। कई बार शरीर की संरचनाएं जरूरत के हिसाब से बदलती और फिर नए रूप में सामने आती हैं।

औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि तीन माह के निचले स्तर पर

एजेंसी : नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर जनवरी में घटकर तीन महीने के निचले स्तर 4.8 प्रतिशत पर आ गई। खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से वृद्धि दर में नरमी आई। जनवरी, 2026 में देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 4.8 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले की समान अवधि में 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। इससे पहले अक्टूबर, 2025 में वृद्धि दर 0.5 प्रतिशत रही थी, जो हाल के महीनों का सबसे निचला स्तर है। नवंबर, 2025 में आईआईपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इसके साथ ही, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने दिसंबर, 2025 के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के आंकड़े को संशोधित कर आठ प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले जनवरी, 2026 में जारी अस्थायी अनुमान में इसे 7.8 प्रतिशत बताया गया था। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी माह में घटकर 4.8 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 5.8 प्रतिशत थी। आलोच्य अवधि में खनन क्षेत्र की वृद्धि भी मामूली घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई। यह एक वर्ष पहले की समान अवधि में 4.4 प्रतिशत थी। हालांकि, जनवरी, 2026 के दौरान बिजली उत्पादन सुधरकर 5.1 प्रतिशत हो गया जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह वृद्धि 2.4 प्रतिशत थी। इसके साथ ही, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि चार प्रतिशत रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 4.2 प्रतिशत थी। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, जनवरी, 2026 में प्राथमिक वस्तुओं में 3.1 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 4.3 प्रतिशत, मध्यवर्ती वस्तुओं में छह प्रतिशत, अवसंरचना/ निर्माण वस्तुओं में 13.7 प्रतिशत और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं में 6.3 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

आवश्यकता

आवश्यकता है - अनुभवी सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई वेतन योग्यता अनुसार आवास की। पता- साई सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेंडे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 722302602, 8889997826 (बिलासपुर /04/मार्च 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न

मिथुन किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

पनामा की जमीन ने उगला 1000 साल पुराना खजाना

पनामा सिटी। पनामा में इतिहास से जुड़ी एक बहुत बड़ी खोज सामने आई है। यह खोज पनामा के नाटा क्षेत्र में हुई है। जमीन के नीचे दबी हुई एक बहुत पुरानी कब्र यहां से मिली है। बताया जा रहा है कि यह कब्र करीब एक हजार साल से भी ज्यादा समय पुरानी है। इस कब्र में इंसान के कंकाल मिले हैं। उनके साथ सोने के गहने और सुंदर डिजाइन वाले मिट्टी के बर्तन भी रखे मिले हैं।

ये कब्र जिस जगह से मिली है, उसे एल कान्यो आर्कियोलॉजिकल साइट के नाम से जाना जाता है। यहां करीब बीस साल से खुदाई का काम चल रहा है। अब तक इसी जगह से इस तरह की नौ कब्रें मिल चुकी हैं। जानकारों का कहना है कि ये कब्रें आम लोगों के लिए नहीं थीं। यहां केवल बहुत ऊंचे

पद और प्रभाव वाले लोगों को ही दफनाया जाता था। नई कब्र में मिले व्यक्ति के चारों तरफ सोने के हार, कंगन और कानों के गहने रखे हुए थे। इससे साफ होता है कि वह व्यक्ति अपने समाज में बहुत शक्तिशाली और सम्मानित रहा होगा।

चमगादड़ और मगरमच्छ की आकृतियां

इस कब्र से मिले गहनों पर चमगादड़ और मगरमच्छ की आकृतियां बनी हुई हैं। इन जानवरों को उस समय के लोग बहुत खास मानते थे। माना जाता है कि इनका संबंध ताकत और धार्मिक विश्वास से जुड़ा था। कब्र में सुंदर डिजाइन वाले मिट्टी के बर्तन भी रखे मिले हैं। जानकारों के मुताबिक ये चीजें केवल सजावट के लिए नहीं रखी गई थीं। इनका मतलब मरने के बाद की जिंदगी से जुड़ा हुआ था। लोगों को लगता था कि इंसान की पहचान और उसका दर्जा मरने के बाद भी बना रहता है। इसलिए ऐसे खास सामान उसके साथ रखे जाते थे। ये पुरातात्विक स्थल पनामा की राजधानी पनामा शहर से करीब दो सौ किलोमीटर दूर है। हर साल यहां नई खोजें हो रही हैं। इन कब्रों से ये भी समझ में आ रहा है कि उस समय समाज में ऊंचे और नीचे दर्जे के लोग अलग अलग थे। ये भी पता चलता है कि आपसी लेन देन और संपर्क काफी मजबूत थे।

सोना तैयार करना आसान काम नहीं

उस समय सोना तैयार करना आसान काम नहीं था। इसके लिए खास जानकारी और साधनों की जरूरत होती थी। माना जाता है कि यह सुविधा केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही मिलती थी। इसी कारण सोना उस दौर में शक्ति और ऊंचे पद का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता था।

शब्द पहेली - 6155

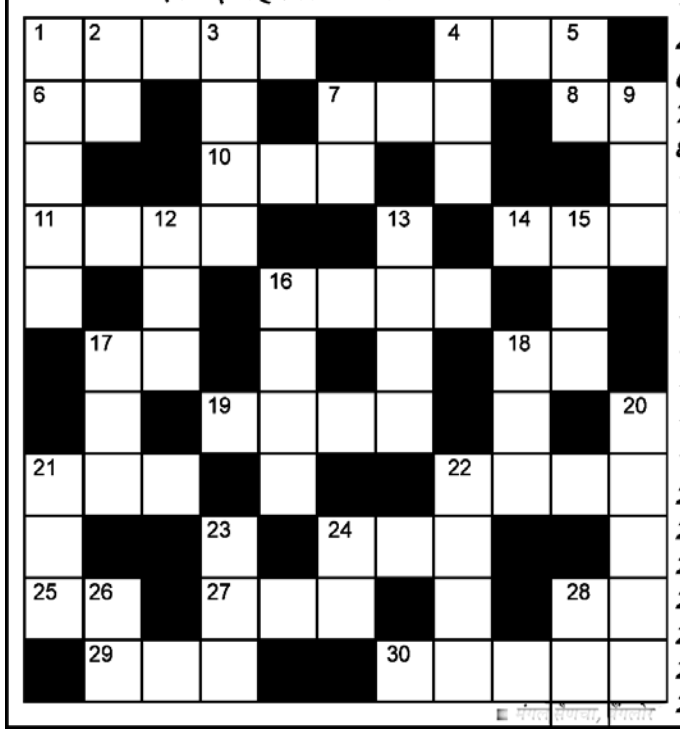

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट,शर्ट-3
6. लाख,गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान,रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा,उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष,बरस-2
18. लय,स्वर-2
19. गदर,बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर,घमंड-4
24. राजा,सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ,फिजूल-3
28. चतुर्थ,चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत,जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर,थाती-4
15. तरंग,हिलोर-3
16. निरंकुश,मुंहजोर -4
17. किनारा,तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया,जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर,भगवान-2
28. प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -6154 का हल

	बं	दा	न	बा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
व		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ			फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रो		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	थ	प	थ		र	च	ना	का	र	

सूडोकु नवताल - 6165

कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6164 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
होली-अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष
हरिभूमि
सहेली
जबलपुर, मंगलवार
3 मार्च 2026
12

भारतीय जन-जीवन में फागुन का आगमन केवल ऋतु-परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का सक्रिय समय होता है। इस चेतना को अपने अस्तित्व में संजोती, उसमें लोक व्यवहार और परंपराओं को पोसती स्त्री की सहभागिता, फागुन में नव-उमंग को संचारित करती है। इससे घर-परिवार और समाज में जीवंतता का इंद्रधनुषी रंग घुल-मिल जाता है।

फागुन की थाप में स्त्री की भूमिका

आवरण कथा
कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

फागुन वह महीना है, जब प्रकृति में दिखाई देने वाले परिवर्तन, पेड़ों पर बौर, टेसू के फूलों की केसरिया आभा, हवा की गंध, मनुष्य की स्मृतियों और संबंधों को अलग तरह से प्रभावित करते हैं। ऋतु का यह बदलाव बाहरी दृश्य से अधिक आंतरिक अनुभव का विषय बन जाता है। विशेषतः स्त्री के जीवन में फागुन एक साथ स्मृति, अनुभव, सजगता और सहभागिता का समय लेकर आता है। उल्लास की डोर हौले से पकड़ा देता है।

स्पष्ट संकेतों के साथ फागुन का आगमन

प्रकृति के स्तर पर फागुन का आगमन स्पष्ट संकेतों के साथ होता है। हवा में महुए की गंध घुलने लगती है, टेसू के फूल, गेहूं, चने की पकी फसलें, खेतों और बागों को रंग देते हैं, धूप में हल्का सुनहरापन घुल जाता है। यह परिवर्तन केवल दृश्य नहीं, संवेदनात्मक भी होता है। गंध, रंग और ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण निर्मित करते हैं, जिसमें अतीत और वर्तमान का अंतर कम होने लगता है। ढोलक की थाप, फगुआ के गीत और गली-मोहल्लों की चहल-पहल सामूहिकता का आह्वान करती है। यह वह समय है, जब व्यक्ति अपने निजी जीवन से बाहर निकलकर समुदाय का हिस्सा बनता है। एक अपने से दृष्टि हटाकर कुनबे की तरफ देखता है।

सामाजिक भेद से दूर होली का उल्लास

होली के दिन सामाजिक भेद कुछ समय के लिए हल्के पड़ जाते हैं। यह भेद मिटाना केवल खेल के लिए नहीं, प्रतीकात्मक क्रिया होती है। यह बताने के लिए कि सामाजिक ऊंच-नीच, औपचारिकता और दूरी का स्थान उत्सव में सीमित है। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष, सभी एक साथ रंग में भीगते और गले मिलते हैं। ढोलक की थाप और फगुआ के गीत सामूहिक स्मृति को जीवित रखते हैं। लोकगीतों में पीढ़ियों का अनुभव, हास्य, व्यंग्य और जीवन-दृष्टि संचित रहती है। पारंपरिक समाज में वे प्रारंभ में चौखट के भीतर से देखती थीं, पर धीरे-धीरे सहभागिता का दायरा बढ़ता गया।

उम्र के हिसाब से बदल जाता है फागुन का अर्थ

जीवन-चक्र के विभिन्न चरणों में फागुन का अर्थ बदलता है। बचपन में यह केवल खेल और आनंद का समय होता है- पिचकारी, रंग और खुली हंसी। किशोरावस्था में रंगों का अनुभव अधिक संवेदनशील हो उठता है, सामाजिक और शारीरिक चेतना जागृत होती है। विवाह के बाद नए परिवेश में स्त्री को संबंधों की मर्यादाएं समझनी होती हैं, किसके साथ कितनी सहजता उचित है, कहां संयम आवश्यक है। इस प्रक्रिया में वह अपने लिए संतुलित स्थान तय करती है। धीरे-धीरे वह समझती है कि उत्सव में भागीदारी का अर्थ भीड़ में विलीन हो जाना नहीं, बल्कि अपनी गरिमा बनाए रखते हुए शामिल होना है।

रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ आज भी है प्रासंगिक

समकालीन संदर्भ में भी फागुन का महत्व बना हुआ है, यद्यपि स्वरूप में परिवर्तन आया है। शहरी जीवन में सामूहिकता का रूप सीमित हो सकता है, पर रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ अब भी प्रासंगिक है। सम्मान, सहमति और सहभागिता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। इस परिवर्तन में स्त्री की भूमिका अधिक स्पष्ट और मुखर हुई है। वह उत्सव की सहभागी ही नहीं, उसकी दिशा निर्धारित करने वाली भी है। अंततः फागुन एक ऐसा सांस्कृतिक क्षण है, जिसमें प्रकृति, समाज और व्यक्ति का अनुभव एक-दूसरे से जुड़ता है। यह स्मृति को सक्रिय करता है, संबंधों की परीक्षा लेता है और सामूहिकता की भावना को पुनर्स्थापित करता है। स्त्री के संदर्भ में फागुन का महीना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इसमें श्रम, संवेदना, सावधानी और उल्लास, सभी को संतुलित करती है।

केवल रंगों का पर्व नहीं फागुन

यदि उत्सव में आनंद और मर्यादा साथ चलें, तो फागुन केवल रंगों का पर्व नहीं, सामाजिक परिपक्वता का प्रतीक भी बन जाता है। इसी सांस्कृतिक संदर्भ में उत्तर प्रदेश के बरसाना की होली विशेष उल्लेखनीय है। यहां लट्ठमार होली की परंपरा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सामाजिक संवाद है। स्त्रियां लाठियां लेकर पुरुषों पर प्रहार करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उसे खेल भाव से स्वीकारते हैं। यह आयोजन लोकविश्वास से जुड़ा है, जिसमें राधा-कृष्ण की लीलाओं का स्मरण निहित है। यहां स्त्री केवल दर्शक नहीं, सक्रिय केंद्र में होती है। उसकी उपस्थिति उत्सव की धुरी बनती है और प्रतिरोध भी विनोद के भीतर रूपायित होता है। श्रीकृष्ण के रंग-अनुराग का प्रसंग होली के पर्व को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विस्तार देता है। श्रीकृष्ण द्वारा गोपियों पर रंग डालने की कथा केवल राग-रंग का प्रसंग नहीं, बल्कि प्रेम की स्वीकृति और संवाद का प्रतीक है। राधा-कृष्ण की परंपरा में रंग एकतरफा नहीं, प्रत्युत्तर में लौटता है, यह समानता और सहभागिता का सांकेतिक रूप है। इस प्रकार फागुन का सांस्कृतिक अर्थ व्यक्तिगत स्मृतियों से लेकर लोक-परंपराओं और दार्शनिक प्रतीकों तक विस्तृत है। स्त्री की स्मृति, उसकी सजगता और उसकी सक्रिय भागीदारी इस पर्व को पूर्णता देती है। a

स्त्री-शक्ति के सात रंग

महिलाओं को सशक्त बनने के लिए अपने जीवन में सशक्तिकरण के प्रतीक ये सात रंग भरने जरूरी हैं। ये रंग कौन से हैं, इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

आह्वान
शिखर चंद जैन

महिलाओं को सशक्त बनाना किसी भी समाज-राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे प्रभावशाली कदम है। इसके लिए हर महिला को अपने जीवन में इन सात रंगों को सजाना होगा।

पहचान का रंग

सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी स्वयं को पहचानना है। एक स्त्री को समाज द्वारा तय की गई भूमिकाओं से इतर अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए। पुस्तक, 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' की लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, 'हमारी पहचान हमारे अतीत से नहीं, बल्कि हमारे चयन से बनती है।'

आर्थिक आत्मनिर्भरता का रंग

आज के दौर में 'फाइनेंशियल फ्रीडम' नारी शक्ति का मुख्य स्तंभ माना गया है। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला न केवल अपने परिवार की रीढ़ बनती है, बल्कि देश की जीडीपी में भी योगदान देती है। आर्थिक स्वावलंबन, उद्यमिता और वित्तीय मजबूती ही असली सशक्तिकरण है।

साहस का रंग

इतिहास से लेकर वर्तमान तक, महिलाओं का संघर्ष ही उनके साहस का वास्तविक परिचायक रहा है। चाहे वह झांसी की रानी की ऐतिहासिक वीरता हो या आज की महिला सैनिकों, वैज्ञानिकों और एथलीटों का संघर्ष। साहस, नारी का वह रंग है, जो उसे विपरीत परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देता। मुसीबतों के सामने डटे रहना ही नारी शक्ति का सबसे गहरा रंग है।

शिक्षा का रंग

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, बल्कि सोचने का नजरिया देता है। उच्च शिक्षा और तकनीक का ज्ञान महिलाओं को रूढ़िवादिता की बेड़ियों से मुक्त कर उन्हें वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाता है। यह रंग अज्ञानता के अंधेरे को दूर कर तार्किक सोच विकसित करता है।

नेतृत्व क्षमता का रंग

आज के दौर में महिलाएं केवल आदेशों का पालन नहीं करतीं, बल्कि वे नेतृत्व भी करती हैं। कॉर्पोरेट बोर्डरूम से लेकर पंचायतों और संसद तक, महिलाओं की भागीदारी ने यह सिद्ध किया है कि उनमें निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होती है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करके दिखाया है कि महिलाएं केवल घर ही नहीं, बल्कि दुनिया चलाने की क्षमता रखती हैं।

संवेदनशीलता का रंग

अकसर ही संवेदनशीलता को कमजोरी समझा जाता है, लेकिन नारी शक्ति का एक रंग उसकी संवेदनशीलता और भावनाओं में भी छिपा है। एक सशक्त महिला अपने आसपास के परिवेश को अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण बनाने का सामर्थ्य रखती है।

सामाजिक न्याय का रंग

नारीवाद का आधुनिक रंग केवल अपने हक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज में न्याय की स्थापना का रंग है। यह रंग एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। सशक्तिकरण का यह रंग चुप रहने की परंपरा को तोड़कर बदलाव की आवाज बनने का आह्वान करता है। a

तब बनेंगी सभी महिलाएं सशक्त-खुशहाल

बदलाव की राह
चैतन्या

महिलाएं समाज को बहुत कुछ देती हैं। परिवार के लिए अपना जीवन अर्पित कर देती हैं। रिश्तों-नातों को सहेजते हुए खुद अपने आप की अनदेखी तक कर देती हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी अपनों की जरूरतों के आगे मन की हर इच्छा को दोयम दर्जे पर रख देती हैं। बहुत सी स्त्रियां करियर छोड़ केवल घर-आंगन तक सिमट जाती हैं। हर भूमिका में स्त्रियां अपनों को भावनात्मक सहारा देती हैं। स्त्रियां आमतौर पर देने वाले पाले में ही रहती हैं। जरूरी है कि समाज, परिवार, रिश्तेदार, मित्र और सहकर्मी उनके लिए भी कुछ करने की सोचें। औपचारिकता भर नहीं बल्कि मन से महिलाओं के जीवन से जुड़े हर पहलू को बेहतर बनाने में हेल्पफुल बनें। याद रहे कि स्त्रियों की इस बेहतरी से समग्र समाज की बेहतरी भी जुड़ी है। इस साल इंटरनेशनल वुमेंस-डे (8 मार्च) की थीम 'गिव टू गेन' है। यह विषय महिलाओं की सहजता के लिए देने या कुछ करने के व्यापक असर पर बल देता है।

समर्थन और सराहनाः घर हो या बाहर, स्त्रियां अकसर अकेली पड़ जाती हैं। मुश्किल घड़ी में भी पूर्वागही सोच से ही उनके व्यक्तित्व को आंका जाता है। उनके फैसलों को तयशुदा समझ से जज किया जाता है। ऐसे में स्त्रियों को कुछ देने या उनके लिए कुछ करने की सोच समर्थन या सराहना के बिना अधूरी है। ऐसे में महिला दिवस की थीम 'गिव टू गेन' सभी को अपने विचार-व्यवहार का रिव्यू करने का आह्वान करती है। वर्कप्लेस से लेकर घर के आंगन तक, स्त्रियों के प्रति उदार बनने का संदेश देती हैं। उनकी भूमिका और भागदौड़ की सराहना करने की सोच जगाने वाली है।

संसाधन और सुरक्षाः महिलाओं के लिए हालात कई मोर्चों पर उलझाऊ हैं। कहीं काम करने के अवसर हैं तो सुरक्षित माहौल नहीं। जहां सेफ्टी है वहां सही अवसर नहीं हैं। नई शुरुआत के लिए जगह हो या धन, अपनी मर्जी से उपयोग कर लेने के हालात आज भी आम नहीं हैं। यही वजह है कि 'गिव टू गेन' का भाव संसाधन और सुरक्षा के मामले में आवश्यक है। इसीलिए महिलाओं को सुरक्षा और संसाधन दीजिए, ताकि वे अपनी काबिलीयत को सिद्ध कर सकें। थोड़े से सहयोग और अपनी योग्यता के बूते नवाचार करने वाली महिलाएं समाज-परिवार ही नहीं राष्ट्र को भी सशक्त बनाती हैं।

शिक्षा और समानताः बेटियों को बेटों के समान ही पढ़ने-लिखने का हक और माहौल देना तरक्की की साझी सोच की बुनियाद है। इस वर्ष की थीम असल में 'मेरा' से 'हमारा' के विचार को अपनाने पर बल देने वाली है। यह विषय कहता है कि इक्वेलिटी का वह परिवेश बने जिसमें समय, सहानुभूति और खुद को साबित करने का मौका सभी के हिस्से आए। हमारे यहां महिलाओं के साथ आज भी कार्यस्थल पर समान व्यवहार नहीं किया जाता। घरेलू जिम्मेदारियों को अकेले ही उठाने के चलते कामकाज के सही मौके उनकी झोली में नहीं आते। ऐसे में सभी के लिए बहुत जरूरी है कि बहू-बेटियों को बराबरी के अवसर देते हुए खुलकर जीने का स्पेस दें। a

बदलता स्त्री-जीवन संघर्ष से सृजन की यात्रा

नया दौर
अलका 'सोनी'

बीते कुछ दशकों में स्त्रियों के जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। संघर्ष से शुरू हुई उनकी यह यात्रा अब सृजन के नित नए आयाम गढ़ रही है।

समकालीन समय में स्त्रियों का जीवन बहुआयामी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसे हर जगह देखा और महसूस किया जा सकता है। यह सुखद परिवर्तन केवल स्त्री की बदलती बाहरी भूमिकाओं में ही नहीं, बल्कि मानसिकता, आत्मविश्वास और आत्मस्वीकृति का भी है। आज की स्त्री घर की चारदीवारी से निकलकर कार्यस्थलों, राजनीति, विज्ञान, साहित्य और कला जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। परंतु परिवर्तन की उनकी इस यात्रा में संघर्ष, संतुलन और आत्मसंवाद की लंबी प्रक्रिया शामिल होती है। जिसे पार करते हुए वे आज अपनी सफलता की कहानी खुद ही बयां कर रही हैं।

सपनों की नई परिभाषाः पहले स्त्री के सपनों को परिवार की अपेक्षाओं के अनुरूप आकार दिया जाता था। वे जिम्मेदारियों से लदी नजर आतीं थीं। उनके लिए, अपने बारे में सोचना जैसे निषिद्ध था। लेकिन आज वे अपने सपनों को स्वयं परिभाषित कर रही हैं। शिक्षा ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करना चाहती हैं, चाहे वह करियर का चयन हो, विवाह का निर्णय हो या मातृत्व का समय।

जिम्मेदारियों का दोहरा दायित्वः हालांकि परिवर्तन के इस दौर में स्त्री पर जिम्मेदारियों का भार बढ़ा ही है। घर और बाहर के बीच 'वर्क-पर्सनल लाइफ बैलेंस' उनके लिए रोज का अभ्यास है। यह दोहरा दायित्व कई बार मानसिक दबाव उत्पन्न करता है, किंतु यही दबाव उसे अधिक संगठित, संवेदनशील और दृढ़ भी बनाता है।

डिजिटली भी हैं एक्टिवः हमेशा से चुप और सिमटी रहने वाली स्त्रियों को सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति का नया माध्यम दिया है। अब उनकी आवाज सीमित दायरे तक नहीं रहती। उनकी गूंज हर तरफ सुनाई देती है। वे अपने अनुभव, विचार और रचनात्मकता को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचा सकती हैं। इससे एक सामूहिक चेतना का निर्माण हो रहा है, जहां स्त्रियां एक-दूसरे के संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा लेती हैं। उनके सामने जानकारियों का एक नया संसार खुल रहा है। हालांकि अब भी यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि सब कुछ बदल गया है। लैंगिक असमानता, कार्यस्थल पर भेदभाव, घरेलू हिंसा और रूढ़िगत सोच अब भी मौजूद हैं। लेकिन आशा की किरण यह है कि अब स्त्री इन चुनौतियों को नियति मानकर स्वीकार नहीं करती। वह समाधान खोजती है और आवाज भी बुलंद करती है। a

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

5 मार्च को शाम 7 बजे वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा भारत-इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल

टीम इंडिया की लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम छठी बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। वहीं यह लगातार तीसरा मौका है जब टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंची है। रोमांचक तथ्य यह है कि पिछली दो बार सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करने वाली टीम इंडिया का सामना इस बार भी इंग्लैंड से ही है। इस तरह टी20 विश्व कप में लगातार तीसरी बार भारत-इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। पिछले दो मौकों में एक बार इंग्लैंड और एक बार भारतीय टीम विजेता रही है। पिछले दोनों मौकों पर जिस टीम ने सेमीफाइनल जीता था, आगे चलकर वही टीम चैंपियन बनी थी। टी20 विश्व कप का दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मार्च को शाम 7 बजे से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है।

2024 में भारत ने जीता था खिताब

टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में एक बार फिर रोहित की कप्तानी वाली टीम इंडिया और बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड आमने-सामने थी। जॉर्जटाउन में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 171 रन बनाए थे। इंग्लैंड की पूरी टीम 16.4 ओवर में 103 रन पर सिमट गई थी और 68 रन से मैच हार गई। भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था।

2022 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड का हुआ था सामना

टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड का सामना हुआ था। एडिलेड में हुए इस मैच में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने 6 विकेट पर 168 रन बनाए थे। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड ने 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के 170 रन बनाकर मैच 10 विकेट से जीता था। फाइनल में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

पहली बार साल 2007 में आमने-सामने आए भारत-इंग्लैंड

टी20 वर्ल्ड कप में भारत-इंग्लैंड पहली बार साल 2007 में आमने-सामने आए, जिसमें युवराज सिंह ने लगातार 6 गेंदों पर छक्के लगाते हुए तूफानी अर्धशतक लगाया। भारत ने 4 विकेट खोकर 218 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 200/6 का स्कोर ही बना सकी और भारत ने 18 रन से मैच अपने नाम कर लिया।

2009 में इंग्लैंड ने लिया था बदला

टी20 वर्ल्ड कप 2009 में इंग्लैंड ने अपनी पिछली हार का बदला लिया। लंदन में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने 7 विकेट खोकर 153 रन बनाए, जिसके जवाब में भारतीय टीम 5 विकेट खोकर 150 रन ही बना सकी। यूसुफ पठान ने 17 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 33 रन की नाबाद पारी खेली, लेकिन टीम इंडिया को जीत नहीं दिला सके।

2012 में हारी थी इंग्लैंड

टी20 वर्ल्ड कप 2012 में ग्रुप-ए के इस मैच में भारत ने गौतम गंभीर (45), रोहित शर्मा (नाबाद 55) और विराट कोहली (4) की शानदार पारियों के दम पर 4 विकेट खोकर 170 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 14.4 ओवरों में 80 रन पर ऑलआउट हो गई।

मैंने सुनी अंतरात्मा की आवाज, फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया था

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने कहा, 'मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जो बहुत खास था।'

हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सैमसन ने अपनी तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'यह मानवीय प्रकृति है कि हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं, जैसे, 'क्या मैं ऐसा कर सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकता हूं।' जब भी मेरे मन में ऐसे विचार आते हैं तो मैं उन्हें सकारात्मक विचार से बदलने की कोशिश करता हूं।

यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था

सैमसन ने असल में अकेले दम पर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, ' यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था। हमारी बल्लेबाजी की मजबूती को देखते हुए मुझे लग रहा था कि ईडन गार्डन्स में ओस पड़ने पर 196 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया।' सैमसन ने कहा, 'यहीं पर मेरे अनुभव ने अहम भूमिका निभाई। मुझे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जब विकेट गिरते रहे तो मुझे लगा कि मुझे मैच का सकारात्मक अंत करना होगा।' उन्होंने कहा, ''आप हमेशा ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे खुशी है कि इस मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। जब आप दबाव वाली परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप अलग-अलग विकल्प अपनाते हैं और जोखिम भरे विकल्पों पर विचार करने के बजाय अधिक बाउंड्री लगाते हैं।''

मैंने अपनी बुनियाद पर काम किया

सैमसन ने कहा,'' मैंने आत्ममंथन किया। मैंने अपनी बुनियाद पर काम किया कि मैंने खुद को कैसे तैयार किया था। बहुत से लोगों ने सुझाव दिए मैंने खुद से कहा कि 'संजू, तुमने इसी प्रारुप में तीन अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं।' जब सैमसन से पूछा गया कि कोलकाता में खेली गई उनकी पारी उनके लिए क्या मायने रखती है, तो उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि वह उस सपने को जी रहे हैं जिसे उन्होंने बचपन से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा, ' भारत में सौ से अधिक क्रिकेटर ऐसे दिन का सपना देखते हैं। मैंने सपना देखने की हिम्मत की। केरल के त्रिवेंद्रम का एक युवा लड़का देश के लिए खेलने और इतने महत्वपूर्ण मैच में जीत हासिल करने का सपना देख रहा था। मैंने सपना देखने की हिम्मत की और यह सच हो गया।'

खबर संक्षेप

एनएसडब्ल्यू ओपनः संयुक्त 20वें स्थान पर रही दीक्षा

वोलोंगोंग। कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर महिला एनएसडब्ल्यू ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 20वें स्थान पर रही। दीक्षा ने पहले दौर में छह ओवर 77 का स्कोर बनाया था और उन पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा था। इसके बाद हालांकि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और अंतिम दौर में 68 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर आठ अंडर 276 रहा। फ्रांस की खिलाड़ी अगाथे लैस्ने ने खिताब जीता। उन्होंने 16 अंडर के कुल स्कोर के साथ थाईलैंड की एप्रिल अंगुरसारानी और कोरिया की सूमिन ओह पर एक शॉट से जीत हासिल की।

अनुष का शानदार स्कोर आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ बेल्जियम ड्रेसेज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे उन्होंने आने वाले एशियाई

खेलों के लिए अपनी क्वालीफिकेशन यात्रा शुरू की। अग्रवाला ने अपने आठ साल के घोड़े फ्लोरियाना के साथ ऑर्डर में 14वें नंबर से शुरुआत करते हुए 68.85 प्रतिशत के शानदार स्कोर से आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन दिया, जिससे वह कुल मिलाकर चौथे नंबर पर रहे। वह अपने 10 साल के घोड़े फ्लिन के साथ लौटे, जिसमें उन्होंने पांचवें नंबर से शुरुआत की और इसमें और भी बेहतर प्रदर्शन देते हुए 70.3 प्रतिशत का व्यक्तिगत स्कोर हासिल किया। 70 प्रतिशत का स्कोर हासिल करना दबाव में निरंतरता और संयम दिखाता है।

नई दिल्ली में एसजेएफआई का राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली। भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) का राष्ट्रीय सम्मेलन 13 से 16 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। पिछले 30

वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि एसजेएफआई का वार्षिक सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा। दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें एसजेएफआई अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती भी मनाएगा।

दुबई में फंसी सिंधु, ऑल इंग्लैंड ओपन में बाहर रहना तय

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

लक्ष्य का मुकाबला शी यु ची से

भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना पहुंच गए हैं। लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है।

मालविका का सामना युफेई से

महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्नति हुडा अफ्रीका के रास्ते यहां पहुंची है और उन्हें अपने पहले मैच में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ने पर जेट लैग से उबरने की जरूरत होगी। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले दौर में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई के खिलाफ खेलेंगे। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की सायका हिरोटा और अयाको सकुरामोतो से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो का मुकाबला मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन से, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे का फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू से होगा।

टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारत आएगी अफगानिस्तान टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच अक्सर टी20 मुकाबले खेले जाते हैं, लेकिन जल्द ही अफगानिस्तान और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट और वनडे सीरीज होने वाली है। बीसीसीआई ने भारत-अफगानिस्तान के बीच होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज का ऐलान कर दिया है। एकमात्र टेस्ट 6 से 10 जून तक न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा।

14 जून को वनडे सीरीज का पहला मुकाबला

तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। तीनों वनडे दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक एकमात्र टेस्ट खेला गया है। 2018 में बेंगलुरु में खेले गए इस टेस्ट में भारतीय टीम ने पारी और 262 रन से जीत हासिल की थी। 107 रन की पारी खेलने वाले शिखर धवन प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे थे।

इंटर मियामी जीता : मेस्सी ने एमएलएस टूर्नामेंट में अब तक दागे 52 गोल

एजेंसी ▶▶| ऑरलैंडो

लियोनेल मेस्सी ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जबकि डिफेंडर टेलास्को सेगोविया ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की, जिससे मौजूदा चैंपियन इंटर मियामी ने एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में ऑरलैंडो सिटी को 4-2 से हराकर इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में पहली बार जीत हासिल की।

पहले हाफ में दो गोल से पिछड़ने के बाद मियामी की तरफ से पहला गोल दूसरे हाफ के चौथे मिनट में माटेओ सिल्वेट्टी ने किया। मेस्सी ने सेगोविया से पास लेकर 57वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सेगोविया ने 85वें मिनट में गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई।

मेस्सी ने 90वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके मियामी की जीत सुनिश्चित कर दी। अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी इस तरह से एमएलएस में 52 गोल कर चुका है। मार्को पासलिच ने इवान एंगुलो से पास पर 18वें मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके छह मिनट बाद मार्टिन ओजेडा ने गोल किया, जिससे ऑरलैंडो सिटी को 2-0 की बढ़त मिल गई, जो हाफ टाइम तक बरकरार रही।

ईरान का विश्व कप फुटबॉल में खेलना संदिग्ध

तेहरान। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने कहा, 'निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते।' विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने स्पेशल कैंप के लिए जहीर-हरभजन से किया कॉन्टैक्ट

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय दिग्गज जहीर खान और हरभजन सिंह से बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में विशेष शिविरों में अपनी सेवाएं देने के लिए संपर्क किया है। बीसीसीआई ने इन शिविरों के कुछ खिलाड़ियों की सूची तैयार की है। इस सूची में ऐसे खिलाड़ी शामिल किए गए हैं, जो

भविष्य में भारत की तरफ से खेल सकते हैं। इन खिलाड़ियों में आयु वर्ग और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के अलावा भारत ए और भारत की सीनियर टीम की तरफ से कुछ मैच खेलने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

ऑफ स्पिनरों को करेंगे तैयार हरभजन

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'लक्ष्मण ने विशेष शिविरों के लिए जहीर, हरभजन और अनिल कुंबले से संपर्क किया है। हरभजन ऑफ स्पिनरों के लिए चार या पांच दिवसीय शिविर के लिए अपना कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं। वह उन उभरते हुए खिलाड़ियों की मदद करने के लिए उत्सुक हैं, जिन्होंने आयु वर्ग और भारत ए स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।' उन्होंने कहा, 'यह एक स्वागत योग्य पहल है, जहां भारत के लिए 100 से अधिक टेस्ट मैच खेल चुके खिलाड़ी अगली पीढ़ी के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे।'

बाबर आजम, शाहीन और सलमान पर पीसीबी ने ठोका 50 लाख का जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। इस वर्ल्ड कप में उनकी टीम सेमीफाइनल में भी जगह नहीं बना पाई और सुपर-8 से ही बाहर हो गई। इस खराब प्रदर्शन को देखने के बाद पाकिस्तानी प्लेयर्स पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों पर जुर्माना लगा दिया है।

ये जुर्माना पाकिस्तान टीम के बड़े प्लेयर्स शाहीन अफरीदी, बाबर आजम और कप्तान सलमान अली आगा पर भी लगाया गया है। इन तीनों ही प्लेयर्स ने इस वर्ल्ड कप में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। रिपोर्ट के अनुसार, जारी टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की खराब परफॉर्मेंस का असर अब उनके

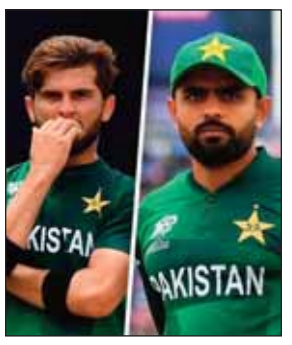

खिलाड़ियों पर देखने को मिला है। यह उनके लिए महंगी साबित हुई है, क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़े खिलाड़ियों पर 5 मिलियन (50 लाख पाकिस्तानी रुपए) का जुर्माना लगाया है। यह फैसला भारत से मिली शर्मनाक हार के ठीक बाद लिया गया था। सूत्रों के मुताबिक पीसीबी के अधिकारियों ने खिलाड़ियों से साफ कह दिया है कि प्लेयर्स के साथ बहुत लाड़-प्यार हो गया। आगे से फाइनेंशियल फायदे सिर्फ अच्छे परफॉर्मेंस के आधार पर ही मिलेंगे।

दरअसल पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में नीदरलैंड्स से हारने से बाल-बाल बचा था। इसके बाद उन्होंने यूएसए को हराया था। हालांकि भारत के खिलाफ मैच में पाक प्लेयर्स से बेहतर परफॉर्मेंस की उम्मीद थी, लेकिन वहां भी उनकी टीम भारत के हाथों बुरी तरह पीट गई। फैंस की तरह, बोर्ड के अधिकारी भी टीम की परफॉर्मेंस से बहुत नाखुश हैं।

प्राग शतरंज महोत्सवः समय की कमी के कारण गंवाना पड़ा अंक

गुकेश की गलती और अब्दुसत्तोरोव ने जीता एक और मैच

एजेंसी ▶▶| प्राग

विश्व चैंपियन डी गुकेश अच्छी स्थिति में होने के बावजूद प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से हार गए। एक महीने पहले भी टाटा स्टील मास्टर्स के दौरान अच्छी स्थिति में होने के बावजूद गुकेश अब्दुसत्तोरोव से हार गए थे। लेकिन यहां पांचवें दौर की बाजी में एक समय ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन समय की कमी के कारण आखिर में उन्हें अंक गंवाना पड़ा।

फोरस्ट विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंचे

इस बीच नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वैन फोरस्ट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जो पांच मैचों में अपनी चौथी जीत के बाद लाइव रेटिंग में विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पांचवें दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन को हराया। भारत के मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम को पांच मैचों में अपनी तीसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो ने हराया।

दिव्या ने टूर्नामेंट में दर्ज की अपनी पहली जीत

चैलेंजर्स वर्ग में विश्व महिला कप विजेता दिव्या देशमुख ने साथी भारतीय खिलाड़ी सूर्य शेखर गांगुली को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। वहीं स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोव को जबकि ईरान के परहम मगसूदलू ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराया।

27 फरवरी 2026 का प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है, इसलिए याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं

जनपद पंचायत करंजिया के अध्यक्ष पद के निर्वाचन को चुनौती खारिज

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा कि चूंकि चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है, इसलिए अब राहत नहीं दी जा सकती। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने इस मत के साथ जनपद पंचायत अध्यक्ष के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका निरस्त कर दी। हालांकि कोर्ट ने याचिकाकर्ता को नियमानुसार उचित फोरम में आगे की कार्रवाई को चुनौती देने की स्वतंत्रता दी है।

डिंडोरी निवासी पूर्व जनपद पंचायत करंजिया के अध्यक्ष चरण सिंह धुर्वे ने याचिका दायर कर कलेक्टर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत जनपद पंचायत, करंजिया, के रिक्त पद पर 27 फरवरी 2026 को चुनाव कराने की व्यवस्था की थी। शासन

की ओर से बताया गया कि यह पद 9 फरवरी को खाली हो गया था। याचिकाकर्ता ने कमिश्नर के समक्ष अपील की थी। अपील पर निर्णय नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि चूंकि चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है और 27 फरवरी 2026 का प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है, इसलिए याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं दी जा सकती।

मलेरिया कर्मी के खिलाफ रिकवरी का आदेश निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सीएमएचओ सिवनी के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसके तहत मलेरिया कर्मी के खिलाफ रिकवरी निकाल दी गई थी। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने सरकार को 6 फीसदी ब्याज के साथ याचिकाकर्ता को राशि लौटाने के निर्देश दिए हैं। सिवनी निवासी चंदूलाल निखारे की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि सीएमएचओ द्वारा यह दलील देते हुए रिकवरी निकाली गई कि याचिकाकर्ता दैनिक वेतनभोगी है, इसलिए उसे दी गई क्रमोन्नति वापस ली जाएगी। याचिकाकर्ता की ओर से दस्तावेज प्रस्तुत कर बताया गया कि उसे 18 मार्च 2011 को नियमित कर दिया गया है। नियमित कर्मचारी से क्रमोन्नति की राशि वापस नहीं ली जा सकती। कोर्ट ने रिकवरी को अनुचित करार देते हुए उसे निरस्त कर दिया।

एमपी स्टेट बार काउंसिल सचिव पद के लिए परीक्षा 15 मार्च को

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल के सचिव पद हेतु लिखित परीक्षा व कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षा आगामी 15 मार्च रविवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को प्रातः नौ बजे तक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा का आयोजन धर्म शास्त्र नेशनल ला यूनिवर्सिटी रिज रोड, सिविल लाइन में किया जाएगा। सचिव पद के लिए हाईकोर्ट के आदेश व सामान्य सभा द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुपालन में परिषद में सचिव पद पर नियुक्ति हेतु कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए है। कार्यकारी सचिव नीलेश जैन ने बताया कि आवेदनों के जांच के उपरांत 38 आवेदन सही पाए गए। शेष सात आवेदन आयु, प्रैक्टिस के मापदंड तथा वेरीफिकेशन फार्म न भरे जाने के कारण निरस्त कर नस्तीबद्ध किए गए। शेष 38 पात्र आवेदकों को लिखित परीक्षा एवं कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं।

होली मनाने अपने-अपने गांव, घर लौटे लोग

'मेरी होली मेरा घर' ट्रेनों बसों में भीड़ बढ़ी

जबलपुर। होली का त्योहार में बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। रंग-गुलाल पिचकारी की दुकानें सज गई हैं। धीरे-धीरे त्यौहार का उत्साह परवान चढ़ रहा है। 'मेरा घर मेरी होली' की तर्ज पर कामकाजी लोग अब घर में होली मनाने के लिये छुट्टी लेकर घरों की ओर लौट रहे हैं। मजदूर वर्ग भी गुरुवार को काम करने के बाद शाम की गाड़ी से अपने-अपने घरों के लिये रवाना हो गये। लिहाजा यात्री बसों और ट्रेनों में भीड़भाड़ बढ़ गई है। लंबी दूरी पर जाने वाले लोगों को आरक्षण कराने के बाद भी सीट और बर्थ के लिये वेटिंग लिस्ट से जूझना पड़ रहा है। त्यौहार के समय एकाएक यात्रियों की भीड़ बढ़ने से बस मालिक चांदी काट रहे हैं और वहीं बसों के ड्रायवर व कंडक्टर लूट खसोट भी कर रहे हैं। घर लौटने की जल्दी में लोग जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं। बसों की छतों पर

सवार होकर लोग जा रहे हैं तो वहीं ट्रेनों में दरवाजें पर लटककर लोग यात्रा कर रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ी है।

जहां एक तरफ व्यापार और कामकाज के सिलसिले में आये लोगों का अपने घरों को लौटना प्रारंभ हो गया है तो वहीं सरकारी कर्मचारी भी सोमवार की शाम को अपने घरों की ओर रवाना हो गए। आज 3 मार्च और 4 तारीख को राज्य सरकार द्वारा अवकाश घोषित कर दिया गया है। 5 मार्च को भाई दूज का अवकाश लेकर लोग तीन दिन के लिए अपने घर चले गए। लिहाजा तीन दिन लगातार अवकाश मिलने पर लोग घरों की ओर चल पड़े। वहीं निर्माण कार्यों के अलावा मेहनत मजदूरी के लिये आसपास के गांवों से मजदूरों का भी लौटना शुरू हो गया था, इससे यात्रियों का दबाव बसों और ट्रेनों में बढ़ा है।

जबलपुर-इतवारी-गोंदिया रूट की ट्रेने प्रभावित होगी

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते मेगा ब्लॉक

जबलपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-4 पर वॉशेबल एप्रॉन से जुड़े अधोसंरचनात्मक कार्य और नॉन-इंटरलॉकिंग ब्लॉक के कारण जबलपुर से संचालित एवं होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। इसका सीधा असर जबलपुर से गोंदिया, इतवारी और रीवा की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रीवा से चलकर जबलपुर होकर जाने वाली गाड़ी संख्या 11754 रीवा–नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन एक्सप्रेस दिनांक 18 मई 2026 तक 8 ट्रिप परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। यह ट्रेन जबलपुर–नैनपुर–छिंदवाड़ा होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेगी। इसी तरह इतवारी जंक्शन से रीवा आने वाली गाड़ी संख्या 11753 दिनांक 03 मई से 19 मई 2026 तक 8 ट्रिप तक छिंदवाड़ा–नैनपुर–जबलपुर मार्ग से चलेगी। इससे जबलपुर के यात्रियों को परिवर्तित रूट की जानकारी रखना आवश्यक होगा। सबसे अधिक प्रभाव जबलपुर–गोंदिया पैसेंजर सेवाओं पर पड़ेगा। गाड़ी संख्या 51707 जबलपुर–गोंदिया पैसेंजर आज 03 मई से 22 मई 2026 तक बिरसोला स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट होगी और बिरसोला से गोंदिया के बीच संचालित नहीं होगी। वहीं गाड़ी संख्या 51708 गोंदिया–जबलपुर पैसेंजर इसी अवधि में बिरसोला से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी और गोंदिया से बिरसोला के बीच निरस्त रहेगी। इससे जबलपुर से गोंदिया के बीच दैनिक यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ सकती है।

मकान बनाने का अनुबंध कर 18 लाख हड़पे

जबलपुर। माढ़ोताल थानान्तर्गत करमेता में जालसाज बिल्डर भाईयों ने एक सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी के खरीदे गये भूखंड पर मकान बनाकर देने का अनुबंध कर अमानत में ख्यानत कर 18 लाख रूपए हड़प लिये। आरोपी बिल्डर भाईयों पर शासकीय कर्मचारी की पत्नी की शिकायत पर धारा 420, 406 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि हनुमानताल निवासी श्रीमती रेखा लखेरा के पति विष्णु लखेरा को रिटायरमेंट होने पर पैसा मिला था। इस पैसे से उन्होंने बिल्डर भाईयों आशीष सिंह ठाकुर और आकाश सिंह ठाकुर के कहने पर करमेता में बसंत यादव से 1544 का एक डायवर्टेड भूकंप खरीदा था प्लाट की रजिस्ट्री होने के बाद तय शर्त के मुताबिक रेवा कांस्ट्रेक्शन कंपनी के आशीष सिंह ठाकुर व आकाश सिंह ठाकुर को उक्त भूखंड पर एक सिंगल स्टोरी का मकान देकर बनाकर देना था इसके लिए विष्णु लखेरा ने आशीष सिंह ठाकुर व उसके भाई आकाश सिंह ठाकुर को 24 लाख 22 हजार रूपए दिये थे। जिसमें से लगभग 18 लाख रूपए की राशि अमानत में ख्यानत कर हड़प ली।

फास्टफूड दुकान से तीन घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

जबलपुर। गौरीघाट थानान्तर्गत कल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चण्डी माई मंदिर के बाजू में एक फास्टफूड दुकान में दबिश देकर मौके से तीन नग रसोई गैस के सिलेण्डर एक पाईप एक रिगुलेटर जब्त किया है। दुकान संचालक रसोई गैस सिलेण्डरों का इस्तेमाल व्यवसायिक रूप में कर रहा था जिसे देखते हुए आरोपी दुकान संचालक के खिलाफ धारा 287 बीएनएस तथा 3,7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। गौरीघाट पुलिस ने बताया कि कल मुखबिर से सूचना मिली कि चण्डीमाई मंदिर के बाजू में राज यादव फूड स्टॉल पर घरेलू गैस सिलेण्डर का इस्तेमाल कर फास्टफूड तैयार कर ग्राहकों को बेच रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी तो एक व्यक्ति दुकान चलाते मिला जिसने पूछताछ के दौरान अपना नाम बादशाह हलवाई मंदिर गली नंबर 1 निवासी राज यादव बताया। दुकान की तलाशी के दौरान तीन नग एचपी कंपनी के घरेलू गैस सिलेण्डर मिले हैं जिसे दुकान में बिना सुरक्षा अग्निशमन यंत्र व अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग में लिया जा रहा था। पकड़ा गया आरोपी फास्टफूड दुकान संचालक अपराधिक प्रवृत्ति का है जिसके खिलाफ गौरीघाट थाने में एक दर्जन से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं।

सिहोरा, मझगवां और गोरखपुर में हादसे

3 सड़क दुर्घटनाओं में 5 घायल

जबलपुर। सिहोरा, मझगवां और गोरखपुर में तीन सड़क दुर्घटना का मामला प्रकाश में आया हैं। इस दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए जिनमें एक महिला भी शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं।

सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आगाचौक रानीताल निवासी 30 वर्षीय हलवाई रामकृपाल भवेदी गत सुबह खाना बनाने के लिए अपनी बाईक में विद्या बाई को बैठाकर तथा दूसरी बाईक में दोस्त हेमंत के साथ विद्या बाई की बेटी शालू बाई के साथ स्लीमनाबाद गए थे। जहां से वापस आते समय रात लगभग 11.30 बजे बरगी नहर के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड एल 4615 के चालक ने उसकी मोटर सायकल में टक्कर मार दिया जिससे रामकृपाल और विद्या बाई मोटर सायकल सहित गिर गये और दोनों को हाथ पैर, सिर में शरीर में चोट आ गई। विद्यावाई को ज्यादा चोटें आने से हेमंत मरावी एवं शालू बाई के साथ उपचार हेतु जबलपुर भिजवाया है।

इसी तरह मझगवां में गुरुनानक वार्ड पनागर निवासी 36 वर्षीय रवि चौधरी गत दिवस अपनी साथी शुभम विश्वकर्मा, राजेश यादव के

साथ दो मोटर सायकल से प्रतापपुर मझगवां बढ़ई का कार्य करने का पेमेंट लेने गये थे। जहां से रमखिरिया तालाब मेन रोड से जबलपुर की ओर जाते समय पीछे से आ रही बुलट मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन आर 9412 के चालक ने शुभम विश्वकर्मा की मोटर सायकल में टक्कर मार दी, जिससे शुभम विश्वकर्मा एवं राजेश यादव मोटर सायकल सहित नीचे गिरकर घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया है। इसी प्रकार गोरखपुर में सदर केंट निवासी 25 वर्षीय अभिषेक सिंह जाटव गत रात लगभग 11.55 बजे सीनियर एडवोकेट के आफिस इंद्रपुरी कालोनी गौरीघाट से अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन एफ 1541 से घर जा रहा था जैसे ही जॉनसन स्कूल के सामने कटंगा पहुंचा तभी कार क्रमांक एमपी 20 जेड ए 6000 के चालक ने उसकी मोटर सायकल में साईड से टक्कर मार दी, जिससे वह मोटर सायकल सहित नीचे गिरकर घायल हो गया। इस दौरान उसकी उसकी सिल्वर की अंगूठी भी गिर गई है तथा मोटर सायकल क्षतिग्रस्त हो गयी है। पुलिस ने सभी आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुराना तोड़कर नया ताला लगाकर भागे चोर

दिन दहाड़े सूने मकान से जेवर व नगदी चोरी

जबलपुर। जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर ब्राम्हणपुरा में एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर सहित नगदी रुपए चोरी कर ले गए है। बताया गया है कि बीएसएफ भिलाई निरीक्षक 6 दिन की छुट्टी लेकर आया था और ससुराल में रुका था। इस बीच दिनदहाड़े उसके घर का ताला तोड़कर वारदात को चोरों ने अंजाम दिया और दूसरा ताला लगाकर चले गए। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्राम्हणपुरा निवासी बीएसएफ भिलाई में निरीक्षक के पद पर पदस्थ 36 वर्षीय राहुल कुररिया गत दिवस 6 दिन की छुट्टी लेकर अपनी पत्नी विजयश्री कुररिया के साथ सिहोरा आया था उसकी बहन रीना मिश्रा की तबियत खराब होने पर उसकी मां नागपुर गई थी और राहुल ने घर पर ताला लगाया और चाबी अपनी चाची मीना कुररिया को दी और पत्नी के साथ ब्राम्हणपुरा ससुराल चला गया। दोपहर लगभग 3.30 बजे चाची से चाबी लेकर अपने घर का ताला खोलने लगा, ताला नहीं खुलने पर उसने ताला काटने वाले को बुलवाकर ताला कटवाया तो उसके होश उड़ गए, कमरों के दरवाजे के कुंदे, आलमारी एवं पेटी के ताले टूटे हुये थे। आलमारी एवं पेटी में रखे सोने की झुमकी, एक जोड़ी टाप्स, हाथ के फूलन, 2 छोटे मंगलसूत्र, 1 चैन, हाय चंद्रना, कंगन तथा चांदी की हाफ करधन, 1 गुच्छा, सिक्के, पायल, हाय चंद्रमा एंव नगदी 5 हजार रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या उत्प्रेरणा का मामला दर्ज

पति, सास, जेठ से तंग आकर शालू ने की थी आत्महत्या

जबलपुर। बेलबाग थाना अतंर्गत भानतलैया में आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित कर शारीरिक व मानसिक रुप से परेशान करने वाले पति, सास व जेठ के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया हैं। मृतिका के मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि जेठ बुरी नीयत रखता था और सास खाने के लिए नहीं देती थी और पति शराब पीकर मारपीट करता था। इन्ही सब प्रताड़नाओं से तंग आकर शालू ने शादी के सात साल बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

बेलबाग पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार भानतलैया निवासी 28 वर्षीय श्रीमति शालू ने गत शाम लगभग 3.30 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। जांच के दौरान मृतिका श्रीमति शालू उर्फ शालिनी सोनकर के मायके पक्ष ने अपने बयान में बताया कि शालू सोनकर की शादी वर्ष 2018 में भानतलैया बेलबाग निवासी मोहित उर्फ कंजा सोनकर के साथ हुयी थी। पति मोहित सोनकर द्वारा प्रतिदिन शराब का सेवन कर शालू के साथ गाली गलौज कर मारपीट करना, मायके जाने के लिये कहना एवं खाने के लिये कुछ नहीं देना एवं जेठ संजू सोनकर द्वारा गालीगलौज करना, बुरी नियत से शालू को देखना एवं जबरदस्ती करने का प्रयास करना, सास बेबी सोनकर द्वारा पैसों की मांग करना, पैसे नहीं देने पर गाली गलौज करते हुये मारपीट कर घर से निकालने की धमकी देना तथा घटना से पूर्व आत्महत्या के लिये उकसाया जाता था, जिससे परेशान होकर श्रीमति शालू सोनकर ने घर के सीलिंग पंखा से दुपट्टा से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आरोपी पति मोहित उर्फ कंजा सोनकर, सास बेबी सोनकर, जेठ संजू सोनकर, बंटी सोनकर के विरूद्ध धारा 108 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240